नई दिल्ली। मंगलवार, 08 सितम्बर, 2026
भाद्रपद कृष्ण पक्ष द्वादशी सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 12, अंक : 243/ मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari
सिर्फ पत्रकारिता...

@ खेल दलीप ट्रॉफी फाइनलः तिहरा शतक...
@ विचार सत्य निकेतन हादसाः जिम्मेदार अधिकारियों ...
@ व्यापार सेंसेक्स 383 अंक फिसला...

विश्व केसरी खबर झरोखा

ग्रामीण एलपीजी उपभोक्ताओं को बड़ी राहत, अब 25 दिन में दोबारा बुक करा सकेंगे गैस सिलेंडर

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों के घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं को बड़ी राहत देते हुए गैस सिलेंडर की दोबारा बुकिंग के लिए निर्धारित न्यूनतम अंतराल को घटाकर 25 दिन कर दिया है। इस फैसले के साथ अब ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के उपभोक्ताओं के लिए एलपीजी रिफिल बुकिंग का नियम समान हो गया है।

केंद्रीय पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस एवं पर्यटन राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने सोमवार को कहा कि देश में एलपीजी आपूर्ति की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार और लंबित रिफिल बुकिंग में भारी कमी आने के बाद सरकार ने पहले से लागू प्रतिबंधों में ढील देने का निर्णय लिया है।

अमेरिका-ईरान संघर्ष और होर्मुज जलडमरूमध्य में आपूर्ति बाधित होने के दौरान देश में एलपीजी की उपलब्धता पर दबाव बढ़ गया था। उस अवधि में सरकार ने शहरी उपभोक्ताओं को 25 दिन के अंतराल पर रिफिल बुकिंग की अनुमति दी थी, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों के ग्राहकों के लिए यह अवधि 45 दिन निर्धारित की गई थी।

भारतीय वायुसेना की स्वदेशी ड्रोन तकनीक का पोखरण में होगा प्रदर्शन

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना राजस्थान के पोखरण फील्ड फायरिंग रेंज में 14 से 16 सितंबर तक एक विशेष 'ड्रोनाथॉन' आयोजित करने जा रही है। इस आयोजन एक खास बात यह है कि यहां देश की स्वदेशी कंपनियां अपने-अपने ड्रोन और मानव रहित हवाई प्रणालियों की क्षमताओं का प्रदर्शन करेंगी।

'ड्रोनाथॉन' का मुख्य उद्देश्य वायुसेना के सामने देश में विकसित ड्रोन तकनीक की वास्तविक क्षमताओं को प्रदर्शित करना है। इसमें विभिन्न भारतीय कंपनियां अपने अत्याधुनिक ड्रोन लेकर पहुंचेंगी। ड्रोन तकनीक का वायुसेना के अधिकारियों के समक्ष लाइव प्रदर्शन किया जाएगा। इस दौरान केवल ड्रोन की बनावट या तकनीकी विशेषताओं को ही नहीं दिखाया जाएगा, बल्कि उनकी वास्तविक परिचालन क्षमता का भी प्रदर्शन किया जाएगा।

मलेशिया एयरलाइंस की आपात लैंडिंग

चेन्नई। चेन्नई एयरपोर्ट पर इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीमों को सोमवार को एक्टिवेट कर दिया गया। कुआलालंपुर से जेद्दा जा रही मलेशिया एयरलाइंस की एक फ्लाइट को इंजन में तकनीकी खराबी के कारण शहर की ओर मोड़ दिया गया। एयरपोर्ट के एक अधिकारी के अनुसार, मलेशिया एयरलाइंस की फ्लाइट एमएच156 के तौर पर चल रहे बोइंग विमान में 186 लोग सवार थे, जब उसने चेन्नई एयरपोर्ट पर सुरक्षित लैंडिंग की। विमान के इंजन नंबर 2 में तकनीकी खराबी की सूचना मिलने के बाद एयरपोर्ट पर 'फुल इमरजेंसी' घोषित कर दी गई। विमान को सुरक्षित जमीन पर उतारा गया, जिसके बाद एयरलाइन की टेक्निकल टीमों और दूसरे संबंधित कर्मचारियों ने समस्या की प्रकृति और गंभीरता का पता लगाने के लिए जांच शुरू की।

देश के 130 में से 108 शहरों की वायु गुणवत्ता में सुधार

लखनऊ पहले, इंदौर दूसरे और जबलपुर तीसरे स्थान पर रहे

एजेंसी ■ नई दिल्ली

देश के 130 शहरों में से 108 शहरों में हवा की गुणवत्ता में सुधार दर्ज किया गया है। राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के तहत 2025-26 में 2017-18 के मुकाबले 72 शहरों में PM10 का स्तर 20 फीसदी से ज्यादा घटा, जबकि 26 शहरों में कमी 40 फीसदी से अधिक रही। हालांकि, केवल 14 शहर ही राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानकों (NAAQS) को हासिल कर पाए।

पर्यावरण मंत्रालय ने जारी किए नतीजे

अंतरराष्ट्रीय स्वच्छ वायु दिवस के मौके पर सोमवार को पर्यावरण मंत्रालय ने 5वें स्वच्छ वायु सर्वेक्षण-2026 के नतीजे जारी किए और बेहतर प्रदर्शन करने वाले शहरों व वार्डों को सम्मानित किया। सर्वेक्षण में 130 शहरों को आबादी के आधार पर तीन श्रेणियों में बांटा गया था। बड़े शहरों की श्रेणी में लखनऊ पहले, इंदौर दूसरे और जबलपुर तीसरे स्थान पर रहे। लखनऊ का PM10 स्तर 2017-18 के मुकाबले 2025-26 में 46.64 फीसदी घटा।

लखनऊ में ई-वाहनों से कूड़ा उठाने से लेकर सड़क सफाई तक

लखनऊ में डोर-टू-डोर कूड़ा उठाने के लिए 1,093 ई-वाहन, 97 ई-मैकेनिकल रोड स्वीपर और 1,100 किमी सड़कों की सफाई जैसी पहल की गई। शहर में 2,550 टन प्रतिदिन क्षमता का कचरा प्रोसेसिंग प्लांट है। शहर में 18.5 लाख टन पुराने कचरे का ट्रीटमेंट किया गया।

इन तीन शहरों में की गई पहल

मध्यम आबादी वाले शहरों में राउरकेला पहले, फिरोजाबाद दूसरे और अमरावती तीसरे स्थान पर रहे। फिरोजाबाद में PM10 का औसत स्तर 2017-18 के 247 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से घटकर 2025-26 में 100 माइक्रोग्राम रह गया, यानी 59.5 फीसदी सुधार। यहां मैकेनिकल रोड स्वीपिंग, सड़क पक्की करने और पौधे लगाने जैसी पहल की गईं।

छोटे शहरों में ओडिशा का दबदबा

तीसरी श्रेणी यानी तीन लाख से कम आबादी वाले शहरों में कलिंगानगर, अंगुल और तालचेर क्रमशः पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। कलिंगानगर में PM10 में 15.59 फीसदी सुधार दर्ज किया गया। यहां कचरा प्रबंधन, ई-वाहनों से कूड़ा उठाने और पौधरोपण पर जोर दिया गया।

दिल्ली के तीन वार्ड भी टॉप पर

वार्ड स्तर पर भी दिल्ली के तीन वार्डों को जगह मिली। 30 हजार से ज्यादा आबादी वाले वार्डों में NDMC का वार्ड नंबर-1, MCD का पश्चिमी पंजाबी बाग वार्ड नंबर-92 और रोहिणी-ए का वार्ड नंबर-21 दिल्ली के राज्य स्तरीय बेहतर प्रदर्शन करने वाले वार्डों में शामिल रहे। पश्चिमी पंजाबी बाग में दिल्ली को कूड़े से आजादी अभियान और भारत दर्शन पार्क में कबाड़ से 21 स्मारक बनाने जैसे काम दर्ज किए गए। रोहिणी-ए में 100 फीसदी एंड-टू-एंड पक्की सड़कें और गड्ढामुक्त सड़कें प्रमुख पहल रहीं।

देश के वार्डों में भी कई मॉडल

राष्ट्रीय स्तर पर 30 हजार से ज्यादा आबादी वाले वार्डों में लखनऊ का वार्ड-70 पहले, भोपाल का वार्ड-60 दूसरे और नासिक का वार्ड-7 तीसरे स्थान पर रहा। लखनऊ के वार्ड-70 में ग्रीन कॉरिडोर, रिवरसाइड ग्रीन बेल्ट, पौधरोपण और इलेक्ट्रिक वाहनों से 100 फीसदी डोर-टू-डोर कूड़ा इकट्ठा किया जा रहा है।

सत्य निकेतन हादसाः आरोपी पीजी संचालक पत्नी और बेटे के साथ गिरफ्तार

एजेंसी ■ नई दिल्ली

दिल्ली के सत्य निकेतन हादसे में दिल्ली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पीजी संचालक हरिराम गुप्ता, उनकी पत्नी उर्मिला गुप्ता और बेटे महेश गुप्ता को गिरफ्तार कर लिया है। हादसे में सात लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 5 अन्य घायल हुए हैं।

पुलिस जांच में सामने आया है कि शुरुआती जानकारी के विपरीत केवल कागजी मालिकाना हक ही नहीं, बल्कि पीजी के संचालन में भी परिवार की सक्रिय भूमिका थी। हरिराम गुप्ता और उनके बेटे महेश गुप्ता द्वारा पीजी का संचालन किया जाता था। वहीं, भवन के दस्तावेजों में मालिक के तौर पर उर्मिला गुप्ता का नाम दर्ज है। जांच अधिकारियों के मुताबिक हादसे के बाद तीनों आरोपी गुरुग्राम स्थित अपने घर से फरार हो गए थे। बाद में उन्हें हरियाणा के भिवाड़ी क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। पुलिस का कहना है कि संबंधित भवन का बिजली कनेक्शन हरिराम गुप्ता और महेश गुप्ता के नाम पर था, जिससे उनके संचालन संबंधी जुड़ाव की पुष्टि होती है। जांच में यह भी पता चला है कि पिछले वर्ष भवन के बेसमेंट में पानी भर गया था। इसी वजह से बेसमेंट में मरम्मत और नवीनीकरण का काम कराया जा रहा था, जिसके दौरान यह हादसा हुआ।

असुरक्षित इमारतों के खिलाफ हो सख्त कार्रवाई : उपराज्यपाल

एजेंसी ■ नई दिल्ली

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में रविवार को एक पीजी बिल्डिंग गिरने से सात लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद, सोमवार को दिल्ली के उप-राज्यपाल टी.एस. संधू ने एक हाई-लेवल मीटिंग की अध्यक्षता की। उन्होंने असुरक्षित इमारतों के खिलाफ कार्रवाई के तरीकों और छात्रों के लिए रहने की जगह बढ़ाने पर समीक्षा की।उप-राज्यपाल ने शहरी विकास अधिकारियों को पीजी के लिए संस्थागत दिशानिर्देशों की समीक्षा करने वाली एक कमेटी का नेतृत्व करने का निर्देश भी दिया।

उपराज्यपाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, 'मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, मंत्री आशीष सूद, मुख्य सचिव, डीजी एनडीआरएफ और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ दिल्ली भर में बिल्डिंग की सुरक्षा, छात्रों के रहने की व्यवस्था और पीजी नियमों पर समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।' पोस्ट में आगे लिखा गया, 'असुरक्षित इमारतों के खिलाफ सख्त कार्रवाई, स्पष्ट संस्थागत जवाबदेही और शिकायतों के तेजी से समाधान और संकट के समय तालमेल के लिए डीडीएमए के तहत एक इमरजेंसी सिस्टम बनाने पर जोर दिया। जीएनसीटीडी के शहरी विकास मंत्री को निर्देश दिया कि वे संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक कमेटी का नेतृत्व करें। यह कमेटी पीजी के लिए संस्थागत दिशानिर्देशों की समीक्षा करेगी, यूनिवर्सिटी, एमसीडी और डीडीए के माध्यम से छात्रों के रहने के लिए वैकल्पिक जगहों का पता लगाएगी और छात्रों के रहने के लिए डीडीए के खाली पड़े घरों के इस्तेमाल की संभावना का आकलन करेगी।'

बैठक के बाद, मंत्री सूद ने पत्रकारों से कहा, 'इस दुखद घटना के संबंध में आज उप-राज्यपाल के साथ दिल्ली प्रशासन से जुड़े सभी विभागों की एक संयुक्त बैठक हुई। बैठक में पुलिस, एनडीआरएफ, अलग-अलग जगहों पर एनडीआरएफ की तैनाती और हमारे रिस्पॉन्स टाइम को और कम करने के तरीकों पर चर्चा हुई।

भारतीय अंतरिक्ष स्टार्टअप्स के लिए खुला है अमेरिकी बाजार

चंद्रमा मिशन में भारत के साथ साझेदारी चाहता है अमेरिकाः सर्जियो गोर

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने सोमवार को कहा कि अमेरिकी बाजार भारतीय अंतरिक्ष स्टार्टअप्स के लिए पूरी तरह खुला है और अमेरिकी निवेशक भारत के तेजी से बढ़ते स्पेस सेक्टर पर करीबी नजर बनाए हुए हैं। उन्होंने संकेत दिया कि चंद्रमा पर स्थायी मानव उपस्थिति की दिशा में अमेरिका की महत्वाकांक्षी योजनाओं में भारत एक महत्वपूर्ण साझेदार बन सकता है।

बेंगलुरु स्पेस एक्सपो 2026 को संबोधित करते हुए गोर ने कहा कि अमेरिका भारत के साथ अंतरिक्ष सहयोग को नई ऊंचाइयों पर ले जाना चाहता है। उन्होंने बताया कि नासा ने आधिकारिक रूप से इसरो को अपने मून बेस कार्यक्रम में शामिल होने का निमंत्रण दिया है।

उन्होंने कहा, इसमें कोई संदेह नहीं है कि हम चंद्रमा पर वापस जा रहे हैं और हम चाहते हैं कि भारत चंद्रमा की सतह पर हमारे साथ खड़ा हो।

भारतीय स्पेस स्टार्टअप्स को संबोधित करते हुए गोर ने कहा कि अब उनके लिए वैश्विक अवसरों के द्वार तेजी से खुल रहे हैं। उन्होंने कहा, इस कक्ष में मौजूद प्रत्येक भारतीय अंतरिक्ष उद्यमी से मैं कहना चाहता हूं कि अमेरिकी बाजार आपके लिए खुला है। हमारे निवेशक आपको देख रहे हैं और हमारा नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र आपका स्वागत करता है।

उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच अंतरिक्ष साझेदारी एक नए दौर में प्रवेश कर चुकी है। हाल ही में आयोजित नौवें भारत-अमेरिका असैनिक अंतरिक्ष संयुक्त कार्य समूह की बैठकों का उल्लेख करते हुए गोर ने कहा कि दोनों देशों का सहयोग अब केवल डेटा साझा करने तक सीमित नहीं है।

उन्होंने कहा, हमारा संबंध अब महज सहयोग का नहीं बल्कि सह-निर्माण का है। हम केवल जानकारी साझा नहीं कर रहे, बल्कि उपकरणों का संयुक्त विकास कर रहे हैं, स्टार्टअप्स को संयुक्त रूप से वित्तीय सहायता दे रहे हैं और मानवता की अगली वैज्ञानिक उपलब्धियों का भविष्य साथ मिलकर लिख रहे हैं। गोर ने कहा कि अंतरिक्ष क्षेत्र अब केवल राष्ट्रीय प्रतिष्ठा का प्रतीक नहीं रह गया है, बल्कि यह वैश्विक अर्थव्यवस्था का एक प्रमुख इंजन बन चुका है।

'रूस में लोकतंत्र खत्म, चुनाव सिर्फ दिखावा' : यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबीहा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबीहा ने रूस में होने वाले चुनाव पर सवाल उठाते हुए राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की तीखी आलोचना की। उन्होंने कहा कि पुतिन की सरकार ने रूस में लोकतंत्र जैसी दिखाई देने वाली लगभग हर व्यवस्था को खत्म कर गिया है।

सिबीहा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, '18 से 20 सितंबर के बीच रूस में होने वाली इस प्रक्रिया को 'विधानसभा चुनाव' नहीं कहा जा सकता।' उन्होंने पोस्ट में आगे लिखा, 'व्लादिमीर पुतिन पिछले 26 वर्षों से रूस पर शासन कर रहे हैं, जो जोसेफ स्टालिन के शासन काल से भी लंबा समय है। इस दौरान उनकी सरकार ने लोकतंत्र जैसी दिखाई देने वाली लगभग हर व्यवस्था को धीरे-धीरे खत्म कर दिया है।'

एंड्री सिबीहा ने बताया कि रूस में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर कड़े प्रतिबंध हैं, विपक्षी नेताओं को जेल में डाला गया है या उनकी हत्या कर दी गई है। यूक्रेन के खिलाफ युद्ध की हल्की आलोचना करने वाली एकमात्र राजनीतिक पार्टी को भी चुनावी प्रक्रिया से बाहर कर दिया गया है। चुनाव में मौजूद बाकी विकल्प मतदाताओं को कोई वास्तविक विकल्प नहीं देते और स्वतंत्र ओएससीई पर्यवेक्षकों को भी पूरी तरह बाहर रखा गया है।

पीएम मोदी की रैली : 1 घंटे में ही ऑनलाइन बिके सारे टिकट

अहमदाबाद। पीएम मोदी की मंगलवार को वडोदरा में होने वाली जनसभा और उद्घाटन समारोह के टिकट पहली बार 'बुक माई शो' से मुफ्त में बुक किए गए। इसमें शामिल होने के लिए लोगों में इस कदर उत्साह नजर आया कि एक घंटे में ही सारे टिकट बुक हो गए। प्रधानमंत्री इस कार्यक्रम में 35 हजार करोड़ रुपये के विकास कार्यों का उद्घाटन एवं शिलान्यास करेंगे।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार नई ऊंचाई पर, 740.80 अरब डॉलर का रिकॉर्ड

आयुषी कुमारी

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार पहली बार 740 अरब डॉलर के स्तर को पार कर गया है। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) की ओर से 4 सितंबर 2026 को जारी आंकड़ों के अनुसार, 28 अगस्त को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 11.48 अरब डॉलर बढ़कर रिकॉर्ड 740.80 अरब डॉलर हो गया। इससे पिछले सप्ताह भी भंडार में 12.42 अरब डॉलर की वृद्धि हुई थी। दो सप्ताह में लगभग 24 अरब डॉलर की बढ़ोतरी ऐसे समय में हुई है, जब वैश्विक वित्तीय बाजारों में ब्याज दरों, व्यापार और ऊर्जा कीमतों को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है।

विदेशी मुद्रा भंडार किसी देश की बाहरी वित्तीय स्थिरता का महत्वपूर्ण आधार होता है। इसका उपयोग विदेशी भुगतान दायित्वों को पूरा करने, आयात आवश्यकताओं को बनाए रखने और विदेशी मुद्रा बाजार में अत्यधिक अस्थिरता से निपटने के लिए किया जा सकता है। 28 अगस्त तक भारत की विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां लगभग 600.67 अरब डॉलर और स्वर्ण भंडार लगभग 116.41 अरब डॉलर था।

हालिया वृद्धि में RBI की ओर से विदेशी मुद्रा प्रवाह बढ़ाने के लिए किए गए विशेष उपायों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। अगस्त के अंत तक इन व्यवस्थाओं के माध्यम से 136 अरब डॉलर से अधिक की विदेशी मुद्रा जुटाई गई, जिसमें FCNR(B) जमाओं से लगभग 127.2 अरब डॉलर शामिल थे। यह पूरा प्रवाह विदेशी निवेश नहीं है, क्योंकि इसमें विदेशी मुद्रा जमा और उधारी जैसे स्रोत भी शामिल हैं। फिर भी इससे देश में डॉलर की उपलब्धता बढ़ी और बाहरी क्षेत्र को मजबूती मिली।

रिकॉर्ड विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख लाभ रुपये की स्थिरता से जुड़ा है। वैश्विक परिस्थितियों के कारण डॉलर की मांग बढ़ने या पूंजी प्रवाह में कमी आने पर RBI के पास विदेशी मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप के लिए पर्याप्त संसाधन उपलब्ध रहते हैं। इससे रुपये में अत्यधिक उतार-चढ़ाव को नियंत्रित करने की क्षमता बढ़ती है।

रुपये की स्थिरता का सीधा संबंध घरेलू अर्थव्यवस्था से है। भारत कच्चे तेल, इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों, मशीनरी और औद्योगिक कच्चे माल के लिए बड़े पैमाने पर आयात पर निर्भर है। रुपये में तेज गिरावट से इन आयातों की लागत बढ़ सकती है, जिसका असर ईंधन, परिवहन और आयातित वस्तुओं की कीमतों पर पड़ता है। मजबूत विदेशी मुद्रा स्थिति ऐसे बाहरी दबावों से निपटने के लिए RBI को अधिक क्षमता देती है।

कारोबार के लिए भी स्थिर विनिमय दर महत्वपूर्ण है। आयातित कच्चे माल और मशीनरी पर निर्भर कंपनियों की लागत मुद्रा में उतार-चढ़ाव से प्रभावित होती है। अत्यधिक अस्थिरता से कारोबारी लागत और वित्तीय जोखिम बढ़ सकते हैं। पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार इस जोखिम को पूरी तरह समाप्त नहीं करता, लेकिन बाजार में भरोसा और स्थिरता बनाए रखने में मदद करता है। विदेशी निवेशकों के लिए भी मजबूत बाहरी स्थिति किसी अर्थव्यवस्था की भुगतान क्षमता और वित्तीय मजबूती का महत्वपूर्ण संकेत होती है।

विदेशी मुद्रा प्रवाह का असर घरेलू बैंकिंग प्रणाली की तरलता पर भी पड़ता है। RBI द्वारा विदेशी मुद्रा खरीदने पर बैंकिंग प्रणाली में रुपये की तरलता बढ़ सकती है। हाल में इसी कारण बैंकिंग प्रणाली में अतिरिक्त तरलता बढ़ी है, जिसे नियंत्रित करने के लिए RBI को कदम उठाने पड़े हैं। इससे स्पष्ट है कि विदेशी मुद्रा प्रवाह जहां बाहरी वित्तीय स्थिति को मजबूत करता है, वहीं घरेलू मौद्रिक प्रबंधन के लिए नई चुनौती भी पैदा कर सकता है।

फिर भी रिकॉर्ड भंडार को भारत की आर्थिक मजबूती का अंतिम प्रमाण मानना उचित नहीं होगा। हालिया वृद्धि में विशेष विदेशी मुद्रा योजनाओं से आए बड़े प्रवाह की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इन प्रवाहों के सामान्य होने के बाद भंडार किस स्तर पर स्थिर रहता है, यह आगे महत्वपूर्ण रहेगा।

दीर्घकाल में भारत के लिए प्राथमिकता केवल विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ाना नहीं, बल्कि निर्यात क्षमता का विस्तार, विदेशी निवेश को आकर्षित करना और आयात पर निर्भरता का बेहतर प्रबंधन करना है। मजबूत भंडार इन प्रयासों के लिए आवश्यक सुरक्षा प्रदान करता है।

740.80 अरब डॉलर का रिकॉर्ड भारत की बाहरी आर्थिक स्थिति के लिए निश्चित रूप से सकारात्मक संकेत है। वैश्विक ब्याज दरों, ऊर्जा कीमतों, व्यापारिक तनाव और पूंजी प्रवाह में उतार-चढ़ाव के बीच यह भंडार भारत को बाहरी आर्थिक झटकों से निपटने के लिए महत्वपूर्ण सुरक्षा कवच प्रदान करता है। अब महत्वपूर्ण यह होगा कि इस वित्तीय मजबूती को दीर्घकालिक आर्थिक वृद्धि और अधिक मजबूत बाहरी क्षेत्र में किस प्रकार बदला जाता है।

तीर तेवर — सागर कुमार

दिल्ली में 5 मंजिला अवैध हॉस्टल गिरा, सात की मौत

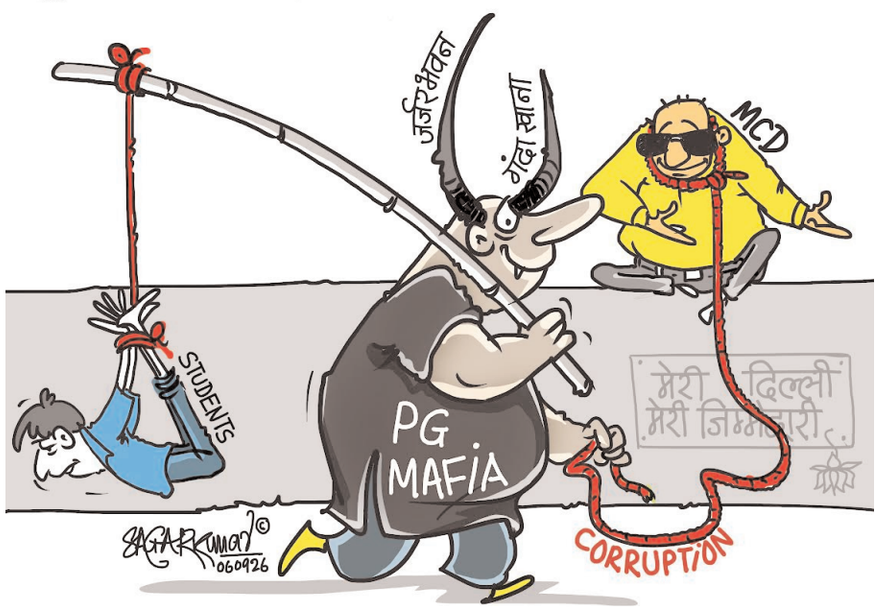

बेटियों को नेतृत्व और सुरक्षा का मजबूत कवच, मीना मंचों के 450 प्रतिभागियों को प्रशिक्षित करेगी सरकार

विश्व केसरी■

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार बेटियों को शिक्षा के साथ नेतृत्व, आत्मविश्वास और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के लिए विद्यालय स्तर पर चल रहे कार्यक्रमों को संस्थागत मजबूती दे रही है। इसी नीति के अंतर्गत विशेष परियोजना फॉर इक्विटी के अंतर्गत मीना मंचों को बालिकाओं के सशक्तीकरण और नेतृत्व क्षमता विकास का प्रभावी माध्यम बनाने के लिए राज्य स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

महानिदेशक स्कूल शिक्षा मोनिका रानी के अनुसार एसआईईटी, प्रयागराज में 9 से 24 सितंबर तक नौ बैचों में कुल 450 प्रतिभागियों की ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर्स (टीओटी) एवं मास्टर ट्रेनर (एमटी) कार्यशाला होगी। कार्यशाला में मीना मंचों के सशक्तीकरण, नेतृत्व क्षमता प्रदान करने तथा यौन शोषण संबंधी प्रावधानों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रतिभागियों की क्षमता संवर्धित की जाएगी।

जारी दिशा निर्देश के अनुसार प्रथम एवं द्वितीय बैच की कार्यशाला 9 एवं 10 सितंबर, तृतीय एवं चतुर्थ बैच की 11 एवं 12 सितंबर, पंचम एवं षष्ठम बैच की 21 एवं 22 सितंबर, सप्तम एवं अष्टम बैच की 16 एवं 17 सितंबर तथा नवें बैच की कार्यशाला 23 एवं 24 सितंबर 2026 को होगी।

प्रत्येक बैच में 50 प्रतिभागी शामिल होंगे और कुल 450 प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। कार्यशाला में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से प्रतिभागी शामिल होंगे। प्रथम बैच में बदायूं, बुलंदशहर, चंदौली, चित्रकूट, देवरिया, एटा, इटावा, फैजाबाद और फर्रुखाबाद से छह-छह प्रतिभागी शामिल होंगे।

द्वितीय बैच में फतेहपुर, फिरोजाबाद, गौतमबुद्धनगर, गाजियाबाद, गाजीपुर, गोंडा, गोरखपुर और हमीरपुर से प्रतिभागी होंगे। तृतीय बैच में हापुड़, हरदोई, हाथरस, जालौन, जौनपुर, झांसी, कन्नौज और कानपुर देहात तथा चतुर्थ बैच में कासगंज, कौशाम्बी, कुशी नगर, कानपुर नगर, लखीमपुर खीरी, ललितपुर, लखनऊ और महराजगंज से प्रतिभागी शामिल होंगे। इसी तरह पंचम बैच में महोबा, मैनपुरी, मथुरा, मऊ, मेरठ, मिर्जापुर, मुरादाबाद और मुजफ्फरनगर तथा षष्ठम बैच में पीलीभीत, प्रतापगढ़, रायबरेली, रामपुर, सहारनपुर, संभल, संत कबीर नगर और शाहजहांपुर से प्रतिभागी होंगे।

सप्तम बैच में शामली, सिद्धार्थनगर, सीतापुर, सोनभद्र, श्रावस्ती, सुल्तानपुर, उन्नाव और वाराणसी तथा अष्टम बैच में आगरा, अलीगढ़, औरैया, प्रयागराज, अम्बेडकर नगर, अमेठी, अमरोहा, आजमगढ़ और बागपत से सहभागिता होगी, जबकि नवां बैच 23 एवं 24 सितंबर को आयोजित होगा, जिसमें बहराइच, बलरामपुर, बांदा, बाराबंकी, बरेली, बस्ती, भदोही और बिजनौर से प्रतिभागी शामिल होंगे। कार्यशाला का उद्देश्य मीना मंचों को बालिकाओं के सशक्तीकरण, नेतृत्व क्षमता और सुरक्षा संबंधी जागरूकता से जोड़ते हुए प्रशिक्षित मानव संसाधन तैयार करना है।

'सिंगाप्पन' विशेष बल के लिए 2,546 नए पद बनाए गएः जोसेफ विजय

विश्व केसरी■

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री जोसेफ विजय ने सोमवार को घोषणा की कि तमिलनाडु में महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए 'सिंगाप्पन' ('सिंगाप्पन' विशेष बल/एसएसएफ) के लिए 2,546 नए पद सृजित किए गए हैं।

विधानसभा में पुलिस, अग्निशमन और बचाव सेवा विभागों के लिए अनुदान की मांगों पर हुई बहस का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री विजय ने कहा कि बल को 327 चार पहिया वाहन, 109 दो पहिया वाहन और 357 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिक उपकरण प्रदान किए गए हैं। कार्य बल ने अब तक 268 आपराधिक मामले दर्ज किए हैं और 125 लापता महिलाओं और बच्चों को सुरक्षित बचाकर उनके परिवारों से मिला दिया है। उन्होंने बताया कि इसने 37,150 जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए हैं और 21 बाल विवाहों को रोका है।

मुख्यमंत्री विजय ने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल अपराध होने के बाद प्रतिक्रिया देना नहीं है, बल्कि अपराधों को रोकना और ऐसा वातावरण बनाना है जिसमें महिलाएं बिना किसी डर के रह सकें। उन्होंने आगे कहा कि महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा प्रशासन की सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों में से एक बनी हुई है। पुलिस को शांति और विकास की नींव बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि औद्योगिक निवेश और आर्थिक प्रगति प्रभावी कानून व्यवस्था बनाए रखने पर निर्भर करती है।

उन्होंने कहा कि जो लोग कानून का सम्मान करने से इनकार करते हैं, पुलिस को उनका विरोधी होना चाहिए। नशीले पदार्थों के संबंध में, मुख्यमंत्री विजय ने कहा कि 37 जिलों और नौ आयुक्तालयों में 65 नशीली दवाओं के विरोधी दस्ते तैनात किए गए हैं। पुलिस ने मादक पदार्थों के खिलाफ कानूनों के तहत 3,263 मामले दर्ज किए थे और 4,350 लोगों को गिरफ्तार किया था। अधिकारियों ने 4,846 किलोग्राम गांजा और 116,159 मादक गोलियां भी जब्त कीं।

उन्होंने कहा कि मादक पदार्थों की तस्करी के नेटवर्क को नष्ट करना और युवाओं को नशे की लत से बचाना केंद्रीय प्राथमिकताएं हैं, साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि इस गंभीर मादक पदार्थ की समस्या को जड़ से खत्म करने के लिए सरकार के पहले 100 दिनों से परे निरंतर कार्रवाई की आवश्यकता होगी।

भ्रष्टाचार के मुद्दे पर बोलते हुए मुख्यमंत्री विजय ने कहा कि प्रवर्तन एजेंसियों को बिना किसी झिझक के अपने वैधानिक कर्तव्यों का पालन करने का निर्देश दिया गया है।

संक्षिप्त खबरें

झारखंड के लातेहार में करंट की चपेट में आने से जंगली हाथी की मौत

विश्व केसरी■

लातेहार। झारखंड के लातेहार जिले में बिजली के करंट की चपेट में आने से एक जंगली हाथी की मौत हो गई। घटना रविवार-सोमवार की दरमियानी रात बालूमाथ थाना क्षेत्र की झाबर पंचायत के कोमर गांव के कुसी टोला में हुई। बताया जा रहा है कि करीब 15 हाथियों का झुंड इलाके में मक्के की फसल की ओर पहुंचा था। इसी दौरान एक हाथी बिजली के तार की चपेट में आ गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, हाथियों का झुंड पिछले कुछ दिनों से क्षेत्र में फसलों और घरों को नुकसान पहुंचा रहा था। हाथियों से फसल और घर बचाने के लिए गांव के एक ग्रामीण बिफा उरांव ने कथित तौर पर अपने घर के चारों ओर नंगे बिजली के तारों की बाड़ लगा रखी थी। बताया जा रहा है कि इन तारों में करंट प्रवाहित किया गया था। देर रात हाथियों का झुंड मक्के के खेत की ओर पहुंचा। अंधेरा होने के कारण एक हाथी बिजली के तारों की चपेट में आ गया। करंट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद हाथियों की

दो सड़क हादसों में 7 की मौत, तिरुपति दर्शन कर लौट रहे परिवार पर टूटा कहर

विश्व केसरी■

बेंगलुरु। कर्नाटक के कोलार और चिक्कबल्लापुर जिलों में हुए दो सड़क हादसों में सात लोगों की मौत हो गई। इनमें एक ही परिवार के चार सदस्य भी शामिल थे, जो सोमवार को तिरुपति मंदिर के दर्शन करके बेंगलुरु लौट रहे थे। पहली घटना में, बेंगलुरु के चार तीर्थयात्रियों की मौत हो गई। उनकी कार चेन्नई-बेंगलुरु एक्सप्रेसवे पर कोलार जिले के केजीएफ तालुक में डोड्डा कारी गांव के पास पलट गई। मरने वालों की पहचान शरदाम्मा (70), दीक्षिता (25), देवेंद्र कुमार (41) और जिष्णु (13) के तौर पर हुई है। वे बेंगलुरु के विद्यारण्यपुरा के रहने वाले थे। ये लोग भगवान वेंकटेश्वर के दर्शन के लिए तिरुपति गए थे और बेंगलुरु लौट रहे थे, तभी यह हादसा हुआ। बताया जा रहा है कि कार बेकाबू होकर डिवाइडर से टकराई और पलट गई, जिससे कार में सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। गाड़ी में सवार तीन अन्य लोग (विकास, नीतू और अद्विका) घायल हो गए और उन्हें इलाज के लिए बंगारपेट सरकारी अस्पताल ले जाया गया। बेथामंगला पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है और आगे की जांच चल रही है।

नेटिजन बनने से पहले सिटिजन बनें युवा : प्रो. संजय द्विवेदी

साहित्यायन, दिल्ली की प्रथम व्याख्यानमाला में हुआ गंभीर विमर्श

नई दिल्ली। भारतीय जन संचार संस्थान के पूर्व महानिदेशक प्रो. संजय द्विवेदी का कहना है कि डिजिटल मीडिया मनुष्य के लिए एक उपयोगी साधन है, लेकिन उसे जीवन का विकल्प नहीं बनने देना चाहिए। युवाओं को तकनीक का उपयोग ज्ञान-सृजन, संवाद, शिक्षा, रोजगार और अवसरों के विस्तार के लिए करना चाहिए। उन्होंने कहा कि डिजिटल माध्यमों पर बढ़ती निर्भरता के बीच मौलिक चिंतन, मानवीय संवेदना और सामाजिक जिम्मेदारी को सुरक्षित रखना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

वे यहां साहित्य, कला और संस्कृति के संवर्धन के लिए गठित संस्था 'साहित्यायन' की प्रथम व्याख्यानमाला को आनलाइन संबोधित कर रहे थे। 'डिजिटल मीडिया और युवा जीवन-दृष्टि' विषय पर आयोजित इस व्याख्यानमाला में प्रो. द्विवेदी ने कहा कि यह समय वर्नाकुलर, वॉइस और वीडियो है। डिजिटल क्रांति ने भारतीय भाषाओं के सामने अभूतपूर्व संभावनाएँ उत्पन्न की हैं। डिजिटल माध्यमों के कारण भाषा और लिपि की अनेक बाधाएँ समाप्त हुई हैं। भारतीय भाषाओं का साहित्य, सिनेमा, रंगमंच, कला और सांस्कृतिक ज्ञान आज वैश्विक पटल पर उपलब्ध है।

प्रो. द्विवेदी ने कहा कि प्रत्येक वायरल सूचना सत्य नहीं होती। किसी संदेश, समाचार अथवा वीडियो को साझा करने से पहले उसके स्रोत, संदर्भ, सत्यता और विश्वसनीयता की जाँच करना आवश्यक है। युवाओं को केवल डिजिटल उपभोक्ता नहीं बल्कि जिम्मेदार डिजिटल नागरिक बनना होगा। उन्होंने मीडिया साक्षरता की आवश्यकता रेखांकित करते हुए कहा, 'बुरा मत टाइप करो, बुरा मत लाइक करो और बुरा मत शेयर करो।' बिना सत्यापन के सामग्री प्रसारित करने की प्रवृत्ति व्यक्ति और समाज-दोनों के लिए हानिकारक हो सकती है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के साथ गहरी जिम्मेदारी भी जुड़ी है। असहमति व्यक्त करना प्रत्येक नागरिक का अधिकार है, लेकिन किसी का अपमान करना, घृणा फैलाना, उत्पीड़न करना और भ्रामक सूचना प्रसारित करना उचित डिजिटल व्यवहार नहीं है। डिजिटल दुनिया में निजता एक महत्त्वपूर्ण नागरिक मूल्य है।

मुख्यमंत्री अधिकारी ने बंगाल में 'एबी पीएम-जेएवाई' की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला

विश्व केसरी■

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने सोमवार को 'एबी पीएम-जेएवाई' (प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना) की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। इस योजना को इस वर्ष के अंत में संपन्न हुए पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के बाद राज्य में शुरू किया गया था।

सोमवार दोपहर को जारी एक सोशल मीडिया बयान में मुख्यमंत्री ने दावा किया कि वर्तमान में पश्चिम बंगाल में 3.23 करोड़ सक्रिय कार्ड हैं, जिनके तहत राज्य भर में 3.23 करोड़ लाभार्थियों को अब 500,000 रुपए तक की गारंटीकृत वित्तीय सुरक्षा प्राप्त हो रही है। उन्होंने यह भी बताया कि इस योजना के तहत अब तक राज्य में 31,541 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मुख्यमंत्री के सोशल मीडिया बयान में कहा गया कि हजारों मरीजों को सूचीबद्ध अस्पतालों में समय पर, बिना नकद भुगतान के इलाज मिल चुका है और उनके परिवारों को आर्थिक संकट में नहीं डाला गया है। उन्होंने यह भी बताया कि 31,541 अस्पताल में भर्ती मरीजों में से 716 मरीज राज्य के बाहर के थे।

मुख्यमंत्री ने दावा किया कि देशव्यापी परिवहन सुविधा का लाभ उठाते हुए पश्चिम बंगाल के मरीजों को भारत भर के प्रमुख संस्थानों में निर्बाध उपचार प्राप्त हुआ है। उनके अनुसार, ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने से लेकर देशभर में निर्बाध स्वास्थ्य सेवा सुविधा उपलब्ध कराने तक, इस योजना ने पश्चिम बंगाल के स्वास्थ्य सेवा परिदृश्य को मौलिक रूप से बदलना शुरू कर दिया है।

नोएडा के पर्थला गांव में किसानों की महापंचायत, डूब क्षेत्र में बिजली-पानी और स्थायी कनेक्शन की मांग तेज

विश्व केसरी■

नोएडा। डूब क्षेत्र में रहने वाले लोगों की बिजली, पानी और अन्य मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं को लेकर सोमवार को नोएडा के पर्थला गांव में किसानों की महापंचायत का आयोजन किया गया। महापंचायत में डूब क्षेत्र में रहने वाले सैकड़ों की संख्या में किसान और स्थानीय लोग शामिल हुए। लोगों ने लंबे समय से चली आ रही समस्याओं को लेकर अपनी आवाज बुलंद की और प्रशासन से जल्द समाधान की मांग की।

महापंचायत में मुख्य मुद्दा डूब क्षेत्र में बिजली कनेक्शन रहा। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई वर्षों से डूब क्षेत्र में बड़ी संख्या में परिवार रह रहे हैं, लेकिन उन्हें वैध और स्थायी बिजली कनेक्शन की सुविधा नहीं मिल पा रही है। बिजली व्यवस्था को लेकर लोगों को लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। महापंचायत में शामिल लोगों ने मांग की कि डूब क्षेत्र में रहने वाले परिवारों को नियमानुसार स्थायी बिजली मीटर उपलब्ध कराए जाएं, ताकि उन्हें अस्थायी या अनियमित बिजली व्यवस्था पर निर्भर न रहना पड़े। इसके साथ ही महापंचायत में पेयजल की समस्या भी प्रमुखता से उठाई गई। ग्रामीणों और स्थानीय निवासियों का कहना है कि हजारों परिवारों के सामने बिजली के साथ-साथ पानी की समस्या भी बनी हुई है।

मराठा आंदोलन के बीच महाराष्ट्र सरकार का फैसला, शिक्षा-रोजगार के लिए जारी किए 4 अहम आदेश

विश्व केसरी■

मुंबई/जालना। महाराष्ट्र सरकार ने जालना के अंतरवाली सराटी में मराठा कार्यकर्ता मनोज जरांगे पाटिल की भूख हड़ताल के सोमवार को लगातार 10वें दिन में प्रवेश करने के साथ ही मराठा, कुनबी और सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्गों (एसईबीसी) के लिए शिक्षा, वित्त और रोजगार से जुड़े बड़े लाभ देने वाले चार अहम सरकारी आदेश (जीआर) और आधिकारिक निर्देश जारी किए।

तकनीकी शिक्षा निदेशालय (डीटीई) ने राज्य भर के सभी डिविजनल ऑफिस और यूनिवर्सिटी को तत्काल निर्देश जारी किए। 2026-27 शैक्षणिक वर्ष से, मराठा समुदाय के छात्रों को अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) श्रेणी के बराबर सभी शैक्षिक रियायतें और लाभ मिलेंगे।

उच्च और तकनीकी शिक्षा विभाग ने आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग (ईबीसी), आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यू) और एसईबीसी श्रेणियों के छात्रों के लिए हॉस्टल रखरखाव भत्ते के लंबित भुगतान के लिए 200 करोड़ रुपए मंजूर और जारी किए। विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान अतिरिक्त मांगों के माध्यम से इन फंड को मंजूरी दी गई और आवंटित किया गया। योजना विभाग ने सामाजिक न्याय विभाग की नीति के अनुरूप छत्रपति शाहू महाराज रिसर्च, ट्रेनिंग एंड ह्यूमन डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट (सारथी) द्वारा संचालित विदेशी स्कॉलरशिप फ्रेमवर्क में संशोधन किया है।

शिवराज सिंह चौहान ने राज्यों की भागीदारी से कृषि विज्ञान केंद्रों को मजबूत करने बनी कार्य योजना की समीक्षा की

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को नई दिल्ली में राज्यों की भागीदारी बढ़ाने के माध्यम से कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) को मजबूत करने के लिए कार्य योजना की समीक्षा के लिए बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में मुख्य सचिवों के 5वें सम्मेलन 2025 से उभरने वाले केवीके से संबंधित प्रमुख सिफारिशों के कार्यान्वयन में तेजी लाने के उपायों पर ध्यान केंद्रित किया गया।

इस अवसर पर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी, कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग (डीएआरई) के सचिव और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के महानिदेशक डॉ. मंगी लाल जाट और मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। इस बैठक के दौरान वर्ष 2027 तक प्राथमिकता वाले 300 केवीके के बुनियादी ढांचे और लॉजिस्टिक्स के उन्नयन पर चर्चा की गई। शिवराज सिंह चौहान ने निर्धारित समय सीमा के भीतर लक्ष्य प्राप्त करने के लिए राज्य सरकारों की सक्रिय भागीदारी और समय पर समर्थन की आवश्यकता पर बल दिया। कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग (डीएआरई) के सचिव ने प्राथमिकता वाले केवीके के उन्नयन के लिए वित्तीय और संस्थागत सहायता जुटाने के लिए सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों के साथ बातचीत की। कई राज्यों ने अपने-अपने राज्य कृषि विश्वविद्यालयों के माध्यम से कार्ययोजना के कार्यान्वयन की प्रक्रिया शुरू की है। महाराष्ट्र, गुजरात, गोवा और छत्तीसगढ़ ने विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) प्रस्तुत की है, जबकि अन्य राज्य तैयारी और कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं।

बैठक में दिसंबर 2028 तक सभी केवीके में इनक्यूबेशन-सह-कौशल केंद्र स्थापित करने के कार्य बिंदु को भी शामिल किया गया। इस पहल के तहत केवीके का कृषि-आधारित उद्यमों, तकनीकी भागीदार संस्थानों और जिला-विशिष्ट कृषि अवसरों के साथ मानचित्रण किया जा रहा है। वित्त पोषण और कार्यान्वयन सहायता के लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए केवीके-वार योजनाएं विकसित की जा रही हैं। कृषि विज्ञान केंद्र कर्मियों के संबंध में सुधारों पर आगे विस्तृत चर्चा की गई।

केवीके कर्मचारियों के वेतन, भत्ते और पदोन्नति से संबंधित प्रस्तावित सुधारों को व्यय विभाग (डीओई) से मंजूरी मिली है। केवीके कर्मचारियों के लिए एनपीएस योगदान और सेवानिवृत्ति लाभ प्रदान करने में राज्य सरकारों की भूमिका पर भी जोर दिया गया।

महिला आरक्षण केवल भागीदारी नहीं, नेतृत्व का अवसरः विजया रहाटकर

विश्व केसरी■

फरीदाबाद। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) की ओर से महिला विधायकों के लिए फरीदाबाद में 'शी इज अ चेंज मेकर' नाम से दो दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम में 22 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों से महिला जनप्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। कार्यशाला का उद्देश्य महिला विधायकों की नेतृत्व क्षमता को मजबूत करने के साथ-साथ उन्हें महिलाओं से जुड़े कानूनों, नीतियों और उनके प्रभावी क्रियान्वयन की जानकारी देना रहा।

राष्ट्रीय महिला आयोग की चेयरपर्सन विजया रहाटकर ने कहा कि देशभर की महिला विधायकों को एक मंच पर लाकर उनके क्षमता संवर्धन के लिए यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है। उन्होंने कहा कि महिला जनप्रतिनिधि अपने-अपने क्षेत्रों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। क्षेत्र के विकास में केवल इंफ्रास्ट्रक्चर ही महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि महिलाओं के लिए बनाए गए कानूनों और नीतियों को जमीनी स्तर पर लागू करना भी जरूरी है। कई महिलाएं संकट और कठिन परिस्थितियों से गुजरती हैं। ऐसे में महिला जनप्रतिनिधियों को यह समझना जरूरी है कि वे अपने क्षेत्र की महिलाओं की समस्याओं के समाधान में किस तरह प्रभावी भूमिका निभा सकती हैं।

रहाटकर ने कहा कि लोकसभा और विधानसभा में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान हो चुका है और इसका प्रभावी क्रियान्वयन जरूरी है।

जर्मनी: दक्षिणपंथी एएफडी से राज्य चुनाव में मिली करारी हार, चांसलर मर्ज 'हैरान'

विश्व केसरी■

बर्लिन। जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज की सत्तारूढ़ क्रिश्चियन डेमोक्रेटिक यूनियन (सीडीयू) को सैक्सोनी-आनहाल्ट के राज्य चुनाव में मिली करारी हार ने उनकी सरकार और नेतृत्व पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। चुनाव नतीजों ने दक्षिणपंथी पार्टी अल्टरनेटिव फॉर जर्मनी (एएफडी) को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया है, जबकि सीडीयू को सत्ता से बाहर होना पड़ा है।

चुनाव परिणाम के बाद सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में मर्ज ने स्वीकार किया कि यह उनकी पार्टी की 'वर्षों, बल्कि दशकों में सबसे गंभीर चुनावी हार' में से एक है। उन्होंने कहा कि नतीजे ने उन्हें और उनकी पार्टी को 'गहराई से झकझोर दिया' है और सरकार अब इसे नजरअंदाज नहीं कर सकती।

मर्ज के सामने सबसे सीधा सवाल उनकी राजनीतिक जिम्मेदारी को लेकर था। उनसे पूछा गया कि आखिर वह किस बिंदु पर यह स्वीकार करेंगे कि उनकी राजनीतिक रणनीति विफल हो रही है और वह चांसलर के रूप में

आगे सेवा करने की स्थिति में नहीं हैं।

चांसलर ने हालांकि पद छोड़ने की किसी संभावना के संकेत नहीं दिए। उन्होंने कहा, 'वह इस बात पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं कि देश को फिर से साझा राजनीतिक सफलता के रास्ते पर कैसे लाया जाए।' साथ ही उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, 'हार मानना कोई विकल्प नहीं है।'

उन्होंने कहा कि वह ऐसे व्यक्ति नहीं हैं जो हर दिन अपनी भावनाएं सार्वजनिक रूप से जाहिर करते रहें, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों में सरकार को आत्ममंथन करना होगा। मर्ज ने अपनी सरकार के कामकाज का बचाव करते हुए कहा कि आने वाले समय में सरकार को यह साबित करना होगा कि पिछले साल चुना गया राजनीतिक रास्ता सही था। उन्होंने माना कि जनता का भरोसा दोबारा हासिल करने के लिए सरकार को अपने फैसलों और उनके पीछे की वजहों को बेहतर ढंग से समझाना होगा।

उन्होंने कहा कि जर्मनी को प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ाने, नौकरशाही कम करने और आर्थिक विकास में बाधा डालने वाली अड़चनों को दूर करने के लिए और अधिक काम करने की जरूरत है। हालांकि, सरकार में शामिल सीडीयू और सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी (एसपीडी) के बीच मतभेदों के सवाल पर मर्ज ने स्वीकार किया कि दोनों गठबंधन सहयोगियों को आपस में 'बात करने की जरूरत' है।

सैक्सोनी-आनहाल्ट में लगभग 60 प्रतिशत मतदाताओं ने ऐसी पार्टियों को वोट दिया, जो देश की मौजूदा राजनीतिक व्यवस्था को चुनौती देती हैं। मर्ज ने कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाओं पर सवाल उठाने वाले दलों के प्रति इतना बड़ा समर्थन ऐसा परिणाम है, जिसे सामान्य चुनावी उतार-चढ़ाव मानकर आगे नहीं बढ़ा जा सकता।

उथल-पुथल भरे दौर में लक्जमबर्ग के साथ साझेदारी अहम : एस जयशंकर

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को लक्जमबर्ग के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री जेवियर बेटेल के साथ बैठक की। बाद में दोनों ने संयुक्त प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए द्विपक्षीय संबंधों को लेकर हुई प्रगति की जानकारी दी। जयशंकर ने लक्जमबर्ग के साथ साझेदारी को बेहद अहम बताया।

विदेश मंत्री ने मुलाकात की कुछ झलकियां साझा करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'आज नई दिल्ली में लक्जमबर्ग के उप प्रधानमंत्री (डीपीएम) और विदेश मंत्री जेवियर बेटेल का स्वागत करते हुए खुशी हो रही है। दुनिया भर में अनिश्चितता और उथल-पुथल के दौर में भारत और लक्जमबर्ग जैसी भरोसेमंद साझेदारियां बहुत अहम हो गई हैं। उन्होंने आगे लिखा, 'हमने व्यापार, निवेश, फिनटेक, स्टार्टअप, क्लीन टेक, अंतरिक्ष, स्वास्थ्य, शिक्षा और मोबिलिटी जैसे क्षेत्रों में आपसी सहयोग पर अहम बातचीत की। साथ ही, वैश्विक घटनाक्रमों और बहुपक्षीय सहयोग पर भी चर्चा हुई। हमारी साझेदारी और भारत-ईयू के बीच मजबूत रिश्तों को लेकर डीपीएम बेटेल के समर्थन की हम दिल से सराहना करते हैं।

इससे पहले हैदराबाद हाउस में बेटेल का स्वागत करते हुए जयशंकर ने कहा, 'भारत में आपका और आपके प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है। आपकी यह यात्रा हमारे बीच बढ़ती और गहरी होती साझेदारी को दिखाती है। विदेश मंत्री ने मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) का समर्थन करने के लिए धन्यवाद दिया।

अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान ने पांच दिन का संयुक्त सैन्य अभ्यास शुरू किया

विश्व केसरी■

सोल। अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान ने सोमवार को पांच दिन का संयुक्त सैन्य अभ्यास शुरू किया। यह अभ्यास तय कार्यक्रम के अनुसार हो रहा है जबकि हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेश पर सोल और वॉशिंगटन के बीच होने वाले कुछ प्रमुख सैन्य अभ्यासों को सीमित कर दिया गया था।

दक्षिण कोरिया की संयुक्त चीफ्स ऑफ स्टाफ (जेसीएस) ने एक बयान में बताया कि 'फ्रीडम एज' नाम का यह बहु-क्षेत्रीय सैन्य अभ्यास दक्षिण कोरिया के दक्षिणी द्वीप जेजू के पूर्व और दक्षिण में स्थित अंतरराष्ट्रीय समुद्री क्षेत्र में शुरू हुआ।

जेसीएस ने कहा, 'तीनों देश इस अभ्यास के जरिए समुद्री, हवाई और साइबर जैसे कई क्षेत्रों में अपनी संयुक्त संचालन क्षमता और आपसी प्रतिक्रिया क्षमता को और मजबूत करेंगे। साथ ही वे एक मजबूत और स्थिर सहयोगी संबंध बनाए रखेंगे।

दक्षिण कोरियाई सेना के अनुसार, इस अभ्यास में तीनों देशों की नौसेना और वायुसेना की प्रमुख सैन्य संपत्तियां शामिल होंगी। संचालन को व्यवस्थित और सुरक्षित तरीके से पूरा कराने के लिए एक संयुक्त नियंत्रण समूह भी निगरानी करेगा।

योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, जेसीएस ने कहा कि यह एक वार्षिक और रक्षात्मक प्रकृति का अभ्यास है, जिसे अंतरराष्ट्रीय कानूनों और मानकों के अनुसार आयोजित किया जा रहा है। उसने कहा, इसका उद्देश्य उत्तर कोरिया के परमाणु और मिसाइल खतरों के खिलाफ रोकथाम और जवाबी कार्रवाई की क्षमता को मजबूत करना है, साथ ही क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखना भी है।

मिस्र में वायुसेना की सारंग टीम का संवाद, भारत-मिस्र रक्षा संबंधों की झलक

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना की सारंग हेलीकॉप्टर प्रदर्शन टीम से मिस्र में भारत के राजदूत सुरेश के. रेड्डी ने मुलाकात की है। भारतीय वायुसेना की यह टीम मिस्र के अंतरराष्ट्रीय एयर शो में अपने शानदार हवाई करतब दिखाएगी।

सारंग टीम जिन हेलीकॉप्टरों को उड़ाती है, वे भारत में डिजाइन और निर्मित उन्नत हल्का हेलीकॉप्टर 'ध्रुव' है। इन हेलीकॉप्टरों के जरिए टीम बेहद कम दूरी पर उड़ान भरने, कठिन संरचनात्मक उड़ानें और एक-दूसरे के साथ पूरी तरह समन्वित हवाई गतिविधियां करती है। सारंग हेलीकॉप्टर प्रदर्शन टीम से मुलाकात के दौरान भारतीय राजदूत के साथ मिस्र के वरिष्ठ सैन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। दरअसल भारतीय वायुसेना की सारंग टीम इन दिनों मिस्र में आयोजित होने वाले अल अलामीन अंतरराष्ट्रीय एयर शो 2026 में हिस्सा लेने के लिए पहुंची हुई है। एयर शो

का आयोजन 8 से 10 सितंबर तक अल अलामीन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर किया जा रहा है।

राजदूत सुरेश के. रेड्डी के साथ मिस्र के जनरल स्टाफ अहमद सालेह, ग्राउंड डिफेंस यूनिट्स के कमांडर ब्रिगेडियर स्टाफ मोहम्मद एजेलदीन, 545 एयर विंग के कमांडर और कर्नल गमाल अतेफ भी मौजूद रहे। इस मुलाकात ने भारत और मिस्र के बीच बढ़ते रक्षा सहयोग और सैन्य संबंधों को भी रेखांकित किया। भारतीय और मिस्र के अधिकारियों की मौजूदगी में सारंग टीम की भागीदारी दोनों देशों के सशस्त्र बलों के बीच पेशेवर संपर्क और आपसी सहयोग का एक महत्वपूर्ण उदाहरण है।

सारंग भारतीय वायुसेना की प्रसिद्ध हेलीकॉप्टर एरोबेटिक प्रदर्शन टीम है। यह टीम हेलीकॉप्टरों के बेहद सटीक और समन्वित हवाई करतबों के लिए जानी जाती है। टीम के सदस्य हवा में बेहद करीब रहते हुए विभिन्न संरचनाएं बनाते हैं। इन प्रदर्शनों में पायलटों की सटीक उड़ान क्षमता, आपसी तालमेल, अनुशासन और उच्च स्तर के प्रशिक्षण की झलक देखने को मिलती है।

विदेशी एयर शो में सारंग की मौजूदगी भारत की हवाई शक्ति और विमानन कौशल के प्रदर्शन के साथ-साथ 'मेक इन इंडिया' की क्षमता को भी सामने रखने का अवसर देती है। सारंग टीम की मिस्र यात्रा केवल एक हवाई प्रदर्शन तक सीमित नहीं है।

गुजरात : खेड़ा जिले में देश के दूसरे एटी मार्ट का उद्घाटन, दिव्यांगों के लिए सुपरमार्केट की तरह करेगा काम

विश्व केसरी■

गांधीनगर। सोमवार को गुजरात के नडियाद में 'आर्टिफिशियल लिम्ब्स मैन्युफैक्चरिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया' (एलिम्को) के गुजरात के पहले 'असिस्टिव टेक्नोलॉजी मार्ट' (एट मार्ट) का उद्घाटन किया गया। इससे दिव्यांगों और वरिष्ठ नागरिकों को एक ही जगह पर कई तरह के सहायक उपकरण मिल सकेंगे।

खेड़ा जिले में बना यह सेंटर देश का दूसरा एलिम्को एटी मार्ट है। पहला मार्ट कानपुर में खोला गया था। एलिम्को, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के तहत दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के अधीन केंद्र सरकार का एक उपक्रम है। यह कॉर्पोरेशन देशभर में उचित कीमत पर कृत्रिम अंग और सहायक उपकरण उपलब्ध कराने का काम करता है।

नडियाद मार्ट में चलने-फिरने और रोजमर्रा के इस्तेमाल के कई तरह के उपकरण जैसे व्हीलचेयर, वॉकिंग स्टिक, इलेक्ट्रिक स्कूटर, साइकिल, स्मार्ट ग्लास, कृत्रिम अंग, बैसाखी और नेत्रहीनों के लिए छड़ी मिलेगी।

यहां एआई इनेबल्ड स्टिक भी मिलेगी जो 12 भाषाओं में काम करती है। साथ ही सुनने और बोलने से जुड़ी मदद के लिए उपकरण भी उपलब्ध होंगे। बुजुर्गों को सुरक्षित और आजादी से घूमने-फिरने में मदद करने वाली सहायक तकनीकें भी यहां मिलेंगी।

जिला कलेक्टर एन.वी. उपाध्याय ने कहा कि यह उद्घाटन खेड़ा जिले के लिए 'गर्व की बात' है और उन्होंने इस सेंटर को सहायक तकनीकों को ज्यादा सुलभ बनाने की दिशा में एक अहम कदम बताया। उन्होंने कहा, गुजरात का पहला और भारत का दूसरा एटी मार्ट दिव्यांगजनों और बुजुर्गों को उनकी जरूरतों के हिसाब से एक ही जगह पर उपकरण पाने की सुविधा देगा। एलिम्को के चेयरमैन प्रवीण कुमार ने नडियाद सेंटर की स्थापना को एक ऐतिहासिक कदम बताया। उन्होंने राष्ट्रीय वयोश्री योजना और दिव्यांग साधन सहायता योजना के बारे में जानकारी दी और कहा, एलिम्को यूजर्स की उम्मीदों और जरूरतों के आधार पर उपकरण बनाएगा।

मेरठ पुलिस की कार्रवाई, पेपर लीक मामले में 20 हजार का इनामी मास्टरमाइंड गिरफ्तार

विश्व केसरी■

लखनऊ । उत्तर प्रदेश की मेरठ पुलिस ने सोमवार को प्रतियोगी परीक्षाओं में सेंधमारी करने वाले सॉल्वर गैंग के मास्टरमाइंड को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मोनू उर्फ प्रशांत कुमार के रूप में हुई है, जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने 20 हजार रुपए का इनाम घोषित कर रखा था।

आरोप है कि मोनू देश के अलग-अलग राज्यों में आयोजित होने वाली प्रतियोगी परीक्षाओं में सॉल्वर बैठाकर और अन्य तरीकों से सेंधमारी करता था। आरोपी के खिलाफ उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड समेत अन्य राज्यों में कई मुकदमे दर्ज बताए जा रहे हैं।

मोनू की गिरफ्तारी थाना सिविल लाइन पुलिस और स्वाट टीम की संयुक्त कार्रवाई में हुई है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी के खिलाफ वर्ष 2025 में एसटीएफ ने मुकदमा दर्ज कराया था, जिसके बाद से वह फरार चल रहा था। अब पुलिस आरोपी से पूछताछ कर उसके गैंग से जुड़े अन्य सदस्यों और प्रतियोगी परीक्षाओं में सेंधमारी के पूरे नेटवर्क की जानकारी जुटा रही है। इस मामले को लेकर बीबीजीटीएस मूर्ति, एसएसपी मेरठ ने जानकारी दी कि सोमवार को जनपद मेरठ की थाना सिविल लाइन पुलिस और स्वाट टीम को एक अच्छी सफलता मिली है। पुलिस ने मोनू उर्फ प्रशांत कुमार नाम के एक 20 हजार रुपए के वांछित इनामी अपराधी को गिरफ्तार किया है, जो देश के अलग-अलग राज्यों के प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक की घटना में शामिल था।

आरोपी वर्ष 2023 में पेपर लीक करने और सॉल्वर गैंग के एक संगठित अपराधी के रूप में वांछित था। यह 20 हजार रुपए का इनामी अपराधी था। पुलिस टीम ने इसे गिरफ्तार कर हिरासत में ले लिया है और आगे की जांच एवं विधिवत कार्रवाई में जुटी है। वहीं, एसएसपी मेरठ ने पुलिस टीम की ओर से की गई इस कार्रवाई की प्रशंसा की और उन्होंने कहा कि इसके लिए टीम में शामिल सभी को सम्मानित भी किया जाएगा।

अजय राय को सहारनपुर जाने से रोका, सड़क पर बैठे तो पुलिस ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं समेत किया गिरफ्तार

विश्व केसरी■

लखनऊ । उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय को पुलिस ने सोमवार को सहारनपुर जाने से रोक दिया। सहारनपुर कलेक्ट्रेट परिसर में मस्जिद के ध्वस्तीकरण की घटना के बाद मस्जिद कमेटी के सदस्यों और पीड़ितों से मुलाकात के लिए जा रहे राय को माल एवेन्यू चौराहे पर भारी पुलिस बल ने रोक लिया।

विरोध में वह सड़क पर बैठ गए, जिसके बाद पुलिस ने उन्हें सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ हिरासत में लेकर पुलिस लाइन पहुंचाया। कांग्रेस के मुताबिक, प्रदेश अध्यक्ष सहित सभी कांग्रेसजनों को बाद में पुलिस लाइन से छोड़ दिया गया। इसके बाद अजय राय कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ लखनऊ के ईको गार्डेन पहुंचे, जहां अनुसूचित जाति विभाग की ओर से चल रहे अनिश्चितकालीन धरने में शामिल हुए।

पार्टी का दावा है कि यह धरना सोमवार को सातवें दिन भी जारी रहा। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय से सहारनपुर के लिए रवाना हुए अजय राय को माल एवेन्यू चौराहे पर पुलिस ने आगे जाने से रोक दिया। इस दौरान वहां मौजूद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पुलिस कार्रवाई का विरोध किया।

स्थिति तब और गरमा गई जब राय सड़क पर ही बैठ गए और सहारनपुर जाने की मांग पर अड़े रहे। इसके बाद मौके पर मौजूद पुलिस बल ने राय समेत बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं को बस में बैठाकर पुलिस लाइन पहुंचाया।

पुलिस लाइन ले जाए जाने के बाद अजय राय ने प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि सरकार पीड़ितों की आवाज उठाने वाले विपक्षी नेताओं को रोक रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल सहारनपुर जा रहा था और उन्हें भी वहां पहुंचना था, लेकिन सरकार ने रास्ते में ही रोक दिया। राय ने कहा, 'रास्ता रोक सकते हैं, आवाज नहीं दबा सकते। 'उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार जनआकांक्षाओं पर विफल होने के कारण डर गई है। कांग्रेस पीड़ितों की लड़ाई आगे भी लड़ती रहेगी। पुलिस लाइन से निकलने के बाद राय और अन्य कांग्रेस नेता ईको गार्डेन पहुंचे। यहां उन्होंने कांग्रेस के अनुसूचित जाति विभाग की ओर से चलाए जा रहे अनिश्चितकालीन धरने में हिस्सा लिया।

रांची में चतरा के लोजपा विधायक के पुत्र का अपहरण, एमिटी यूनिवर्सिटी के गेट पर हुई घटना

विश्व केसरी■

रांची। झारखंड के चतरा से लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा) के विधायक जनार्दन पासवान के बेटे का रांची में एमिटी यूनिवर्सिटी गेट के पास से अपहरण कर लिया गया है। इसकी सूचना मिलते ही रांची पुलिस ने बड़े पैमाने पर सर्च ऑपरेशन शुरू किया है। विधायक पुत्र के अपहरण की खबर से शहर में हड़कंप मच गया है।

विधायक ने बताया कि उनके बेटे को कुछ अज्ञात लोग जबरन अपने साथ ले गए हैं। विधायक का पुत्र इसी यूनिवर्सिटी का छात्र है। पुलिस उसकी तलाश में जुट गई है और रांची से बाहर जाने वाले सभी रास्तों पर संदिग्ध वाहनों की जांच की जा रही है।

जानकारी के अनुसार, विधायक का पुत्र सोमवार को विश्वविद्यालय गया था। दोपहर में कैंपस के मुख्य गेट के पास कुछ लोग स्कॉर्पियो और थार वाहनों से पहुंचे। विधायक के मुताबिक, इन लोगों ने उनके बेटे के साथ मारपीट की और उसे जबरन अपने साथ ले गए। जनार्दन पासवान ने बताया कि घटना के दौरान तीन-चार स्कॉर्पियो वाहनों में कुछ लोग पहुंचे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके बेटे को मारपीट करने के बाद अगवा कर लिया गया। विधायक के अनुसार, उनके बेटे की थार गाड़ी विश्वविद्यालय के गेट के बाहर खड़ी मिली है। उन्होंने घटना की जानकारी रांची पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को दे दी है और अपने बेटे को जल्द खोजने का आग्रह किया है। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस की टीमें सक्रिय हो गई हैं। पुलिस विश्वविद्यालय परिसर और उसके आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है।

संपादकीय

कॅरियर की अंधी दौड़ में हांफती युवा पीढ़ी!

प्रो. संजय द्विवेदी

भारत युवाओं का देश है। जाहिर है ऐसे देश की चिंताएं बहुत अलग होती हैं। उसकी ज्यादातर आबादी को शिक्षा, रोजगार और सुंदर जीवन की कामना होती है। उनकी महत्वाकाक्षाएं, अवसरों की होड़ और दौड़। पाने की खुशी और न मिलने का आक्रोश सब साझा होते हैं। करियर में सफल होने, जल्दी और ज्यादा पाने की कामनाएं इस दौर का मूल्य हैं। ऐसे में शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य दोनों को गहरी चुनौती है। संकट के बादल गहरे हैं। समाधान के सूत्र न्यूनतम।

बदलती कार्य संस्कृति

सरकारों में नौकरियों के दरवाजे सिकुड़ रहे हैं। ज्यादातर नौकरियां निजी क्षेत्रों में ही हैं। नौ से पांच बजे की पक्की नौकरियां अब स्वप्न ही हैं। उनकी जगह गिग इकोनामी (फ्री लांस, काट्रैक्ट वर्क) ने ले ली है। आर्थिक स्वतंत्रता की तो छोड़िए यह माडल भविष्य की अनिश्चितता और वित्तीय अस्थिरता भी ला रहा है, जिसके नाते बढ़ता मानसिक तनाव और अवसाद संकट को गहरा कर रहा है। हिंदुस्तान अलग तरह से चलता रहा है। परिवार इसकी प्राणवायु रहे हैं। परिवार का कोई एक आदमी

नौकरी पर रहता था, शेष अपने घर-इलाके-गांव में बैठकर स्थानीय स्तर पर जो कर सकते थे करते थे। परिवार की छाया में सुरक्षा थी, संरक्षण था, बच्चों को संस्कारित करने के पारिवारिक उपक्रम थे। नई व्यवस्था ने एक परिवार में कई परिवार खड़े कर दिए हैं। इससे एक की जगह अब चार परिवार, चार चूल्हे और चार व्यवस्थाएं खड़ी करनी पड़ रही है। आप कितना भी कमा रहे हैं वह कम ही है। इसने नई पीढ़ी को ईएमआई के दुष्चक्र में फंसा कर नई व्यवस्थाओं का गुलाम बना दिया है। परिवार व्यवस्था भारत की संस्कृति का आधार रही है। वह संस्कारशाला भी है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने हमारे सामने नई चुनौतियां पेश की हैं। वे बेहतर सहायक से ज्यादा तनाव के वाहक हैं। युवाओं में एआई के कारण

नौकरियां जाने और खुद के अप्रासंगिक हो जाने का भय बैठ गया है। वे इस पूरे दृश्य को बहुत चिंता से देख रहे हैं। री-स्किलिंग का दबाव उन्हें गहरे भय में डाल रहा है। इससे मानसिक थकान होना स्वाभाविक ही है। इस समय सबसे बड़ी चिंता कार्य और जीवन संतुलन की है। वर्क फ्राम होम और डिजिटल कनेक्टिविटी ने सारा कुछ बदलकर रख दिया है। काम के घंटे अब प्राय: 24 घंटे ही हैं। देर रात तक ई-मेल, रिर्पोट्स और मैसेज का जवाब देते हुए युवा 'आलवेज आन' मोड में रहते हैं। जिससे पारिवारिक जीवन, व्यक्तिगत समय और नींद सब प्रभावित हो रही है। बर्नआउट की बढ़ती दर, काम के अनिश्चित घंटे, स्पर्धा का वातावरण और टारगेट पूरे करने का दबाव साथ चलता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन(डब्लूएचओ) ने बर्नआउट को प्रोफेशनल बीमारी मान लिया है। यह अब भारतीय कारपोरेट जगत में एक अनिवार्य समस्या बन गयी है।

सोशल मीडिया से बनती छवियां

सोशल मीडिया ने समाज में अलग तरह की स्पर्धा की छवियां प्रस्तुत की हैं। अपने सुखद, आनंद के क्षणों को वायरल करने की बीमारी दूसरे की पीड़ा का कारण बन जाती है। किसी की बड़ी पदस्थापना, उसकी पार्टियां, रील्स, पर्यटन की तस्वीरें, महंगी जीवनशैली का विज्ञापन करना, सफलताओं के हाईलाइट्स देखकर तुलना और स्पर्धा की बातें तेज होती हैं। इससे हीनभावना और तनाव का जन्म भी होता है। परिजन और बच्चे भी अपने पालकों से ऐसी ही जीवन शैली की अपेक्षा करते हैं। ऐसे समय में युवाओं के लिए तनाव प्रबंधन की विधियां समझने और उन्हें जीवन की ठोस सच्चाइयों से जोड़ने की जरूरत है। योग, ध्यान के अनेक अभ्यास जीवन में शांति ला सकते हैं। जिंदगी के हमारे दृष्टिकोण में परिवर्तन ला सकते हैं। रील्स की तुरंतवादी जीवनशैली और जीवन के सतत संघर्ष को समझने की जरुरत है।सोशल मीडिया से प्रक्षेपित हो रही छवियों से प्रभावित होने के बजाए, लोगों के संघर्ष और उससे उपजी सफलताओं के पाठ भी पढ़े जाने चाहिए।

सत्य निकेतन हादसा: जिम्मेदार अधिकारियों पर हो ठोस कार्रवाई

ललित गर्ग

दिल्ली के सत्य निकेतन में रविवार को पांच मंजिला छात्र-पीजी भवन का भरभराकर गिर जाना केवल एक दर्दनाक हादसा नहीं है। यह उस व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न है, जो भवन बनने देती है, उसमें अनधिकृत निर्माण होने देती है, उसमें विद्यार्थियों को रहने देती है, उसकी कमजोरियों को वर्षों तक नजरअंदाज करती है और फिर उसके ढह जाने के बाद जागती है। इस हादसे में अब तक छह लोगों की मौत की सूचना है और कई लोग घायल हुए हैं। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार भवन में बेसमेंट और कई ऊपरी मंजिलों में मरम्मत या निर्माण संबंधी काम चल रहा था। प्रशासन ने मजिस्ट्रेट जांच और भवन मालिक के खिलाफ एफआईआर के आदेश दिए हैं। लेकिन असली सवाल यह नहीं है कि हादसे के बाद किसके खिलाफ एफआईआर होगी असली सवाल यह है कि हादसे से पहले जिम्मेदार अधिकारी कहां थे यदि निर्माण नियमों का उल्लंघन था, यदि भवन का स्वीकृत नक्शा नहीं था, यदि अतिरिक्त मंजिलें बनाई गई थीं, यदि बेसमेंट में निर्माण चल रहा था, यदि भवन छात्रों के रहने के लिए इस्तेमाल हो रहा था और यदि वह संरचनात्मक रूप से जोखिमपूर्ण था, तो इन सबका पता प्रशासन को तब क्यों नहीं चला जब वहां निर्माण हो रहा था

सत्य निकेतन दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिणी परिसर के आसपास विद्यार्थियों का प्रमुख इलाका है। देश के विभिन्न राज्यों से हजारों युवा यहां अपने भविष्य के सपने लेकर आते हैं। वे छोटे-छोटे कमरों, पीजी और किराये के मकानों में रहकर पढ़ते हैं। उनके माता-पिता अपनी जीवनभर की कमाई का बड़ा हिस्सा बच्चों की शिक्षा पर लगाते हैं और यह विश्वास करते हैं कि राजधानी में उनका बच्चा सुरक्षित रहेगा। लेकिन जब शिक्षा की तलाश में निकला युवा एक ऐसी इमारत में पहुंचता है, जिसकी नींव ही नियमों और सुरक्षा के साथ समझौते पर टिकी हो, तो विकास की हमारी पूरी अवधारणा कटघरे में खड़ी हो जाती है और यह कोई पहली चेतावनी नहीं है। 2022 में भी सत्य निकेतन में निर्माणाधीन चार मंजिला इमारत ढहने से दो मजदूरों की मौत हुई थी और चार लोग घायल हुए थे। उस समय भी निर्माण कार्य, सुरक्षा और भवन की निगरानी पर सवाल उठे थे। लगभग चार साल बाद उसी इलाके में फिर एक बड़ी इमारत ढह गई। इसका अर्थ है कि हमने घटना से सबक लेने के बजाय घटना को एक समाचार की तरह देखा और आगे बढ़ गए।

यहां भ्रष्टाचार की बात करते समय एक सावधानी भी जरूरी है। किसी अधिकारी या व्यवसायी को बिना जांच दोषी ठहराना उचित नहीं। लेकिन यदि जांच में यह सिद्ध होता है कि नियमों के विरुद्ध निर्माण को जानबूझकर नजरअंदाज किया गया, निरीक्षण में लापरवाही हुई या किसी प्रकार की मिलीभगत रही, तो जिम्मेदारी केवल भवन मालिक तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। जिसने नियम तोड़े और जिसने नियम तोड़ने दिए-दोनों को जवाबदेह बनाना होगा। सत्य निकेतन की त्रासदी को जुलाई 2024 के पुराने राजेंद्र नगर हादसे से अलग करके नहीं देखा जा सकता। वहां राव आईएएस स्टडी सर्किल के बेसमेंट में पानी भर जाने से तीन सिविल सेवा अभ्यर्थियों-तनीया सोनी, श्रेया यादव और नवीन डालविन की मृत्यु हुई थी। सबसे भयावह तथ्य यह था कि बेसमेंट का उपयोग लाइब्रेरी के रूप में हो रहा था, जबकि उपलब्ध दस्तावेजों के अनुसार उसे पार्किंग और स्टोरेज के लिए इस्तेमाल किया

जाना था। इससे भी अधिक चिंताजनक बात सामने आई-हादसे से लगभग एक महीने पहले एक विद्यार्थी ने एमसीडी में शिकायत की थी।

भारत में भवन निर्माण के लिए नियमों की कमी नहीं है। नक्शा स्वीकृति, भवन उपविधियां, अग्नि सुरक्षा, संरचनात्मक सुरक्षा, अधिभोग प्रमाणपत्र, पार्किंग, बेसमेंट के उपयोग-हर क्षेत्र के लिए नियम हैं। लेकिन समस्या नियमों की संख्या नहीं, उनके पालन की ईमानदारी है। जब किसी भवन में एक मंजिल की अनुमति हो और चार-पांच मंजिलें खड़ी हो जाएं, जब बेसमेंट स्टोरेज के लिए स्वीकृत हो और वहां लाइब्रेरी या व्यावसायिक गतिविधि चलने लगे, जब सड़क की जलनिकासी बाधित हो और फिर भी निर्माण चलता रहे-तो सवाल केवल नागरिक की मनमानी का नहीं है। सवाल उस पूरी निगरानी व्यवस्था का है, जो आंखों के सामने होने वाले बदलाव को देखने के बावजूद समय पर कार्रवाई नहीं करती। भ्रष्टाचार केवल रिश्वत लेने का नाम नहीं है। भ्रष्टाचार वह भी है जब कोई जिम्मेदार व्यक्ति अपने कर्तव्य को जानबूझकर न निभाए। किसी अवैध निर्माण को देखकर आंखें बंद कर लेना भी व्यवस्था के प्रति अपराध है। किसी भवन को जोखिमपूर्ण जानते हुए कार्रवाई न करना भी भ्रष्ट प्रशासनिक संस्कृति का हिस्सा है।

सरकारी भवन भी सुरक्षित नहीं तो आम आदमी किस पर भरोसा करे मई 2024 में दिल्ली के आईटीओ स्थित सेंट्रल रेवेन्यू बिल्डिंग में आग लगी थी। 46 वर्षीय ऑफिस सुपरिंटेंडेंट की धुएं में दम घुटने से मृत्यु हुई थी। रिपोर्टों के अनुसार भवन पुराना था और उसमें आधुनिक फायर-स्प्रिंकलर व्यवस्था भी नहीं थी। यह घटना एक और सवाल सामने रखती है-जब सरकारी भवनों में भी सुरक्षा व्यवस्था पर्याप्त नहीं है, तो निजी और अनधिकृत भवनों की निगरानी की स्थिति क्या होगी मुंबई, दिल्ली, चेन्नई, बेंगलुरु और देश के अन्य महानगरों में अनियोजित शहरी विस्तार लगातार बढ़ रहा है। जमीन सीमित है, जनसंख्या बढ़ रही है, किराये की मांग बढ़ रही है और व्यावसायिक हित अधिकतम जगह का अधिकतम उपयोग चाहते हैं। ऐसे में यदि शासन मजबूत नियमन और वैज्ञानिक शहरी नियोजन नहीं करेगा तो शहर ऊपर की ओर बढ़ेंगे, लेकिन उनकी सुरक्षा नीचे गिरती जाएगी।

दुर्घटना के बाद वही परिचित दृश्य सामने आता है-मंत्री घटनास्थल पर पहुंचते हैं, अधिकारी बैठक करते हैं, मुआवजे की घोषणा होती है, जांच समिति बनती है, कुछ भवन सील होते हैं, कुछ गिरफ्तारियां होती हैं और कुछ दिनों तक प्रशासन सक्रिय दिखाई देता है। फिर धीरे-धीरे सब सामान्य हो जाता है। लेकिन किसी मृत विद्यार्थी के माता-पिता के लिए कुछ भी सामान्य नहीं होता। उनके लिए वह एक जांच समिति नहीं, जीवनभर का खालीपन है। उनके लिए मुआवजे की राशि उनके बेटे या बेटी का विकल्प नहीं है। वे यह जानना चाहते हैं कि उनका बच्चा सुरक्षित क्यों नहीं था किसने सुरक्षा की गारंटी दी थी किसने निगरानी की थी किसने खतरे को नजरअंदाज किया था इसलिए जांच का उद्देश्य केवल दोषी व्यक्ति ढूंढना नहीं होना चाहिए। जांच को यह भी पता लगाना चाहिए कि किस स्तर पर सिस्टम विफल हुआ। फाइल कहां रुकी निरीक्षण किसने किया शिकायत किसने दबाई नक्शा किस आधार पर स्वीकार हुआ अवैध निर्माण वर्षों तक कैसे चलता रहा भवन में रहने वालों की सुरक्षा की जिम्मेदारी किसकी थी और सबसे महत्वपूर्ण-क्या उन अधिकारियों की भी जवाबदेही तय होगी जिनकी जिम्मेदारी ही ऐसे हादसों को रोकना थी

सत्य निकेतन के मलबे से आज देश को केवल छह मौतों का आंकड़ा नहीं देखना चाहिए। वहां दबे हुए सपनों को देखना चाहिए। उन माता-पिताओं की आंखों को देखना चाहिए जिन्होंने अपने बच्चों को दिल्ली भेजते समय यह सोचा होगा कि वे पढ़ेंगे, आगे बढ़ेंगे और परिवार का नाम रोशन करेंगे। उन सपनों की मौत केवल एक इमारत के गिरने से नहीं हुई है, वे उस मानसिकता के नीचे दबे हैं जिसमें नियमों से अधिक प्रभावशाली पैसा, सुविधा और 'सब चलता है' की संस्कृति बन जाती है। अब समय है कि सरकारें हादसों के बाद जागने की आदत छोड़ें। भवन गिरने से पहले निरीक्षण हो, पानी भरने से पहले जलनिकासी सुधरे, शिकायत मिलने के बाद कार्रवाई हो और भ्रष्टाचार होने से पहले ही उसकी गुंजाइश बंद हो। क्योंकि देश को केवल नया भारत नहीं बनाना है-उसे सुरक्षित, जिम्मेदार, ईमानदार और संवेदनशील भारत भी बनाना है। सत्य निकेतन का मलबा हमसे यही पूछ रहा है-अगली इमारत गिरने का इंतजार करेंगे या अब व्यवस्था को सचमुच जगाएंगे।

अक्षर ज्ञान नहीं, जीवन बदलने का अधिकार है साक्षरता

योगेश कुमार गोयल

साक्षरता किसी व्यक्ति के हाथ में थमाई गई केवल किताब नहीं बल्कि उसे अपने जीवन की दिशा स्वयं तय करने का विवेक और सामर्थ्य देने वाली शक्ति है। अक्षरों और शब्दों को पढ़ पाने से शुरू होने वाली यह क्षमता धीरे-धीरे अधिकारों की समझ, सही-गलत में अंतर करने की दृष्टि और भविष्य के बेहतर विकल्प चुनने का आत्मविश्वास पैदा करती है। एक साक्षर व्यक्ति केवल सूचनाएं ग्रहण नहीं करता बल्कि उन्हें समझकर निर्णय लेने और अपने जीवन में उपयोग करने की क्षमता भी विकसित करता है। यही कारण है कि साक्षरता का प्रभाव व्यक्ति से निकलकर परिवार, समाज और राष्ट्र के विकास तक पहुंचता है। शिक्षा से वंचित समाज में अज्ञान, अंधविश्वास, शोषण और असमानता की जड़ें मजबूत होती हैं जबकि ज्ञान से संपन्न समाज परिवर्तन की चुनौतियों का अधिक मजबूती से सामना करता है। वस्तुत: साक्षरता विकास का पहला दरवाजा है, जो अवसरों, आत्मनिर्भरता, सामाजिक सम्मान और बेहतर भविष्य की ओर खुलता है।

इसी व्यापक महत्व को रेखांकित करने के लिए प्रत्येक वर्ष 8 सितंबर को 'अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस' मनाया जाता है। यूनेस्को ने 1966 में इस दिवस की घोषणा की थी और 1967 से दुनियाभर में इसका आयोजन हो रहा है। वर्ष 2026 में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस का विषय है 'लोगों, धरती और समृद्धि के लिए साक्षरता'। यह विषय स्पष्ट करती है कि आज साक्षरता का अर्थ केवल पढ़ना-लिखना सीखना नहीं बल्कि ऐसा ज्ञान और कौशल अर्जित करना है, जो व्यक्ति को समाज, अर्थव्यवस्था और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार बनाए। छह दशकों में दुनिया ने साक्षरता के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। यूनेस्को के अनुसार 1975 में जहां वैश्विक व्यस्क साक्षरता दर लगभग 65 प्रतिशत थी, वहीं 2024 तक यह बढ़कर 88 प्रतिशत हो गई। युवाओं में साक्षरता दर भी लगभग 93 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है। लेकिन इन उपलब्धियों के बावजूद तस्वीर पूरी तरह संतोषजनक नहीं है। 2024 में दुनिया में लगभग 73.9 करोड़ युवा और व्यस्क बुनियादी साक्षरता कौशल से वंचित थे, जिनमें लगभग दो तिहाई महिलाएं हैं। इसके अतिरिक्त दुनिया के चार में से लगभग एक बच्चे के पढ़ने के न्यूनतम स्तर तक नहीं पहुंच पाने की चुनौती भी बनी हुई है। ये आंकड़े केवल संख्या नहीं हैं बल्कि उन करोड़ों जिंदगियों का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिनके सामने अवसरों के दरवाजे सीमित हैं।

निरक्षर व्यक्ति सरकारी योजनाओं की जानकारी से वंचित रह सकता है, बैंकिंग और डिजिटल सेवाओं का उपयोग करने में कठिनाई महसूस कर सकता है, स्वास्थ्य संबंधी जरूरी सूचनाएं नहीं समझ सकता और रोजगार के बदलते अवसरों का लाभ नहीं उठा सकता। इसलिए साक्षरता को गरीबी उन्मूलन, स्वास्थ्य, लैंगिक समानता, रोजगार, सामाजिक न्याय और लोकतांत्रिक भागीदारी से अलग करके नहीं देखा जा सकता। यूनेस्को भी साक्षरता को मानव अधिकारों, सामाजिक समावेशन, रोजगार और सतत विकास का महत्वपूर्ण आधार मानता है। आज साक्षरता की परिभाषा भी तेजी से बदल रही है। डिजिटल क्रांति ने ज्ञान तक पहुंच को अभूतपूर्व रूप से आसान बनाया है लेकिन दूसरी ओर डिजिटल विभाजन ने नई असमानताएं भी पैदा की हैं। स्मार्टफोन और इंटरनेट उपलब्ध होना ही डिजिटल साक्षरता नहीं है। यह समझना भी जरूरी है कि किसी वेबसाइट की सूचना विश्वसनीय है या नहीं, ऑनलाइन धोखाधड़ी से कैसे बचना है, व्यक्तिगत जानकारी को कैसे सुरक्षित रखना है और कृत्रिम बुद्धिमत्ता से प्राप्त सामग्री का विवेकपूर्ण उपयोग कैसे करना है। ऐसे समय में पढ़ना-लिखना, डिजिटल समझ, मीडिया साक्षरता और सूचना की सत्यता परखने की क्षमता एक-दूसरे से जुड़ गई हैं।

बोध कथा

एकता का महामंत्र

जापान के सम्राट यामातो का एक मंत्री था-ओ-चो-सान। उसका परिवार आपसी स्नेह और सौहार्द के लिए प्रसिद्ध था। उसके परिवार में लगभग एक हजार सदस्य थे, पर उनके बीच एकता का अटूट संबंध स्थापित था। सभी सदस्य साथ रहते और साथ ही खाना खाते थे। उनमें कभी झगड़े की बात नहीं सुनी गई। ओ-चो-सान के परिवार के आपसी प्रेम की कहानी सम्राट यामातो के कानों तक भी पहुंची। उन्हें यकीन नहीं हुआ। उन्होंने सोचा, इतना बड़ा परिवार है। कभी तो खटपट हुई होगी। इस बात की जांच के लिए एक दिन वे स्वयं उस वृद्ध मंत्री के घर पहुंचे।

स्वागत सत्कार और शिष्टाचार की साधारण रस्में समाप्त हो जाने पर उन्होंने पूछा- महाशय, मैंने आपके परिवार की एकता और सौहार्द की कई कहानियां सुनी हैं। क्या आप बताएंगे कि एक हजार से भी अधिक व्यक्तियों वाले आपके परिवार में यह स्नेह संबंध कैसे बना हुआ है? ओ-चो-सान वृद्धावस्था के कारण अधिक देर तक बातें नहीं कर सकता था। सो उसने अपने एक पोते को संकेत से कलम-दवात और कागज लाने के लिए कहा। उन चीजों के आ जाने पर उसने अपने कांपते हाथों से कोई सौ शब्द लिखकर कागज सम्राट की ओर बढ़ा दिया।

सम्राट ने उत्सुकतावश कागज पर नजर डाली, तो चकित रह गए। कागज में एक ही शब्द को सौ बार लिखा गया था-सहनशीलता, सहनशीलता, सहनशीलता सम्राट को चकित और अवाक देखकर ओ-चो-सान ने अपनी कांपती हुई आवाज में कहा- महाराज मेरे परिवार की एकता का रहस्य बस इसी एक शब्द में निहित है। सहनशीलता का यह महामंत्र ही हमारे बीच एकता का धागा अब तक पिरोये हुए है।

कविता

लौटती सभ्यताएँ

अंजना टंडन

विश्वास की
गर्दन प्राय:
लटकती है
संदेह की
कीलों पर,

'कहीं कुछ तो
है' का भाव दरअसल
दिमाग की दबी आवाज है
जो अक्सर छोड़ देती है
प्रशंसा में भी कितनी खाली ध्वनियाँ ,

संदेह के कान
आत्ममुग्धता की रूई से बंद है
आँखें ऊगी हैं पूरी देह पर और
खून में है दुनियावी अट्टाहास ,

कंठ भर तंज
दिल के मर्म को कभी जान नहीं
पाएगा,

मृत्यु बाद ही धुले थे
बुल्लेशाह ,मीरा ,और अमृता के
दाग,

वैसे तो हर सभ्यता प्रेम से
जन्मती है
विश्वास पर पनपती है
और संदेह की हवा में सांस
तोड़ती है।

व्यंग्य केसरी

साहित्यकार जी परेशान शकुनी से

रेखा शाह आर बी

महाभारत में एक ही शकुनी था। सबका बंटाधार करके रख दिया ।अगर महाभारत में शकुनि नामक पात्र नहीं रहता तो बहुत संभव था कि महाभारत ही नहीं होता ।क्योंकि हो सकता था कि दुर्योधन इतना क्रूर नहीं रहता । इतना दुष्ट नहीं रहता । इतना उसके मन में जहर नहीं भरा होता । और उसे धृतराष्ट्र , द्रोण ,गंगा पुत्र भीष्म सब मिलकर समझा कर पांडव को आधा राज्य दिलवाकर दोनों को खुशी से रहने देते।

लेकिन फिर वही एक शकुनी था ।जिसने सब गड़बड़ कर डाला पांडवों के राह में कांटे बोए,अपनी जलन के मारे दुर्योधन को सबका दुश्मन बनवा दिया।

महाभारत हुई लाखों का विनाश हुआ ।तो ऐसा मान लीजिए की महाभारत में यदि दुर्योधन महत्वपूर्ण था। तो शकुनी उससे भी महत्वपूर्ण था। जिसके बिना यह पूरी कथा लिखी ही नहीं जाती। और शकुनि के पासे उसके ही जैसे कुटिल, धूर्त ,चालबाज थे। जिसका वह इस्तेमाल करके सबको परेशान करता था। सब की राह में कांटे बोता था ।

यह मत सोचिए की महाभारत काल में ही शकुनी जैसे लोग और शकुनि हुआ करते थे। साहित्य में भी शकुनी जैसे लोगों की कोई कमी नहीं है। जिनका भले ही आपसे कोई लेना-देना नहीं हो लेकिन यदि आप अच्छा लिख रहे हैं ,मेहनत कर रहे हैं,तो दर्द उनके सर में होने लगता है।फिर अपने पांसे फेंक कर आपको दूर अंधेरे में फेंकना चाहते हैं।

एक है साहित्यकार महोदय उन्होंने अपनी रचना संपादक महोदय को भेजी। उन्होंने प्रकाशित कर दिया ।अब साहित्य में बसे शकुनी महोदय को आग लग गई ।

आखिर साहित्यकार महोदय क्यों प्रकाशित हुए? मैं क्यों नहीं उनकी जगह पर हुआ? तो फिर उन्होंने संपादक महोदय के कान में फूंकना शुरू कर दिया। कि आप साहित्यकार महोदय को क्यों छाप रहे हैं मुझे क्यों नहीं छाप रहे हैं?

लेकिन संपादक महोदय तो अपने कानों में अपने कर्तव्य का तेल डालकर बैठे हुए थे। इसलिए असर नहीं हुआ। उनको तो सिर्फ कामदार पसंद आते थे। चाटुकार, धूर्त, चालबाज नहीं।

सिफारिश और चापलूस जैसे लोगों को बखूबी पहचानते थे। इसीलिए दाल पतीली में पड़ी रह गई।गली ही नहीं।उन्हें सुनाई नहीं दिया और तो और उन्होंने साहित्यकार महोदय को आगाह कर दिया कि इस शकुनी महोदय से सावधान रहिए।

बेचारे साहित्यकार महोदय तो हैरान से रह गए। कहां तो वह शकुनी महाराज को अच्छा इंसान मानते थे।और यह तो झूठा, बेईमान निकल गए।

एक शकुनि ने महाभारत जैसा युद्ध कर दिया और एक शकुनी साहित्य महोदय का कैरियर ही खा जाने पर तुले हुए थे। लेकिन गनीमत था कि सामने दुर्योधन नहीं संपादक महोदय थे। जिसके कारण शकुनि के पांसे अपना काम नहीं कर पाए।

और उसके पांसे उल्टे पड़ गए। तो आप भले ही अपने काम में कितना भी ध्यान लगाइए । पर ऐसे शकुनी महोदय लोगों से सावधान भी रहिए। शकुनी महोदय को कभी भी हल्के में आंकने की भूल मत कीजिए। क्योंकि उनके पांसे धूर्त और कुटिलता से भरे होते हैं।

इतिहास

8 सितंबर का दिन देश और दुनिया के इतिहास में कई महत्वपूर्ण घटनाओं, जन्म और विशेष दिवस के रूप में दर्ज है। इस दिन की मुख्य बातें नीचे दी गई हैं:

महत्वपूर्ण घटनाएँ1504: इटली के फ्लोरेंस में माइकल एंजेलो की प्रसिद्ध मूर्ति 'डेविड' का अनावरण किया गया था।

1943: द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान इटली ने मित्र देशों (Allies) के सामने आत्मसमर्पण किया था।

1991: मैसेडोनिया ने यूगोस्लाविया से अपनी स्वतंत्रता की घोषणा की थी।

1966: मशहूर अमेरिकी साइंस फिक्शन टेलीविज़न सीरीज़ 'स्टार ट्रेक' (Star Trek) का पहला प्रसारण हुआ था।

1926: भूपेन हजारिका - भारत के महान संगीतकार, गायक और फिल्म निर्माता का जन्म हुआ था।

रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड मामले में सीबीआई ने दाखिल की सप्लीमेंट्री चार्जशीट, 17 आरोपी शामिल

विश्व केसरी■

मुंबई। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने सोमवार को मुंबई में सीबीआई मामलों के विशेष न्यायाधीश के समक्ष रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड (आरसीएफएल) मामले में पहली सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल की है।

सोमवार को सीबीआई ने बताया कि यह चार्जशीट 17 आरोपियों के खिलाफ दाखिल की गई है, जिनमें रिलायंस एडीए ग्रुप के तीन अधिकारी - अमिताभ झुनझुनवाला (ग्रुप मैनेजिंग डायरेक्टर, रिलायंस एडीए ग्रुप), अमित बापना (सीएफओ, आरसीएल) और रमेश शेनॉय (कंपनी सेक्रेटरी, रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड) शामिल हैं। इसके साथ ही आठ कंपनियां - रिलायंस पावर लिमिटेड, बिग फ्लिक्स प्राइवेट लिमिटेड, रिलायंस बिग एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड, रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड, कुंजबिहारी डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड, रिलायंस वेंचर एसेट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड, रिलायंस ब्रॉडकास्ट नेटवर्क लिमिटेड और रिलायंस टेलीकॉम लिमिटेड और बैंक ऑफ बड़ौदा, पंजाब नेशनल बैंक और इंडियन ओवरसीज बैंक से जुड़े छह बैंक अधिकारी भी शामिल हैं। आरोपियों पर आईपीसी के तहत आपराधिक साजिश, आपराधिक गबन और

धोखाधड़ी के अपराधों के साथ-साथ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 के तहत अपराधों के लिए आरोप लगाए गए हैं।

अब तक की जांच से पता चला है कि रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड द्वारा लिए गए कर्ज की रकम को बिचौलियों और माध्यम कंपनियों के जरिए रिलायंस एडीए ग्रुप की विभिन्न कंपनियों में डायवर्ट किया गया। ऐसा कर्ज लेने की शर्तों और नियमों का उल्लंघन करके किया गया, जिससे कर्ज देने वाले बैंकों और वित्तीय संस्थानों को गलत तरीके से नुकसान हुआ और आरोपियों तथा संबंधित कंपनियों को गलत तरीके से फायदा पहुंचा।

सीबीआई ने बैंक ऑफ महाराष्ट्र और कंसोर्टियम (संघ) के अन्य सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों से मिली शिकायतों के आधार पर यह मामला दर्ज किया था। सभी बैंकों, वित्तीय संस्थानों और अन्य कर्जदाताओं को हुआ कुल नुकसान लगभग 9,280 करोड़ रुपए है। इस मामले में पहली चार्जशीट 7 जुलाई 2026 को सात आरोपियों के खिलाफ दाखिल की गई थी।

मौजूदा सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल होने के साथ इस मामले में अब तक कुल 24 आरोपियों (व्यक्तियों और कंपनियों सहित) के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की जा चुकी है। वहीं, आरोपियों की भूमिका की जांच अभी जारी है। जानकारी के लिए सीबीआई, बीएसएफबी, दिल्ली ने कई पब्लिक सेक्टर बैंकों, एलआईसी और ईपीएफओ ??से मिली शिकायतों के आधार पर रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड (आरकॉम), रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड (आरएचएफएल), रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड (आरसीएफएल), रिलायंस टेलीकॉम लिमिटेड (आरटीएल) और रिलायंस एडीए ग्रुप की दूसरी कंपनियों के खिलाफ आठ एफआईआर दर्ज की हैं।

सीबीआई ने पहले रिलायंस एडीए ग्रुप के मामलों में पांच चार्जशीट दाखिल की थीं। यह सप्लीमेंट्री चार्जशीट इन मामलों में दाखिल छठी चार्जशीट है। सीबीआई ने अब तक रिलायंस एडीए ग्रुप के मामलों में सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वहीं, इन मामलों की जांच की निगरानी सुप्रीम कोर्ट कर रहा है।

चीनी मिलों को वित्तीय सहायता देने की प्रक्रिया में बदलाव, एनसीडीसी ऋण मंजूरी होगी तेज

विश्व केसरी■

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने वित्तीय संकट से जूझ रही सहकारी चीनी मिलों को जल्द सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम से मिलने वाले मार्जिन मनी ऋण की मंजूरी प्रक्रिया में बड़ा बदलाव किया है। सरकार ने बहुस्तरीय मंत्रिस्तरीय व्यवस्था को समाप्त कर एक विशेषज्ञ समिति को पूरी जिम्मेदारी सौंप दी है।

सोमवार को जारी सरकारी प्रस्ताव (जीआर) के अनुसार, राज्य सरकार ने ऋण प्रस्तावों की समीक्षा करने वाली मंत्रिस्तरीय समिति को समाप्त कर दिया है। अब तकनीकी और वित्तीय मूल्यांकन का पूरा काम नई समिति करेगी, जिसकी अध्यक्षता महाराष्ट्र के चीनी आयुक्त करेंगे।

सरकार का मानना है कि इस कदम से प्रक्रियागत देरी कम होगी और पात्र सहकारी चीनी मिलों को तेजी से वित्तीय सहायता मिल सकेगी। 5 सितंबर 2019 को बनाई गई नीति के तहत ऋण प्रस्तावों को कई स्तरों से गुजरना पड़ता था। सबसे पहले वित्तीय और तकनीकी जांच समितियां प्रस्ताव की समीक्षा करती थीं। इसके बाद प्रस्ताव एक उच्चस्तरीय मंत्रिस्तरीय समिति के पास भेजा जाता था, जिसमें वित्त मंत्री, सहकारिता मंत्री, राज्य मंत्री (सहकारिता) और चीनी आयुक्त शामिल होते थे।

इसके बाद प्रस्ताव को अंतिम मंजूरी के लिए सहकारिता मंत्री की अध्यक्षता वाली कैबिनेट उपसमिति के पास भेजा जाता था।

नई व्यवस्था में मंत्रिस्तरीय स्तर की पूरी मध्यवर्ती प्रक्रिया समाप्त कर दी गई है। सहकारिता विभाग के अधिकारियों के अनुसार, इससे प्रशासनिक जटिलताएं दूर होंगी।

अधिकारियों का कहना है कि मुख्यमंत्री के पास वर्तमान में वित्त विभाग का भी प्रभार है। ऐसे में मंत्रिस्तरीय समिति से सहकारिता मंत्री को सिफारिश भेजने की प्रक्रिया में व्यावहारिक दिक्कतें आ रही थीं। अब चीनी आयुक्त की अध्यक्षता वाली संयुक्त वित्तीय और तकनीकी समिति सीधे प्रस्तावों की व्यवहार्यता का आकलन करेगी और अपनी सिफारिशें देगी। सरकारी प्रस्ताव में कहा गया है कि भविष्य में केवल उन्हीं सहकारी चीनी मिलों के प्रस्तावों की सिफारिश की जाएगी, जो आर्थिक रूप से व्यवहार्य हों और कुशलतापूर्वक संचालन करने में सक्षम हों।

बेंगलुरु में मां के साथ स्कूटर से स्कूल जा रहे मासूम की सड़क हादसे में मौत, ड्राइवर फरार

विश्व केसरी■

बेंगलुरु। बेंगलुरु के उत्तरहल्ली इलाके में सोमवार को मां के साथ स्कूटर पर स्कूल जा रहे स्कूली बच्चे की टिपर लॉरी की चपेट में आने से मौत हो गई। यह घटना सवनदरबार आश्रम के पास हुई। मृतक की पहचान पांच साल के भावीन के तौर पर हुई है।

पुलिस के अनुसार, भावीन अपनी मां शुभलता के साथ स्कूटर से स्कूल ले जा रही थीं। बताया जा रहा है कि हादसे से कुछ देर पहले ही उन्होंने एक और बच्चे को स्कूल छोड़ा था और भावीन को छोड़ने जा रही थीं, तभी यह घटना हुई।

आरोप है कि टिपर लॉरी स्कूटर से टकराई, जिससे भावीन सड़क पर गिर गया। इसके बाद

लॉरी बच्चे के ऊपर से गुजर गई, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

हादसे के बाद टिपर का ड्राइवर मौके से भाग गया। केंगेरी ट्रैफिक पुलिस ने मामला दर्ज कर वाहन को जब्त कर लिया है। ड्राइवर का पता लगाने और उसे पकड़ने की कोशिशें जारी हैं। पुलिस उन हालात की जांच कर रही है जिनकी वजह से यह हादसा हुआ और टिपर लॉरी की आवाजाही और घटना से पहले की गतिविधियों की भी जांच कर रही है। इससे पहले, कर्नाटक के कोलार और चिक्कबल्लापुर जिलों में सड़क हादसों की दो अलग-अलग घटनाओं में सात लोगों की मौत हो गई, जिनमें एक ही परिवार के चार सदस्य भी शामिल थे जो सोमवार को तिरुपति मंदिर के दर्शन के बाद बेंगलुरु लौट रहे थे।

पहली घटना में बेंगलुरु के चार तीर्थयात्रियों की मौत हो गई। उनकी कार चेन्नई-बेंगलुरु एक्सप्रेसवे पर कोलार जिले के केजीएफ तालुक में डोड्डा कारी गांव के पास बेकाबू होकर पलट गई।

नोएडा में बैंक प्रबंधक पर एक करोड़ की धोखाधड़ी का आरोप, साइबर ठगों ने ऐंठे 47.82 लाख रुपए

विश्व केसरी■

नोएडा। नोएडा के फेज-वन थाना क्षेत्र में एक कंपनी के बैंक खाते से एक करोड़ रुपये से अधिक की रकम निकालकर अलग-अलग खातों में ट्रांसफर करने का मामला सामने आया है। कंपनी निदेशक की शिकायत पर कोर्ट के आदेश के बाद पुलिस ने बैंक प्रबंधक समेत छह लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

वहीं, साइबर क्राइम थाने में नोएडा और ग्रेटर नोएडा के छह लोगों से अलग-अलग तरीकों से कुल 47.82 लाख रुपये की ऑनलाइन ठगी के मामले दर्ज किए गए हैं। नोएडा के फेज-वन थाना क्षेत्र के सेक्टर-2 स्थित हरित रियलटेक प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक सौरभ राणा ने कोर्ट में याचिका दाखिल कर आरोप लगाया कि नरेंद्र कुमार ने वर्ष 2014 के आसपास खुद को इंडियन बैंक में प्रबंधक बताते हुए कंपनी का दौरा किया था। उसने कंपनी का बैंक खाता खुलवाने और बैंकिंग से जुड़े कार्यों में सहायता करने का भरोसा दिलाया। इसके बाद कंपनी के अन्य निदेशकों से भी उसका परिचय हुआ और कंपनी का बैंक खाता बैंक में खोल दिया गया।

शिकायत के मुताबिक, कंपनी के निदेशक आरटीजीएस और अन्य बैंकिंग लेनदेन के लिए बैंक शाखा जाते थे। करीब चार-पांच वर्षों में नरेंद्र कुमार ने कंपनी के लोगों का इतना विश्वास हासिल कर लिया कि उसे हस्ताक्षर किए हुए चेक भी सौंपे जाने लगे।

हरियाणा सरकार छात्रों को 5 लाख डेटा सिम देगी

विश्व केसरी■

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सोमवार को कहा कि सरकार छात्रों को अच्छी क्वालिटी वाली और टेक्निकल शिक्षा देने पर जोर दे रही है, ताकि वे आज के समय की जरूरतों के हिसाब से हुनर सीख सकें।

सरकार ने छात्रों के लिए 5 लाख डेटा सिम खरीदने की मंजूरी दे दी है। मुख्यमंत्री हाई-पावर्ड परचेज कमेटी (उच्च-स्तरीय खरीद समिति) की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इस बैठक में उच्च शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा, सहकारिता और पर्यटन मंत्री अरविंद शर्मा, स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरुण कुमार गुप्ता और कई वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 10वीं से 12वीं कक्षा के छात्रों को 5 लाख टैबलेट दिए जाएंगे। इन टैबलेट के लिए डेटा सिम खरीदे जाएंगे। इसके अलावा, हरियाणा विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड के लिए 220-वोल्ट की ट्यूबलर-टाइप लेड-एसिड बैटरी खरीदने की भी मंजूरी दी गई। इस खरीद में पांच तरह की बैटरी शामिल हैं।

ड्रग तस्करी नेटवर्क के खिलाफ एनसीबी की कार्रवाई, पांच विदेशी नागरिक गिरफ्तार

विश्व केसरी■

बेंगलुरु। सरकार के 'नशा मुक्त भारत' के लक्ष्य को पाने के संकल्प और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) के 2026-27 के विजन डॉक्यूमेंट के तहत एनसीबी की बेंगलुरु जोनल यूनिट ने ड्रग तस्करी और उससे जुड़े नेटवर्क के खिलाफ लगातार और खुफिया जानकारी पर आधारित ऑपरेशन चलाए। इसको लेकर एनसीबी ने सोमवार को जानकारी दी कि इन ऑपरेशन्स में ड्रग तस्करी में शामिल होने के शक वाले और देश में गैर-कानूनी रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों की पहचान करने और उन्हें वापस भेजने पर खास जोर दिया गया है। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो, बेंगलुरु जोनल यूनिट ने बेंगलुरु में विदेशी नागरिकों की बस्तियों के बारे में खुफिया जानकारी जुटाई, जिनके निवासियों के शहर में ड्रग तस्करी की गतिविधियों से जुड़े होने का शक था। इस जानकारी के आधार पर एनसीबी ने सितंबर 2026 के पहले पखवाड़े में बेंगलुरु सिटी पुलिस के साथ मिलकर उनके अधिकार क्षेत्रों में एक विशेष अभियान चलाया गया।

जम्मू-कश्मीर में दो घटनाएं: गांदरबल में दो युवक नहर में डूबे, शोपियां में एक व्यक्ति की मौत

विश्व केसरी■

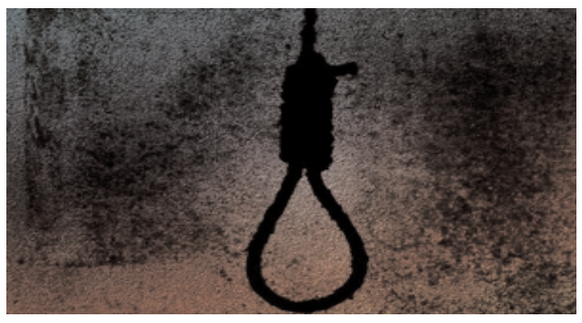

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले में एक लड़के और एक लड़की ने नहर में छलांग लगा दी, जबकि शोपियां जिले में सेब के बाग में एक व्यक्ति फंदे से लटका हुआ मिला।

पुलिस ने बताया कि गांदरबल के थून इलाके में एक लड़के और लड़की के नहर में कूदने की खबर मिलने के बाद तलाशी अभियान शुरू किया गया। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, लड़के की पहचान थून निवासी मोहम्मद शरीफ काही के बेटे इरशाद अहमद काही के तौर पर हुई है। लड़की की पहचान उजागर नहीं की गई है। घटना की जानकारी मिलने के तुरंत बाद, दोनों लोगों का पता लगाने के लिए नहर और उसके आसपास तलाशी अभियान शुरू किया गया। गांदरबल के कंगन इलाके की पुलिस और स्थानीय लोग तलाशी अभियान में जुटे हैं, जबकि घटना के कारणों के बारे में और जानकारी का इंतजार है।

बचाव दल उन्हें खोजने की कोशिश कर रहे थे, जबकि पुलिस भी घटना से जुड़े हालात की जांच कर रही थी। पारिवारिक दबाव, डिप्रेशन और ट्रॉमा के कारण पूरे जम्मू-कश्मीर में किशोरों के आत्महत्या करने और मानसिक तनाव की घटनाएं बढ़ रही हैं।

रिपोर्टों से पता चलता है कि केंद्र शासित प्रदेश में युवाओं के आत्महत्या करने की दर लगातार बढ़ रही है।

मणिपुर में 2023 के बाद हुई जातीय हिंसा की होगी जांच, सीएम ने कहा- गैरकानूनी गतिविधियों से जुड़े मामलों की हो रही समीक्षा

विश्व केसरी■

इंफाल। मणिपुर के मुख्यमंत्री युमनाम खेमचंद सिंह ने सोमवार को कहा कि मई 2023 में राज्य में भड़की जातीय हिंसा के बाद राज्य सरकार उन लोगों से जुड़े गैर-कानूनी और आपराधिक गतिविधियों के विभिन्न मामलों की जांच कर रही है।

मणिपुर विधानसभा में विपक्षी कांग्रेस विधायक कंगुजम रंजीत सिंह की ओर से शुरू की गई कम समय की चर्चा में हिस्सा लेते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 3 मई 2023 को भड़की अभूतपूर्व हिंसा ने कई युवाओं को हथियार उठाने पर मजबूर कर दिया।

उन्होंने सदन को बताया, 'उनमें से कुछ की नीयत अच्छी थी, लेकिन कुछ ऐसे भी हो सकते हैं जो आपराधिक गतिविधियों में शामिल हों। खेमचंद सिंह ने आगे कहा कि राज्य सरकार ने पहाड़ी और घाटी इलाकों में काम करने वाले 'विलेज वॉलंटियर्स' या 'अरामबाई टेंगगोल' को प्रतिबंधित संगठन घोषित नहीं किया है और पुलिस ने इन समूहों से जुड़े होने के आधार पर कोई मामला दर्ज नहीं किया है। उन्होंने कहा कि पुलिस द्वारा की गई गिरफ्तारियां व्यक्तिगत स्तर पर की गई आपराधिक गतिविधियों पर आधारित हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मणिपुर पुलिस पहले एक बहुत मजबूत बल थी, लेकिन 3 मई, 2023 को शुरू हुए अभूतपूर्व जातीय संकट के बाद उसका मनोबल गिर गया है। उन्होंने कहा कि अब सरकार पुलिस बल को मजबूत करने की कोशिश कर रही है। सीएम खेमचंद सिंह ने कहा कि राज्य सरकार जातीय हिंसा के दौरान किसी भी व्यक्ति के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामलों को वापस नहीं ले सकती। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि जिन लोगों पर मामले दर्ज किए गए हैं, उनके मामलों की एक-एक करके जांच की जाएगी और इसमें समय लगेगा। दूसरी ओर, गृह मंत्री कोंथौजम गोविंदस सिंह ने 2024 में सरकार द्वारा लिए गए उस फैसले को दोहराया।

सीएम सरमा ने असम दौरे के लिए उपराष्ट्रपति को कहा धन्यवाद, तमिलनाडु के साथ संबंधों को मजबूत करने के प्रयासों को सराहा

विश्व केसरी■

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने सोमवार को उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन का राज्य के उनके पहले दौरे के लिए धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि राज्य की प्रगति पर उनके विचार और तमिलनाडु के साथ सांस्कृतिक और शैक्षणिक संबंध मजबूत करने पर उनका जोर लोगों, खासकर छात्रों को प्रेरित करेगा।

मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने सोशल मीडिया पर कई पोस्ट में कहा कि उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन की यात्रा असम के शिक्षा क्षेत्र में कई अहम पड़ावों की गवाह बनी। उन्होंने राज्य के लोगों की ओर से आभार व्यक्त किया, क्योंकि उपराष्ट्रपति अपनी यात्रा के अगले चरण के लिए आगे बढ़े।

मुख्यमंत्री ने कहा, 'उनका मार्गदर्शन और ज्ञान भरी बातें हम सभी के लिए, खासकर असम के छात्रों के लिए प्रेरणा का स्रोत होंगी। उन्होंने असम और तमिलनाडु के बीच सांस्कृतिक और शैक्षणिक आदान-प्रदान को मजबूत करने पर उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन के जोर का भी स्वागत किया और दोनों राज्यों की साझा विरासत को नई संभावनाओं के लिए एक पुल बताया।

मुख्यमंत्री सरमा ने कहा कि इस तरह का आदान-प्रदान 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को दर्शाता है और दोनों क्षेत्रों के बीच बेहतर समझ और सहयोग में योगदान दे सकता है। सोमवार को गुवाहाटी विश्वविद्यालय में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने किसी सभ्यता की यादों, ज्ञान और पहचान को संजोने में भाषा के महत्व पर प्रकाश डाला।

उन्होंने असमिया और तमिल साहित्यिक कृतियों के एक-दूसरे की भाषा में अनुवाद की सराहना की और असम तथा तमिलनाडु के बीच अधिक शैक्षणिक और साहित्यिक बातचीत का आह्वान किया।

कार्यक्रम के दौरान उपराष्ट्रपति ने अंकुरन दत्ता और नानी गोपाल महंता द्वारा संपादित 'भूपेन हजारिका: हंड्रेड इयर्स ऑफ ए वांडरिंग सॉन्ग्स' और 'चंद्रकांत अभिधान' के पांचवें संशोधित और विस्तारित संस्करण का विमोचन किया। उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने लुप्तप्राय भाषाओं, बहुभाषावाद, ब्रह्मपुत्र बेसिन, पर्यावरणीय स्थिरता और भारतीय ज्ञान प्रणालियों सहित विभिन्न क्षेत्रों में गुवाहाटी विश्वविद्यालय के शोध की भी प्रशंसा की।

तेलंगाना में चुनाव आयोग ने एसआईआर की समयसीमा तीन सप्ताह बढ़ाई

विश्व केसरी■

हैदराबाद। भारत के चुनाव आयोग ने सोमवार को तेलंगाना में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की समयसीमा में संशोधन करते हुए दावे और आपत्तियां दाखिल करने की अवधि तीन सप्ताह बढ़ा दी।

संशोधित कार्यक्रम के अनुसार, दावे और आपत्तियां दाखिल करने की अवधि 7 अक्टूबर, 2026 तक रहेगी। यह अवधि, जो 17 अगस्त को शुरू हुई थी, पहले 16 सितंबर को समाप्त होनी थी। नोटिस चरण/दावे और आपत्तियों का निपटारा अब 5 नवंबर को समाप्त होगा। पहले यह 15 अक्टूबर को समाप्त होना था। अंतिम मतदाता सूची 9 नवंबर को प्रकाशित की जाएगी। पहले यह 19 अक्टूबर को प्रकाशित होनी थी।

इस बीच, मुख्य निर्वाचन अधिकारी सी. सुदर्शन रेड्डी ने अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. वासम वेंकटेश्वर रेड्डी और उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी जीएस चारी के साथ सोमवार को ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) के आयुक्त और हैदराबाद के जिला निर्वाचन अधिकारी, सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों (डीईओ) और निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों (ईआरओ) के साथ चल रहे एसआईआर के संबंध में वीडियो कॉन्फ्रेंस की।

बैठक के दौरान, सीईओ ने एसआईआर-2026 के तहत नोटिस वितरण और सुनवाई के संचालन से संबंधित मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया।

भू-राजनीतिक तनावों के बीच लाल निशान में बंद हुआ बाजार, सेंसेक्स 383 अंक फिसला

विश्व केसरी■

मुंबई। मध्य पूर्व में नए सिरे से उत्पन्न भू-राजनीतिक तनावों के बीच हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को भारतीय शेयर बाजार गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुआ। इस दौरान आईटी, मेटल, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और मीडिया कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट के चलते घरेलू बाजार के प्रमुख बेंचमार्क सेंसेक्स और निफ्टी, दोनों में 0.50 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

बाजार बंद होने के समय 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 382.62 अंक यानी 0.50 प्रतिशत गिरकर 76,132.81 पर आ गया, तो वहीं निफ्टी 50 118.55 अंक यानी 0.50 प्रतिशत गिरकर 23,779.15 पर पहुंच गया।

दिन के दौरान, सेंसेक्स अपने पिछले बंद 76,515.43 से मामूली 69 अंक गिरकर 76,446.05 पर खुला। हालांकि, दिन के कारोबारी सत्र में यह 0.71 प्रतिशत यानी 545 अंक फिसलकर 75,970.52 के दिन के निम्नतम स्तर पर पहुंच गया।

वहीं निफ्टी 50 दिन के दौरान अपने पिछले बंद 23,897.70 से मामूली 14.54 अंक फिसलकर 23,883.15 पर खुला और दिन के दौरान यह 159.8 अंक या 0.66 प्रतिशत गिरकर 23,737.90 के इंट्रा-डे लो पर पहुंच गया। व्यापक बाजारों में, निफ्टी मिडकैप में 0.46 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप में 0.02 प्रतिशत की मामूली वृद्धि दर्ज की गई।

सेक्टरवार देखें तो निफ्टी आईटी, निफ्टी मेटल, निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी रियल्टी और निफ्टी मीडिया का प्रदर्शन कमजोर रहा, जबकि निफ्टी फार्मा और निफ्टी हेल्थकेयर का प्रदर्शन बेहतर रहा। निफ्टी50 इंडेक्स में इंफोसिस, एसबीआई लाइफ, एचडीएफसी लाइफ, जियो फाइनेंशियल सर्विसेज, टेक महिंद्रा और विप्रो के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई, जबकि इसके विपरीत अपोलो हॉस्पिटल, एलएंडटी, कोल इंडिया, भारती एयरटेल, मैक्स हेल्थ और सिप्ला के शेयरों में सबसे ज्यादा बढ़त देकने को मिली। इसके साथ ही, आयशर मोटर्स, मारुति सुजुकी इंडिया, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, इंडिगो, अदाणी इंटरप्राइजेज, आईसीआईसीआई बैंक और पावरग्रिड के शेयरों में भी तेजी देखने को मिली।

मार्केट एक्सपर्ट सुनील शाह ने न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए कहा, 'सप्ताह का पहला दिन है और उम्मीद के मुताबिक बाजार गिरावट के साथ खुले हैं। अभी जब मैं आपसे बात कर रहा हूं, सेंसेक्स 180 अंक नीचे है, और निकट भविष्य में हमें जिस एकमात्र आंकड़े पर बारीकी से नजर रखनी है, वह है कच्चे तेल की कीमतें।

पर्यटन इको सिस्टम को मजबूत करने पांच सूत्रीय कार्य योजना : गोयल

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को भारत के चिकित्सा मूल्य पर्यटन इकोसिस्टम को मजबूत करने और उच्चतम गुणवत्ता मानकों के साथ अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य और कल्याण सेवाओं के प्रवेश द्वार के रूप में देश को स्थापित करने के लिए पांच सूत्रीय कार्य योजना पेश की।

राष्ट्रीय राजधानी में भारत हेल्थ ग्लोबल एक्सपो 2026 में संजीवनी 2026 के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए गोयल ने कहा कि देश को सालाना गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा के इच्छुक 1 करोड़ पर्यटकों को लक्षित करना चाहिए। पांच सूत्रीय कार्य योजना के बारे में बताते हुए गोयल ने कहा कि पहली प्राथमिकता देखभाल करने वालों को प्रशिक्षित और प्रमाणित करना एवं अंतरराष्ट्रीय मानकों की स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने में सक्षम कुशल कार्यबल विकसित करना होना चाहिए। उन्होंने कहा कि दूसरा बिंदु यह होना चाहिए कि अधिक से अधिक अस्पतालों को हील इन इंडिया गेटवे में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया जाए और ईमानदार एवं पारदर्शी उपचार पैकेज सामने लाए जाएं। उन्होंने जोर देकर कहा कि अस्पतालों को नैतिक तौर-तरीकों का पालन करना चाहिए और कभी भी रोगियों को धोखा देने का प्रयास नहीं करना चाहिए, क्योंकि एक गलत कार्रवाई से भारत के लिए सद्भावना, व्यवसाय और विश्वसनीयता का नुकसान हो सकता है।

तीसरे बिंदु के रूप में, गोयल ने बीमाकर्ताओं और स्वास्थ्य-तकनीक कंपनियों से ऐसे उत्पाद और प्लेटफॉर्म बनाने का आह्वान किया जो रोगी की यात्रा को अधिक सहज बनाते हैं, समय पर प्रतिपूर्ति और कैशलेस भुगतान की अधिक उपलब्धता सुनिश्चित करते हैं। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि टेलीकंसल्टेशन और टेलीमेडिसिन को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा पर्यटन संबंधी आवागमन के प्रारंभिक हिस्से के रूप में बड़े पैमाने पर शामिल किया जा सकता है।

बिजली क्षेत्र को कोयला आपूर्ति में तेज सुधार, चार दिनों में 74 रैक प्रतिदिन की हुई बढ़ोतरी: सरकार

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। सरकार ने सोमवार को कहा कि बिजली क्षेत्र को कोयले की आपूर्ति में लगातार सुधार देखने को मिल रहा है। पिछले चार दिनों में कोयला लोडिंग में उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जो देश में बिजली उत्पादन की जरूरतों को पूरा करने के लिए किए जा रहे प्रयासों का परिणाम है।

कोयला मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि 3 सितंबर को बिजली क्षेत्र के लिए 370 रैक प्रतिदिन कोयला भेजा जा रहा था, जो बढ़कर 6 सितंबर को 444 रैक प्रतिदिन पहुंच गया। इस प्रकार चार दिनों में 74 रैक प्रतिदिन की शुद्ध वृद्धि दर्ज की गई। केवल 6 सितंबर को ही पिछले दिन की तुलना में 31 रैक की बढ़ोतरी हुई।

मंत्रालय ने कहा कि पिछले चार दिनों से कोयला लोडिंग में लगातार बढ़ोतरी का रुझान बना हुआ है। यह कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल), उसकी सहायक कंपनियों, सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) और कैप्टिव कोयला खदान संचालकों द्वारा बिजली क्षेत्र को पर्याप्त कोयला उपलब्ध कराने के लिए किए जा रहे समन्वित प्रयासों का परिणाम है।

6 सितंबर को लगभग सभी प्रमुख कोयला उत्पादक कंपनियों ने अपनी लोडिंग क्षमता में सुधार दर्ज किया। महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एमसीएल) ने सबसे अधिक प्रगति करते हुए एक ही दिन में 12 रैक की वृद्धि दर्ज की और इसकी लोडिंग 111 रैक प्रतिदिन तक पहुंच गई। इसी तरह, कैप्टिव कोल ब्लॉकों की लोडिंग में 6 रैक की वृद्धि होकर यह 72 रैक प्रतिदिन हो गई। भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) ने भी 8 रैक की बढ़ोतरी के साथ अपनी लोडिंग 25 रैक प्रतिदिन तक पहुंचाई।

नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) की लोडिंग 3 रैक बढ़कर 35 रैक प्रतिदिन हो गई, जबकि प्राइवेट वॉशरी एवं गुड्स शेड्स की लोडिंग भी 3 रैक बढ़कर 42 रैक प्रतिदिन पहुंच गई। इसके अलावा सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) और साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) ने क्रमश: 2 और 1 रैक की वृद्धि दर्ज की, जिससे उनकी लोडिंग बढ़कर 36 और 46 रैक प्रतिदिन हो गई। वहीं ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (ईसीएल) और वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (डब्ल्यूसीएल) ने क्रमश: 23 और 29 रैक प्रतिदिन के अपने पिछले लोडिंग स्तर को बनाए रखा।

अबू धाबी जा रही एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट एहतियातन कोच्चि लौटी: एयरलाइन

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने सोमवार को स्पष्ट किया कि केरल के कोच्चि एयरपोर्ट से अबू धाबी जा रही उसके एक विमान में खराबी पाए जाने के बाद सुरक्षा नियमों के तहत वह वापस कोच्चि हवाईअड्डे पर लौट आया। एयरलाइन के अनुसार, विमान में एक तकनीकी संकेत मिलने के बाद चालक दल ने स्थापित सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करते हुए यह निर्णय लिया।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, बोइंग 737 विमान संख्या आईएक्स-415 कोच्चि अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे से अबू धाबी के लिए रवाना हुआ था। उड़ान के लगभग 50 मिनट बाद, जब विमान लगभग 36,000 फीट की ऊंचाई पर था, तब चालक दल ने इंजन 1 में ऑयल की मात्रा में तेजी से गिरावट देखी।

एयर इंडिया एक्सप्रेस के प्रवक्ता ने कहा, 'करीब एक सप्ताह पहले हमारी कोच्चि-अबू धाबी उड़ानों में से एक को स्थापित सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत वापस लौटाया गया था।' उन्होंने यह भी कहा कि घटना को समय-सीमा और संदर्भ के बिना प्रस्तुत करने से यात्रियों और आम लोगों में अनावश्यक चिंता पैदा हो सकती है।

इसके अलावा, पायलटों ने स्थिति का आकलन करने के लिए एफओआरडीईसी (फैक्ट्स, ऑप्शंस, रिस्क्स एंड बेनिफिट्स, डिसीजन, एक्जीक्यूशन एंड चेक) प्रक्रिया अपनाई, जो विमानन क्षेत्र में उपयोग की जाने वाली एक संरचित निर्णय प्रणाली है। ऑयल की मात्रा में लगातार गिरावट को देखते हुए चालक दल ने विमान को वापस कोच्चि ले जाने का फैसला किया।

बताया गया है कि विमान के कमांडर ने मुंबई रेडियो के माध्यम से हवाई यातायात नियंत्रण को स्थिति की जानकारी दी और विमान ने वापसी का रुख किया। इस दौरान चालक दल लगातार इंजन के विभिन्न मानकों की निगरानी करता रहा और किसी भी संभावित स्थिति के लिए तैयार रहा।

सूत्रों के अनुसार, वापसी का निर्णय लेने के लगभग 45 मिनट बाद इंजन 1 का ऑयल प्रेशर अस्थिर होने लगा और कॉकपिट में यह चेतावनी लाल क्षेत्र में पहुंच गई, जो दबाव में गंभीर गिरावट का संकेत माना जाता है। इसके बावजूद चालक दल ने स्थिति को नियंत्रित रखा और विमान को सुरक्षित रूप से उतारने में सफलता हासिल की।

एयरलाइन ने बताया कि विमान सुरक्षित रूप से कोच्चि अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर उतरा और किसी भी यात्री या चालक दल के सदस्य को कोई नुकसान नहीं हुआ। इसके बाद यात्रियों को उनकी यात्रा पूरी कराने के लिए वैकल्पिक विमान के जरिए अबू धाबी भेजा गया। गौरतलब है कि हाल के महीनों में एयर इंडिया एक्सप्रेस की कुछ अन्य उड़ानें भी सुरक्षा कारणों से चर्चा में रही हैं। अगस्त में दम्माम से दिल्ली जा रही एक उड़ान को विमान के शौचालय में बम की धमकी वाला संदेश मिलने के बाद अहमदाबाद की ओर मोड़ दिया गया था। उस मामले में भी सभी यात्रियों को सुरक्षित निकाला गया था और आवश्यक सुरक्षा जांच की गई थी।

पहली बार यात्री वाहन बिक्री में सीएनजी, हाइब्रिड और ईवी ने पेट्रोल को पीछे छोड़ा: फाडा

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। भारत के यात्री वाहन बाजार में अगस्त में पहली बार वैकल्पिक ईंधन वाले वाहन जैसे सीएनजी, हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक ने पेट्रोल कारों को बिक्री के मामले में पीछे छोड़ दिया। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस (फाडा) के आंकड़ों के मुताबिक, यह उपभोक्ताओं की पसंद में एक संरचनात्मक बदलाव का संकेत है।

फाडा ने कहा कि सीएनजी, हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहनों की संयुक्त हिस्सेदारी यात्री वाहन बिक्री में 41.95 प्रतिशत रही, जबकि पेट्रोल वाहनों की हिस्सेदारी 40.85 प्रतिशत थी।

यह बदलाव ऐसे समय पर आया है जब एक साल से कुछ अधिक पहले तक पेट्रोल वाहनों की हिस्सेदारी वैकल्पिक ईंधन वाले वाहनों से करीब 11 प्रतिशत अधिक थी। यह भारत के ऑटो बाजार में बदलाव की तेज रफ्तार को दर्शाता है।

इसके अलावा, ऑटो क्षेत्र में अगस्त में अब तक की सबसे अधिक 24,23,201 इकाइयों की बिक्री दर्ज की गई, जो सालाना आधार पर 17.51 प्रतिशत की वृद्धि है।

फाडा के अनुसार, दोपहिया, यात्री वाहन, वाणिज्यिक वाहन, ट्रैक्टर और तीनपहिया सभी कैटेगरी ने अगस्त में बिक्री के नए रिकॉर्ड बनाए।

यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री 4,02,398 इकाइयों पर रही, जो सालाना आधार पर करीब 16 प्रतिशत अधिक है। इसका मतलब है कि अगस्त महीने में पहली बार यात्री वाहनों की बिक्री 4 लाख का आंकड़ा पार कर गई।

हालांकि, फाडा ने कहा कि सालाना आधार पर मजबूत वृद्धि का आंकड़ा आंशिक रूप से अगस्त 2025 के कमजोर आधार के कारण भी बेहतर दिख रहा है। उस समय खरीदारों ने जीएसटी 2.0 की दरों में कटौती की उम्मीद में अपनी खरीदारी टाल दी थी।

फाडा ने कहा, 'सीजन की असली परीक्षा सितंबर से नवंबर के दौरान शोरूम में पूछताछ का बिक्री में बदलना होगी, न कि केवल सालाना आंकड़ों की तुलना।'

फाडा के अध्यक्ष साई गिरिधर ने कहा कि अगले तीन महीने सकारात्मक नजर आ रहे हैं। त्योहारी मांग का वास्तविक बिक्री में बदलना, मानसून के बाद ग्रामीण क्षेत्रों में आने वाली मांग और पीक सीजन के दौरान इन्वेंट्री का अनुशासन प्रमुख निगरानी योग्य बिंदु होंगे।

इसके अलावा, फाडा ने कहा कि मानसून के बाद माल ढुलाई, बुनियादी ढांचे से जुड़े काम और फसल की आवाजाही दोबारा शुरू होने से वाणिज्यिक वाहनों की मांग में मजबूती आने की उम्मीद है।

सितंबर-नवंबर के दौरान 81.62 प्रतिशत डीलरों को बाजार में वृद्धि की उम्मीद है, जबकि 17.09 प्रतिशत डीलरों को बाजार के स्थिर रहने और 1.28 प्रतिशत को बाजार में गिरावट की आशंका है।

इनफिनिक्स हॉट 70 प्रो भारत के पहले इंटरैक्टिव एक्टिव मैट्रिक्स क्यूब और डायनामिक शाइन डिज़ाइन के साथ लॉन्च हुआ

विश्व केसरी■

रायपुर। न्यू-एज स्मार्टफोन ब्रांड, इनफिनिक्स ने आज युवा भारत के लिए डिज़ाइन किए गए स्मार्टफोन में एक्सप्रेसिव डिज़ाइन, इंटरैक्टिव अनुभवों और रोज़मर्रा की परफॉरमेंस को एक साथ लाते हुए, बिल्कुल नए इनफिनिक्स हॉट 70 प्रो को लॉन्च करने की घोषणा की। इनफिनिक्स की 'फ्रेश. फन. यंग.' फिलॉसफी पर निर्मित, हॉट 70 प्रो नया डायनामिक शाइन डिज़ाइन पेश करता है, जो रंग और टेक्सचर को स्मार्टफोन के अनुभव का एक आकर्षक हिस्सा बना देता है। हॉट 70 प्रो एक विशिष्ट डिज़ाइन लैंग्वेज को एक्टिव मैट्रिक्स क्यूब, 50एमपी सोनी कैमरा सिस्टम, स्मूथ 144हर्ट्ज़ डिस्प्ले, आईपी68 प्रोटेक्शन, मीडियाटेक डाइमेंसिटी 7100 5जी प्रोसेसर और 45वॉट फास्टचार्ज सपोर्ट वाली 6000एमएएच बैटरी के साथ जोड़ता है। एक साथ मिलकर, इन फीचर्स को एंटरटेनमेंट, फोटोग्राफी, गेमिंग, कनेक्टिविटी और रोज़मर्रा के उपयोग में एक शानदार अनुभव प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। लॉन्च पर बात करते हुए, इनफिनिक्स इंडिया के सीएमओ, मिराज गुप्ता ने कहा: 'स्मार्टफोन लगातार और स्मार्ट होते जा रहे हैं। इनफिनिक्स में, हम मानते हैं कि उनमें और भी अधिक पर्सनैलिटी हो सकती है। हॉट 70 प्रो परफॉरमेंस और पर्सनैलिटी को एक साथ लाता है - ऐसी तकनीक जो रिएक्ट करती है, ट्रांसफॉर्म होती है और सबसे अलग दिखने से नहीं डरती। यह काफी हद तक हमारे यूज़र्स जैसा ही है।'

रंगों को जीवंत बनाने वाला डायनामिक शाइन डिज़ाइन

हॉट 70 प्रो इनफिनिक्स का डायनामिक शाइन डिज़ाइन पेश करता है, जो 'लिविंग डिज़ाइन' के कॉन्सेप्ट से प्रेरित है। इसमें स्मार्टफोन अपने आस-पास के माहौल पर प्रतिक्रिया देता है और एक अधिक व्यक्तिगत अनुभव बनाता है। यह डिज़ाइन रंगों को केवल एक पारंपरिक कॉस्मेटिक विकल्प से बदलकर डिवाइस का एक एक्सप्रेसिव हिस्सा बना देता है। हॉट 70 प्रो चार कलरवेज़ में उपलब्ध होगा: थर्मो ऑरेंज, मिराज ग्रीन, सिल्क ग्लो पर्पल और डाइव ब्लू। इनमें से प्रत्येक फिनिश एक अलग विज़ुअल कैरेक्टर प्रदान करती है। थर्मो ऑरेंज में एक थर्मोक्रोमिक फिनिश है जो तापमान के साथ रंग बदलती है, जिससे माहौल बदलने पर एक डायनामिक विज़ुअल प्रभाव पैदा होता है। मिराज ग्रीन यूवी लाइट पर प्रतिक्रिया करता है और अंधेरे में चमकता है, जबकि सिल्क ग्लो पर्पल में एक डायनामिक टेक्सचर है जो एंगल के साथ बदलता है, और डाइव ब्लू एक स्लीक मैट फिनिश प्रदान करता है।

2026 में दुनियाभर में फोल्डेबल स्मार्टफोन की कुल शिपमेंट 10 करोड़ यूनिट्स के पार पहुंचने की उम्मीद: रिपोर्ट

विश्व केसरी ■

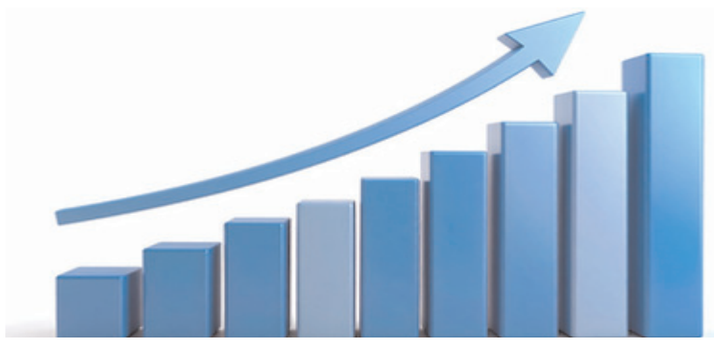

नई दिल्ली। दुनियाभर में फोल्डेबल स्मार्टफोन की कुल शिपमेंट 2026 के अंत तक 10 करोड़ यूनिट्स के आंकड़े को पार करने की उम्मीद है। यह जानकारी सोमवार को जारी एक रिपोर्ट में दी गई।

काउंटरपॉइंट रिसर्च की रिपोर्ट के अनुसार, यह इस कैटेगरी के लिए एक बड़ी उपलब्धि होगी, क्योंकि दुनिया में पहले व्यावसायिक रूप से उपलब्ध फोल्डेबल स्मार्टफोन को लॉन्च हुए आठ साल हो चुके हैं। 2027 में दुनियाभर में फोल्डेबल स्मार्टफोन की शिपमेंट सालाना आधार पर 37 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है। इस वृद्धि की प्रमुख वजह इस सेगमेंट में एप्पल का प्रवेश और सैमसंग एंव अन्य कंपनियों के ज्यादा चौड़ी स्क्रीन वाले बुक-टाइप फोल्डेबल डिवाइस की मजबूत मांग है। रिपोर्ट में कहा गया कि फिलहाल फोल्डेबल स्मार्टफोन की हिस्सेदारी दुनियाभर के कुल स्मार्टफोन बाजार में केवल करीब 2 प्रतिशत है। ऐसे में इस सेगमेंट के आगे विस्तार की काफी गुंजाइश है। एप्पल के 2026 में 60 लाख तक फोल्डेबल आईफोन की शिपमेंट करने की उम्मीद है। इससे वैश्विक फोल्डेबल स्मार्टफोन बाजार में एप्पल की हिस्सेदारी 25 प्रतिशत हो सकती है। इसके साथ ही एप्पल सैमसंग के बाद दूसरे स्थान पर पहुंच सकता है। सैमसंग की बाजार हिस्सेदारी करीब 38 प्रतिशत रहने का अनुमान है। रिपोर्ट के अनुसार, आईफोन निर्माता की शुरुआती बिक्री मांग के बजाय सप्लाई की कमी से ज्यादा प्रभावित हो सकती है, क्योंकि शुरुआती चरण में उत्पादन क्षमता सीमित रहने की उम्मीद है। काउंटरपॉइंट रिसर्च ने कहा कि उत्पादन बढ़ने के साथ अलग-अलग क्षेत्रों में फोल्डेबल आईफोन की उपलब्धता धीरे-धीरे बढ़ने की उम्मीद है। रिसर्च डायरेक्टर तरुण पाठक ने कहा, 'एप्पल के प्रवेश से प्रीमियम सेगमेंट में निश्चित रूप से प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी। हालांकि, फोल्डेबल स्मार्टफोन अभी भी कुल स्मार्टफोन बाजार का बहुत छोटा हिस्सा हैं, इसलिए इस कैटेगरी के मौजूदा स्तर से काफी आगे बढ़ने की गुंजाइश है।'

दिल्ली में रहते हैं तो फेफड़े नहीं अपनी किडनी भी बचाओ...रिसर्च ने चौंकाया अब डॉक्टर दे रहे सलाह

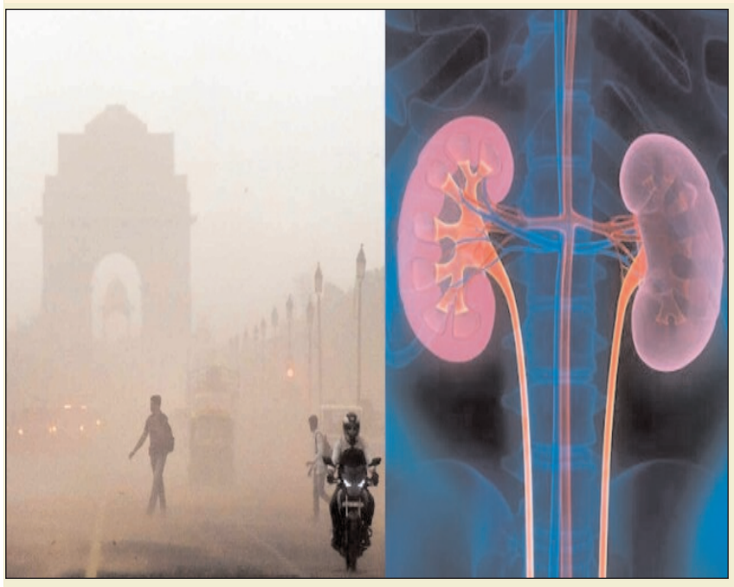

दिल्ली में प्रदूषण से सिर्फ फेफड़े ही नहीं, किडनी भी खराब हो सकती है. एक रिसर्च में दिल्ली के लोगों की किडनी की क्षमता में चेन्नई के मुकाबले 6 गुना ज्यादा गिरावट मिली है. वहीं डॉक्टरों का भी कहना है कि दिल्ली में रहते हैं तो सिर्फ फेफड़े नहीं किडनी को भी बचाओ.

दिल्ली में अगले दो महीने बाद प्रदूषण का खतरनाक दौर शुरू होने वाला है. नवंबर आते ही दिल्ली में पार्टिकुलेट मैटर की एक चादर हवा में तन जाती है, जिससे सांस लेने में भी कठिनाइयां आती हैं. आमतौर पर लोगों को लगता है कि प्रदूषण से सांस लेने में दिक्कत होती है, फेफड़े खराब होते हैं, लेकिन हालिया स्टडी और डॉक्टरों के दावे अब एक और मुसीबत की ओर इशारा कर रहे हैं. डॉक्टरों की सलाह है कि दिल्ली में रह रहे हैं तो सिर्फ फेफड़े ही नहीं, बल्कि अपनी किडनियों को भी बचाओ.

हाल ही में स्टडी सेंटर फॉर क्रोनिक डिसीज के सिद्धार्थ मंडल के नेतृत्व में एक रिसर्च हुआ है जिसमें दिल्ली और चेन्नई के 12,271 वयस्कों को शामिल कर देखा गया कि प्रदूषण में रहने पर उनकी किडनी पर क्या असर पड़ता है. शोधकर्ताओं ने पांच साल के दौरान अलग-अलग समय पर उनकी किडनी की कार्यक्षमता जांची और उनके घर के आसपास के PM2.5 प्रदूषण के स्तर को भी जांचा. जिसमें कई चौंकाने वाली बातें सामने आई हैं.

इस रिसर्च में पता चला है कि दिल्ली में रहने वाले लोगों की किडनी की क्षमता में चेन्नई में रहने वाले लोगों के मुकाबले 6 गुना ज्यादा गिरावट देखी गई. वहीं दिल्ली की हवा में मौजूद PM2.5 का स्तर कई गुना ज्यादा मिला है जो कि चेन्नई में कम है. रिसर्च में सामने आया है कि लगातार प्रदूषण में रहने के चलते किडनी की फिल्टर करने की क्षमता में कमी आती है और दिल्ली में इसका असर खासा खराब देखा गया है.

सिर्फ यह रिसर्च ही नहीं डॉक्टर भी लगातार इस चीज को लेकर चेतावनी देते रहे हैं. नेफ्रोलॉजिस्ट दिल्ली के प्रदूषण को किडनी के लिए खराब मानते हैं.

दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल के नेफ्रोलॉजी विभाग के वाइस चेयरमेन डॉ. मनीष मलिक कहते हैं कि लोगों को लगता है कि प्रदूषण का असर सिर्फ रेस्पिरेटरी सिस्टम हार्ट या फेफड़ों पर ही पड़ता है. इससे सांस फूलती है, सांस की बीमारियां होती हैं लेकिन क्या आपको पता है कि ये आपकी किडनियों को भी चुपचाप खराब कर सकता है.

किडनी पर प्रदूषण के असर को लेकर ज्यादा बातें नहीं हुई हैं, हालांकि अभी एक शोध आया है, जिसमें बताया है कि यह किडनी को बुरी तरह डैमेज कर सकता है. आमतौर पर होता क्या है कि जो भी पार्टिकुलेट मेटर होते हैं या हैवी मैटल्स हवा में होते हैं, तो वे सांस के माध्यम से हमारे शरीर में पहुंच जाते हैं. अब चूंकि जो भी गंदगी या अवशिष्ट हमारे शरीर में जाता है उसे या तो किडनी बाहर निकालती है या लिवर निकालता है.

डॉ. मलिक कहते हैं कि जब ये पीएम 2.5, पीएम 10 और हैवी मैटल्स हमारी किडनी में पहुंचते हैं तो ये सिर्फ बाहर ही नहीं निकलते, बल्कि धीरे-धीरे हमारी किडनी को नुकसान पहुंचाना शुरू कर देते हैं. दूसरी एक चीज है इन्फ्लेमेशन. हवा में मौजूद प्रदूषण तत्व और धातु जब शरीर में घुसते हैं तो ये इन्फ्लेमेशन पैदा करते हैं. यानि जलन पैदा करते हैं. इससे किडनी पर लोड पड़ता है. जैसा कि शुगर से भी किडनी खराब होती है तो उसकी भी मुख्य वजह इन्फ्लेमेशन ही है.

हो सकता है कि शुरुआत में ये प्रदूषण किडनी पर इतना असर न डाले, या बहुतायत में न डाले लेकिन जो लोग नाजुक हैं, जिन्हें डायबिटीज है, बीपी की समस्या है या जिनकी उम्र ज्यादा है, उनमें ये इन्फ्लेमेशन बढ़ाने के साथ ही इन अंगों को डैमेज करने की गति बढ़ जाती है.

डॉ. मलिक कहते हैं कि प्रदूषण से फेफड़ों की बीमारी के लक्षण जल्दी ही दिख जाते हैं और लोग जल्दी ही अस्पताल भी पहुंच जाते हैं, लेकिन किडनी की बीमारी के लक्षण आसानी से पता नहीं चलते और हो सकता है कि ये 2, 5 या 10 साल में जाकर पता चलें. इसलिए जरूरी है कि प्रदूषण में किडनी का भी ध्यान रखना बेहद जरूरी है. अगर आप ऐसी परिस्थितियों में रह रहे हैं तो पानी पर्याप्त मात्रा में पीएं और सालाना किडनी की जांच भी कराते रहें.

आरएमएल अस्पताल में प्रदूषण क्लीनिक देख रहे डॉ. अमित जिंदल ने बताया कि आरएमएल में पहला और एकमात्र प्रदूषण क्लीनिक संचालित किया जा रहा है. इसमें सिर्फ रेस्पिरेटरी और पल्मोनरी विभागों के डॉक्टर ही नहीं बल्कि कार्डियोलॉजी और साइकेट्री विभागों से भी एक्सपर्ट बैठते हैं. उन्होंने कहा कि दिल्ली में प्रदूषण का स्तर अभी भी काफी ज्यादा है और एक्यूआई अभी भी बहुत खराब श्रेणी में है लेकिन 1 दिसंबर को सोमवार को लगे पॉल्यूशन क्लीनिक में एक भी मरीज दिखाने नहीं आया. जबकि मंगलवार की सुबह रेस्पिरेटरी विभाग की ओपीडी में 100 से भी ज्यादा मरीज उनके सामने दिखाने के लिए खड़े थें।

बागेश्वर से 11 KM दूर छिपा है पहाड़ों का ये खूबसूरत ठिकाना, जहां से दिखते हैं नंदा देवी-पंचचूली के शानदार नजारे

अगर आप भीड़भाड़ वाले पर्यटन स्थलों से हटकर पहाड़ों में ऐसी जगह तलाश रहे हैं, जहां चारों तरफ हरियाली, शांत माहौल और हिमालय की ऊंची चोटियों का नजारा देखने को मिले, तो बागेश्वर के जौलकांडे और बोरगांव आपका अगला डेस्टिनेशन बन सकते हैं. साफ मौसम में यहां से नंदा देवी, पंचचूली और त्रिशूल पर्वत श्रृंखलाओं के खूबसूरत नजारे दिखाई देते हैं, वहीं चीड़ के जंगलों और पहाड़ी ढलानों के बीच बर्ड वॉचिंग का भी अलग अनुभव मिल सकता है. खास बात यह है कि यहां कैंपिंग और इको-टूरिज्म की संभावनाएं भी देखी जा रही हैं, जिससे स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए रास्ते खुल सकते हैं.

बागेश्वर घूमने का प्लान बना रहे हैं और भीड़भाड़ से दूर किसी शांत जगह की तलाश है तो जौलकांडे और बोरगांव आपके लिए अच्छा विकल्प हो सकते हैं. जिला मुख्यालय से करीब 11 किलोमीटर दूर ये दोनों गांव धीरे-धीरे पर्यटन के नए ठिकाने के रूप में पहचान बना रहे हैं. यहां पहुंचकर आपको पहाड़ों की हरियाली, चीड़ के जंगल, शांत माहौल और दूर तक फैली घाटियां देखने को मिलती हैं. साफ मौसम में यहां से हिमालय की ऊंची चोटियों का नजारा भी काफी खूबसूरत दिखाई देता है.

जौलकांडे और बोरगांव की खास बात यह है कि यहां आपको शहर जैसी भागदौड़ नहीं मिलेगी. पहाड़ी ढलानों पर फैली हरियाली और जंगलों के बीच कुछ समय बिताकर आप प्रकृति के करीब महसूस कर सकते हैं. आसपास से नंदा देवी, पंचचूली और त्रिशूल पर्वत श्रृंखलाओं के सुंदर नजारे दिखाई देते हैं, जो इस जगह को और खास बनाते हैं.

चीड़ के जंगल और शांत वादियां करेंगी आकर्षित

पर्यटक स्वाति भट्ट ने बताया कि जौलकांडे और बोरगांव के आसपास फैले चीड़ के जंगल, हरी-भरी पहाड़ी ढलानें और दूर तक दिखाई देने वाली घाटियां यहां की खूबसूरती बढ़ा देती हैं. शहर की भीड़ से दूर यहां का शांत वातावरण पर्यटकों को कुछ समय प्रकृति के बीच बिताने का मौका देता है. अगर आप सुकून के साथ पहाड़ों को महसूस करना चाहते हैं तो यहां की हरियाली और शांत माहौल आपको पसंद आ सकता है. साफ मौसम में हिमालय की चोटियों का दृश्य इस सफर को और यादगार बना देता है.

बर्ड वॉचिंग के लिए भी अच्छी जगह

जौलकांडे-बोरगांव सिर्फ पहाड़ों और हरियाली के लिए ही नहीं, बल्कि बर्ड वॉचिंग के लिए भी अच्छा स्थान बन सकता है. वरिष्ठ पर्वतारोही हरीश जोशी के मुताबिक, यहां जंगल और ग्रामीण वातावरण होने के कारण अलग-अलग प्रजातियों के पक्षियों को उनके प्राकृतिक माहौल में देखने का मौका मिल सकता है।

बागेश्वर के दूसरे पहाड़ी इलाकों में भी बर्ड वॉचिंग और प्राकृतिक वातावरण में पक्षियों व वन्यजीवों को देखने जैसी गतिविधियों को पर्यटन से जोड़ने की संभावनाएं हैं. ऐसे में जौलकांडे-बोरगांव में भी इसे बढ़ावा दिया जा सकता है।

बच्चे को हर गलती पर डांटने के बजाय ये बातें कहें, बात भी समझेगा और डर भी नहीं लगेगा

बच्चों को हर गलतियों पर डांटने से उनका मानसिक विकास रुक सकता है. ऐसे में उनसे कुछ ऐसी बातें करें, जिससे वो अपनी गलतियों को समझें और उसे सही करने की कोशिश करें. आइए जानते हैं ऐसी 4 बातें जिससे आपका बच्चा समझदार होगा...

बच्चों का गलतियां करना उनके सीखने और बड़े होने की प्रक्रिया का हिस्सा है. कभी वे जल्दबाजी में कोई चीज तोड़ देते हैं, कभी होमवर्क भूल जाते हैं और कई बार गुस्से में ऐसा व्यवहार कर बैठते हैं जो माता-पिता को पसंद नहीं आता. ऐसे समय में तुरंत डांटने या चिल्लाने के बजाय अगर बच्चे से शांत होकर बात की जाए तो वह अपनी गलती को बेहतर तरीके से समझ सकता है. इससे बच्चे और माता-पिता के बीच भरोसा भी बना रहता है.

तुमसे गलती हुई है, अब इसे कैसे ठीक कर सकते हैं?

गलती होने के बाद सिर्फ यह कहना कि 'तुमने ऐसा क्यों किया?' बच्चे को रक्षात्मक बना सकता है. इसके बजाय उससे पूछें कि अब इस गलती को किस तरह सुधारा जा सकता है. उदाहरण के लिए अगर बच्चे ने कोई सामान गिराकर तोड़ दिया है तो उसे डांटने के बजाय सफाई करने या चीज को ठीक करने की कोशिश में शामिल करें. इससे उसे समझ आएगा कि गलती के बाद जिम्मेदारी लेना भी जरूरी है.

मुझे बताओ, ऐसा क्यों हुआ?

बच्चे के व्यवहार के पीछे कोई वजह हो सकती है. हो सकता है वह थका हुआ हो, किसी बात से परेशान हो या उसे किसी स्थिति को संभालना न आया हो. इसलिए तुरंत निष्कर्ष निकालने के बजाय उसकी बात सुनें. जब बच्चे को लगता है कि माता-पिता उसकी बात समझना चाहते हैं, तो वह अपनी परेशानी खुलकर बताने की कोशिश करता है।

साधारण पाव से बनाएं धांसू कच्छी दाबेली, रणवीर बराड़ के तरीके से ऐसे तैयार करें परफेक्ट स्टफिंग, स्वाद भूल नहीं पाएंगे

बारिश में स्ट्रीट फूड खाने का मन हो तो रणवीर बराड़ की कच्छी दाबेली घर पर ट्राई करें. मसालेदार आलू, लहसुन-इमली की चटनी, सेव और अनार के दाने मिलकर इसे स्वादिष्ट और कुरकुरा बनाते हैं.

बारिश की शाम हो और कुछ चटपटा, मसालेदार खाने का मन न करे, ऐसा कम ही होता है. सड़क किनारे मिलने वाली दाबेली की खुशबू और उसमें भरा मसालेदार आलू, मीठी-खट्टी चटनी, सेव और अनार के दाने किसी को भी अपनी ओर खींच लेते हैं. लेकिन मानसून में बाहर निकलकर स्ट्रीट फूड खाना हर किसी को पसंद नहीं आता. ऐसे में क्यों न इसी स्वाद को घर की रसोई में तैयार किया जाए? सेलिब्रिटी शेफ रणवीर बराड़ की कच्छी दाबेली रेसिपी इसी काम में मदद कर सकती है.

इसमें मसालों का ऐसा मेल है, जो साधारण आलू और पाव को भी शानदार स्नैक में बदल देता है. खास बात यह है कि इसे घर पर बनाना मुश्किल नहीं है, बस मसालों का संतुलन सही रखना जरूरी है.

कच्छी दाबेली क्यों है इतनी खास?

कच्छी दाबेली गुजरात के कच्छ इलाके से निकला लोकप्रिय स्ट्रीट फूड है. समय के साथ इसका स्वाद गुजरात से निकलकर मुंबई समेत देश के कई हिस्सों तक पहुंच गया. दाबेली की खासियत सिर्फ मसालेदार आलू की स्टफिंग नहीं है. इसमें मीठी इमली की चटनी, तीखी लहसुन की चटनी, मसाला मूंगफली, सेव, प्याज और अनार के दाने मिलकर हर बाइट को अलग स्वाद देते हैं. रणवीर बराड़ की रेसिपी में भी यही खास मेल देखने को मिलता है. घर पर इसे बनाते समय सबसे ज्यादा ध्यान दाबेली मसाले पर देना चाहिए, क्योंकि यही पूरे स्नैक के स्वाद की नींव तैयार करता है.

इसके लिए आधा कप धनिया, दो बड़े चम्मच जीरा, एक बड़ा चम्मच सौंफ, चार काली इलायची, दो चक्र फूल, दो-तीन लौंग, 10-15 काली मिर्च, एक बड़ा चम्मच सफेद तिल, दो इंच दालचीनी, दो-तीन तेजपत्ते और सूखी कश्मीरी लाल मिर्च लें. इसमें काला नमक, देगी लाल मिर्च, हींग और करीब एक-तिहाई कप कद्दूकस किया हुआ सूखा नारियल भी मिलाया जाता है. सभी साबुत मसालों को धीमी आंच पर सूखा भूनें. खुशबू आने लगे तो गैस बंद कर दें. उसी पैन में नारियल को हल्का भूनें. ठंडा होने के बाद मसालों और नारियल को पीसकर बारीक पाउडर बना लें. इसमें मूंगफली का तेल और थोड़ी चीनी मिलाकर रख दें.

लहसुन की चटनी का स्वाद होगा गेमचेंजर

लाल लहसुन की चटनी के लिए भिगोई हुई कश्मीरी लाल मिर्च, लहसुन की कलियां, नमक, थोड़ी चीनी, देगी लाल मिर्च, मूंगफली का तेल और मूंगफली लें. जरूरत के अनुसार पानी डालकर इसे पीस लें. चटनी बहुत ज्यादा पतली न रखें, ताकि पाव में लगाने पर स्वाद अच्छी तरह बना रहे.

आलू की स्टफिंग ऐसे बनेगी

तीन उबले आलू कद्दूकस कर लें. पैन में मूंगफली का तेल गर्म करके तैयार दाबेली मसाला डालें. इसके बाद आलू और थोड़ा पानी डालकर मध्यम आंच पर अच्छी तरह मिलाएं. कुछ देर पकाने के बाद मसालेदार आलू की खुशबू आने लगेगी. मिश्रण को प्लेट में निकालकर सामान्य तापमान पर ठंडा होने दें. अब इसमें मसाला मूंगफली, कटा हुआ प्याज, हरी मिर्च, धनिया और नींबू का रस मिलाएं. ऊपर से सेव और अनार के दाने डालने से दाबेली में कुरकुरापन और हल्की मिठास दोनों आ जाती हैं.

पाव में भरें और मक्खन में सेंकें

अब पाव को बीच से काटें, लेकिन पूरी तरह अलग न करें. एक तरफ इमली की मीठी चटनी और दूसरी तरफ लाल लहसुन की चटनी लगाएं. बीच में तैयार आलू की स्टफिंग भरें और किनारों पर सेव लपेट दें. पैन में थोड़ा मक्खन गर्म करें और दाबेली को दोनों तरफ से हल्का सुनहरा होने तक सेंकें।

पेरिस में देश के पहले हिंदू मंदिर की भव्य प्रतिष्ठा, योगीजी ने 1970 में लिए संकल्प को किया पूरा, देखें मंदिर की खास तस्वीरें

पेरिस में देश के पहले हिंदू मंदिर की भव्य प्रतिष्ठा संपन्न हुई. योगीजी ने 1970 में लिए संकल्प को पूरा कर एक ऐतिहासिक क्षण रचा. यह मंदिर भारतीय संस्कृति और आस्था का प्रतीक बनेगा. इस अवसर पर विशेष पूजा-अर्चना की गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया. मंदिर की मनमोहक तस्वीरें देखें, जो इसकी भव्यता और कलात्मकता को दर्शाती हैं.

फ्रांस की राजधानी पेरिस में रविवार को देश के पहले पारंपरिक हिंदू मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव संपन्न हुआ. इसके साथ ही यह मंदिर अब सभी दर्शनार्थियों और श्रद्धालुओं के लिए खुल गया है. इस अवसर पर यूरोप, आस्ट्रेलिया, अमेरिका, अफ्रीका और एशिया से पधारे संतों-भक्तों के साथ ही विश्व के अनेक गणमान्य अतिथियों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही. आज प्रात: वैदिक मंत्रोच्चार के साथ BAPS अक्षरधाम संस्थान के वर्तमान गुरु परम पूज्य महंतस्वामी महाराज के करकमलों द्वारा प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव विधि संपन्न हुई. इस मंदिर का निर्माण प्राचीन भारतीय वास्तुकला और वैदिक शिल्पशास्त्र के आधार पर किया गया है, जिसमें फ्रांसीसी आधुनिक तकनीक का भी सुंदर सम्मिश्रण देखने को मिलता है. बता दें कि 13 दिनों तक चलने वाले इस मंदिर महोत्सव में सम्मिलित होने के लिए भारत, अमेरिका, कनाडा, अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, और इंग्लैंड समेत 40 से भी अधिक देशों से लोग पधारे हैं।

फूफाजी सिंड्रोम : क्यों शादियों में फूफाजी का मुंह फुलाना जन्मसिद्ध अधिकार!

जब से देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय शादियों का जिक्र करते हुए 'नाराज फूफा' वाली उपमा दी है, तब से मानो सोशल मीडिया पर मीम्स और चुटकुलों की सुनामी आ गई है. पीएम ने राजनीतिक विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा था कि कुछ लोग बिल्कुल उस 'नाराज फूफा' की तरह होते हैं, जो चाहे खाना कितना भी शानदार क्यों न हो, हर बात पर मुंह फुलाकर बैठ जाते हैं और कमियां ही ढूंढते हैं. इस बयान ने राजनीति से ज्यादा हमारे अपने घरों के ड्राइंग रूम और शादी के पंडालों में एक गंभीर (पर बेहद मजेदार) बहस छेड़ दी है- आखिर इन फूफाजी का चक्कर क्या है? और क्या मुंह फुलाना इनका जन्मसिद्ध अधिकार है?

फूफाजी सिंड्रोम: इतिहास और गली-मोहल्लों के किस्से गवाह हैं!

अगर आप भारतीय शादियों के इतिहास और देसी मोहल्लों के अनगिनत किस्सों पर नजर डालें, तो 'फूफाजी' सिर्फ एक रिश्ता नहीं, बल्कि एक चलता-फिरता 'इंसपेक्शन और क्वालिटी कंट्रोल डिपार्टमेंट' हुआ करते थे.

पुराने दौर की शादियां याद कीजिए, जब पूरे मोहल्ले में एक ही पंडाल लगता था. हमारे एक परिचित के यहाँ शादी थी, जहाँ बारात पहुंचने से पहले ही फूफाजी ने यह ऐलान कर दिया कि उनके स्वागत में जो माला पहनाई गई है, उसमें गेंदे के फूलों के साथ गुलाब के फूल कम थे. बस फिर क्या था! बारात दरवाजे पर खड़ी रही और दूल्हे के पिता को आनन-फानन में बाजार से गुलाब के फूल मंगवाकर दोबारा माला बनवानी पड़ी.

एक और मशहूर किस्सा उत्तर प्रदेश के एक गांव का है, जहां फूफाजी को खाने में रसगुल्ला न मिलने पर वे सीधे गुस्से में बारात छोड़कर रात में ही अपनी बुलेट उठाकर वापस घर लौटने लगे. फिर क्या था, पूरी बारात में हड़कंप मच गया. दूल्हे को घोड़ी से उतरकर फूफाजी के पैरों में पड़ना पड़ा और हलवाई की दुकान खुलवाकर स्पेशल रसगुल्ला पैक करवाकर देना पड़ा, तब जाकर उनका पारा ठंडा हुआ. इसे कहते थे असली और खौफनाक रुतबा!

आज के दौर में कहाँ गए वो नखरे?

लेकिन वक्त बदल चुका है! आज की मॉडर्न शादियों का जिम्मा इवेंट प्लानर्स और कैटरर्स के हाथों में है. आजकल के युवा फूफाजी भी स्मार्ट हो गए हैं, या यूं कहें कि अब उन्हें मनाने के लिए किसी को घंटाभर मशक्कत नहीं करनी पड़ती. आज अगर फूफाजी ने मुंह फुलाया भी, तो परिवार के लोग उन्हें मनाने के बजाय मुस्कुराते हुए कह देते हैं, 'फूफाजी, पनीर उधर काउंटर पर रखा है, खुद जाकर ले लीजिए!'

अब न्यूक्लियर फैमिली और प्रैग्मैटिक सोच के इस दौर में, उस पुराने रुतबे वाले 'नाराज फूफा' का स्पेस थोड़ा कम जरूर हुआ है, लेकिन उनका क्रेज कम नहीं हुआ है. आज वे शादियों के व्हाट्सएप ग्रुप्स के मीम मटेरियल बन चुके हैं.

तो कुल मिलाकर बात यह है कि रिश्ते कितने भी बदल जाएं, इवेंट मैनेजमेंट कितना भी हाई-टेक हो जाए, लेकिन एक 'नाराज फूफा' का होना भारतीय संस्कृति का वह तीखा मसाला है, जिसके बिना हर किस्सा फीका लगता है।

अमिताभ से जुड़ा पुराना किस्सा अक्षय ने किया शेयर

मुंबई। अभिनेता अक्षय कुमार ने मेगास्टार अमिताभ बच्चन के साथ कई फिल्मों में साथ काम किया है। अभिनेता ने मेगास्टार अमिताभ बच्चन से जुड़ा पुराना किस्सा शेयर करते हुए बताया कि अक्षय कुमार के घर में काम करने वाले ने मेगास्टार के कुर्ते पर पानी के चार गिलास गिरा दिए थे।

दरअसल, अक्षय कुमार क्विज रियलिटी शो 'कौन बनेगा करोड़पति-20' में अपनी फिल्म 'हैवान' के को-स्टार सैफ अली खान के साथ आए थे। इस दौरान उन्होंने किस्सा शेयर करते हुए बताया कि यह घटना तब हुई थी जब अमिताभ बच्चन एक बार अक्षय के मुंबई के लोखंडवाला स्थित घर पर आए थे।

इस घटना को याद करते हुए अक्षय कुमार ने बताया, "सर, आपको याद है जब आप मेरे लोखंडवाला वाले घर में आए थे, तो हाउसहैल्पर को आपको पानी देना था। तो पानी देने के लिए तीन-चार गिलास रखें थे। मुझे अच्छी तरह से याद है, सर ने कुर्ता पहना था और वो लड़का इलाहाबाद का था। वो आपको देखकर, हैरान हो गया था और उसे विश्वास ही नहीं हो रहा था कि वो आपको एक गिलास पानी दे रहा है, तो वो चार गिलास पानी लेकर आया और वो चारों के चारों गिलास उसने इनके कुर्ते पर गिरा दिए, क्योंकि वो देख ही नहीं पा रहा था।"

> "सर जाहिर तौर पर बहुत लंबे हैं, तो मुझे अपना कुर्ता देना पड़ा ताकि यह उनके शर्ट के हिसाब से आ सकें। तो मुझे अच्छी तरह याद है। उस लड़के का नाम याद नहीं आ रहा है।"
> — अक्षय कुमार

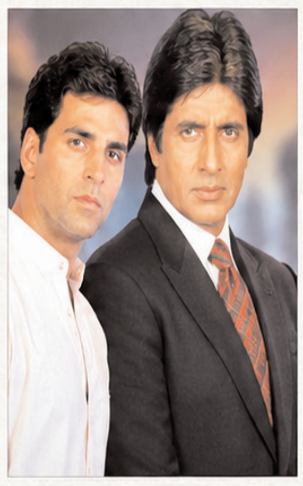

इस किस्से ने अमिताभ बच्चन, सैफ और फिल्ममेकर प्रियदर्शन, जो ऑडियंस में मौजूद थे, को हंसा-हंसाकर लोटपोट कर दिया।

अक्षय ने यह भी याद किया कि कैसे अमिताभ बच्चन की हाइट की वजह से उन्हें एक्सीडेंट के बाद अपना कुर्ता उधार देना पड़ा था।

अक्षय ने कहा, "सर जाहिर तौर पर बहुत लंबे हैं, तो मुझे अपना कुर्ता देना पड़ा ताकि यह उनके शर्ट के हिसाब से आ सकें। तो मुझे अच्छी तरह याद है। उस लड़के का नाम याद नहीं आ रहा है।"

फिल्म से जुड़ा कनेक्शन

अक्षय कुमार और अमिताभ बच्चन की बात करें तो, दोनों ने फिल्म 'वक्त' में स्क्रीन स्पेस शेयर किया है जिसमें बोमन ईरानी, शेफाली शाह, प्रियंका चोपड़ा और राजपाल यादव भी थे। उन्होंने फिल्म में पिता और बेटे की भूमिका निभाई थी।

जिंदगी से जुड़े विवादों की इतनी आदी हो चुकी हूं कि फर्क ही नहीं पड़ता : आम्रपाली दुबे

विश्व केसरी ■

मुंबई। भोजपुरी सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री आम्रपाली दुबे 'बिग बॉस 20' में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री का मानना है कि रियलिटी शो उनके स्टारडम को बढ़ाने से ज्यादा उनके द्वारा निभाए गए किरदारों के पीछे छिपे असली इंसान को दिखाने का मौका देगा।

दरअसल, अभिनेत्री ने शो के अंदर जाने से पहले आईएएनएस के साथ बातचीत की। इसमें उन्होंने कहा कि उन्होंने जीवन में एक ही बार विवादों का सामना किया है। अगर शो के कंटेस्टेंट इस पर कोई टिप्पणी करते हैं, तो उन्हें इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा।

उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि बिग बॉस मुझे अपने दर्शकों को अपना असली रूप दिखाने का मौका देगा, जो उन्होंने पहले कभी नहीं देखा। मैंने हमेशा कुछ ऐसे रोल और किरदार निभाए हैं, जो लिखे हुए होते थे। इस बार सब कुछ असली होगा और यही वजह है कि 'बिग बॉस' है।'

उन्होंने कहा, 'मैं अपने अनुभव से बोल रही हूं कि जब आप भोजपुरी एक्टर होते हैं, तो आप सिर्फ नेशनल लेवल पर ही नहीं, बल्कि ग्लोबल लेवल पर भी जाने जाते हैं। भोजपुरी एक ऐसी भाषा है, जो दुनियाभर के कई हिस्सों फिजी, मॉरीशस और भी कई जगहों पर बोली जाती है। अमेरिका, इंग्लैंड, लगभग हर उस जगह पर भोजपुरी बोलने और समझने वाले लोग रहते है।'

आम्रपाली दुबे ने भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री की तारीफ करते हुए कहा कि हमारी फिल्मों और गानों को हर जगह सुना और देखा जाता है। उन्होंने कहा, 'हमारी इंडस्ट्री की खासियत यह है कि हम जो भी फिल्में और गाने बनाते हैं, उन्हें हर जगह देखा और सुना जाता है। तो मैं बस उन फैंन्स को अपना असली साइड दिखाना चाहती हूं।

अभिनेत्री ने आईएएनएस ने सवाल किया, 'आपको किस बात का ज्यादा डर है, विवाद, इमोशनल कंट्रोल खोने का, या यह जानने का कि बाहर की उनकी पॉपुलैरिटी वोट्स में नहीं बदल रही है?' उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि वोट और ये सब कुछ दूसरों पर निर्भर करता है। ये ऐसी चीज नहीं है जिसे मैं कंट्रोल कर सकती हूं।'

उन्होंने कहा, 'इमोशनली स्थिर रहना ऐसी चीज है जो मेरे हाथ में है, मेरे कंट्रोल में है, और अगर मैं ऐसा नहीं कर पाती हूं और अगर मैं कमजोर पड़ जाती हूं, तो ये मेरे लिए ज्यादा परेशान करने वाली बात होगी। विवादों के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, 'मेरी पूरी जिंदगी में सिर्फ एक ही विवाद हुआ है और अब मैं इसकी इतनी आदी हो चुकी हूं कि मुझे फर्क नहीं पड़ता कि लोग मेरे बारे में क्या बात करते हैं।

'अब डर को पीछे छोड़ने का समय है', बादशाह से अलग होने के बाद ईशा रिखी ने बताई 'बिग बॉस 20' में आने की वजह

मुंबई। मशहूर रैपर बादशाह से अलग होने के बाद अभिनेत्री ईशा रिखी की जिंदगी में एक बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। निजी जिंदगी को हमेशा लोगों की नजरों से दूर रखने वाली ईशा अब 'बिग बॉस 20' के घर में अपने बारे में खुलकर बात कर रही हैं। अब वह अपने अतीत को बार-बार याद करने के बजाय खुद पर ध्यान देना चाहती हैं। यही वजह है कि उन्होंने उस शो का हिस्सा बनने का फैसला किया।

मीडिया से बातचीत में ईशा ने कहा, ''मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं 'बिग बॉस' का हिस्सा बनूंगी। मैं काफी निजी स्वभाव की रही हूं और मुझे लगा करता था कि शो का माहौल और तरीका मेरी जिंदगी से बिल्कुल अलग है। जब मुझे शो का ऑफर मिला तो मैंने तुरंत हां नहीं की। मैंने काफी सोचा और अपनी उन झिझक पर भी विचार किया, जिसकी वजह से मैं इस शो से दूर रहना चाहती थीं। आखिरकार मैंने तय किया कि अब डर और हिचक को पीछे छोड़ने का समय है और फिर शो में जाने का फैसला किया। ईशा रिखी ने कहा, ''जिंदगी में कुछ बड़ा झेलने के बाद ही कई बार इंसान को अपनी असली ताकत का पता चलता है। मुझे भी अब लगता है कि मैं इस शो में खुद को संभाल सकती हूं और यहां टिक सकती हूं। मैंने जितना समय फिल्मी दुनिया में बिताया है, उसे देखते हुए मुझे हमेशा लगता था कि मैं 'बिग बॉस' जैसे शो के लिए सही नहीं हूं लेकिन धीरे-धीरे मुझे समझ आया कि अगर इंसान के भीतर आत्मविश्वास है तो जगह मायने नहीं रखती।

लोगों को नुकसान पहुंचाने के लिए मैनिपुलेट नहीं करता : मुनव्वर फारूकी

मुंबई। स्ट्रीमिंग रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स' में नजर आए कॉमेडियन मुनव्वर फारूकी ने कहा है कि वह लोगों को नुकसान पहुंचाने के लिए कभी उन्हें मैनिपुलेट नहीं करते हैं।

मुनव्वर ने करण सिंह, हरमन सिंघा और सौंदस मौफकिर के साथ आईएएनएस से बात की और बताया कि हालांकि वे जिंदगी में बहुत सोच-समझकर रणनीति बनाते हैं, लेकिन 'द ट्रेटर्स' के लिए उन्होंने कोई रणनीति नहीं बनाई। उन्होंने मीडिया से कहा, 'मैं अपनी निजी और प्रोफेशनल जिंदगी में बहुत सोच-समझकर रणनीति बनाता हूं, लेकिन जिन दो रियलिटी शो को मैंने जीता है, उनमें मैंने कभी रणनीति पर भरोसा नहीं किया। अगर शो में कोई टास्क होता है तो मैं उसे लेकर बहुत सोच-समझकर रणनीति बनाता हूं, लेकिन मैं अपने फायदे के लिए लोगों को मैनिपुलेट नहीं करता। मैं उन्हें इस तरह मैनिपुलेट करता हूं कि उसमें उनका भी फायदा हो।'

उन्होंने कहा, 'मैं एक एजेंट की तरह हूं। अगर मैं किसी को मैनिपुलेट कर रहा हूं, तो दूसरे व्यक्ति को भी 20 प्रतिशत फायदा होता है, न कि सिर्फ मुझे 100 प्रतिशत फायदा। मैं लोगों को चोट नहीं पहुंचाना चाहता। मेरा गेम बहुत सीधा था। अगर मैं ट्रेटर हूं तो मैं खुद को बचाऊंगा। अगर मैं ट्रेटर नहीं हूं तो मैं ट्रेटर की पहचान करूंगा।'

इस बीच, 'द ट्रेटर्स' में एंटरटेनमेंट, टेलीविजन, सोशल मीडिया, फ़ूड और अन्य क्षेत्रों से 21 कंटेस्टेंट शामिल थे, जिनमें मुनव्वर फ़ारूक़ी, मल्लिका शेरावत, श्वेता तिवारी, रिया चक्रवर्ती, अभिषेक मल्हान, शालिनी पासी और रणवीर बरार शामिल थे। यह शो भरोसे, धोखे और रणनीतिक गठजोड़ पर आधारित है; कंटेस्टेंट को एलिमिनेशन से खुद को बचाते हुए छिपे हुए ट्रेटर्स की पहचान करनी होती है।

माही विज ने बताया क्यों छोड़ा था 'सहर होने को है', बोलीं- 'बिग बॉस के लिए नहीं लिया था फैसला'

विश्व केसरी ■

मुंबई। टीवी की जानी-मानी एक्ट्रेस माही विज इन दिनों 'बिग बॉस 20' को लेकर चर्चा में हैं। सलमान खान के होस्ट किए जाने वाले इस रियलिटी शो में माही की एंट्री ने उनके फैंस को काफी उत्साहित किया है। शो में आने के बाद जहां दर्शक उनके अलग-अलग अंदाज को देखने के लिए उत्सुक हैं, वहीं उनके पिछले शो 'सहर होने को है' से बाहर होने को लेकर भी कई तरह की बातें सामने आ रही थीं। ऐसी चर्चा थी कि माही ने 'बिग बॉस' का हिस्सा बनने के लिए अपना पिछला शो छोड़ा है।

अब एक्ट्रेस ने खुद इस बात पर चुप्पी तोड़ी है और बताया कि दोनों फैसलों का आपस में कोई लेना-देना नहीं है।

मीडिया से बातचीत में माही विज ने कहा, ''मैं 'सहर होने को है' को जनवरी में ही छोड़ने का फैसला ले चुकी थीं। हालांकि, शो छोड़ने की प्रक्रिया में काफी समय लग गया। मेरा बाहर निकलना अचानक लिया गया फैसला नहीं था। शो के क्रिएटिव्स भी मुझे इतनी जल्दी छोड़ने के लिए तैयार नहीं थे। इसलिए शो से अलग होने में मुझे समय लगा।''

माही ने कहा, ''सच कहूं तो मैं खुद भी उस समय शो छोड़ने के लिए पूरी तरह तैयार नहीं थीं। 'सहर होने को है' मेरे दिल के काफी करीब था। मैं इस शो से भावनात्मक रूप से जुड़ी हुई थीं और इसलिए इसे छोड़ना मेरे लिए आसान नहीं था। हालांकि, मैंने 'बिग बॉस' में एंट्री लेने के लिए अपना पिछला शो नहीं छोड़ा है। 'बिग बॉस' का ऑफर मुझे काफी बाद में मिला था। माही ने कहा, ''मैंने बहुत पहले ही शो छोड़ दिया था और 'बिग बॉस' का ऑफर मुझे बाद में आया। ऐसे में पुराने शो से बाहर होने और नए रियलिटी शो में आने के बीच सीधा संबंध जोड़ना सही नहीं है। मैं पहले ही अपना फैसला ले चुकी थीं और 'बिग बॉस' का फैसला बाद में आया।''

'बिग बॉस 20' का हिस्सा बनने को लेकर भी माही काफी उत्साहित नजर आईं। उन्होंने कहा, ''जिंदगी में समय-समय पर कुछ नया आजमाते रहना चाहिए। 'बिग बॉस' शो को देखना मुझे काफी पसंद हैं, लेकिन खुद इसमें आने को लेकर पहले कभी इतनी सीरियस नहीं थीं। इस बार मुझे खुद समझ नहीं आया कि आखिर ऐसा क्या हुआ कि मैंने शो का हिस्सा बनने के लिए हां कह दी।

माही ने कहा, ''हर काम का एक सही समय होता है और शायद मेरे लिए 'बिग बॉस' करने का समय अब आया है। यही वजह है कि इस बार मैंने इस मौके को स्वीकार कर लिया। अब मैं यह देखने के लिए भी उत्साहित हूं कि घर के अंदर मेरा सफर किस तरह आगे बढ़ता है।

बिग बॉस-20 में आए कुशाल तंवर गुल्लू बोले-रियलिटी शो अब घर जैसा लगता है, एक्टिंग का है इंतजार

विश्व केसरी ■

मुंबई। सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर कुशाल तंवर (गुल्लू) 'बिग बॉस-20' के घर एंट्री ले ली है। उन्होंने आईएएनएस के साथ हालिया बातचीत में बताया कि वे सिर्फ रियलिटी सीरीज कंटेस्टेंट के टैग तक ही सीमित नहीं रहना चाहते।

दरअसल, 'बिग बॉस-20' जाने से पहले कुशाल तंवर (गुल्लू) रियलिटी शो 'रोडीज', 'स्प्लिट्सविला' से लेकर 'मां है ना' में शामिल होने के साथ-साथ विजेता भी रह चुके हैं।

कुशाल तंवर (गुल्लू) ने बताया कि वे भविष्य में एक्टिंग करेंगे, बस सही मौके का इंतजार कर रहे हैं। गुल्लू ने कहा, 'टीवी रियलिटी शो मुझे अब तो कुछ भी नहीं लगता है। हालांकि, शुरू-शुरू में जब नए शोज में जाता था, तो लगता था लेकिन अब ऐसा लगता है कि जैसे मैं छुट्टी पर घर आया हूं और तीन महीने बस चिल कर रहा हूं। मैं दिखाता हूं कि बाहर मेरी जिंदगी कैसी है। बिना किसी फिल्टर के, बिना झूठ के, बिना दिखावे के। मैं बस यहीं रहना चाहता हूं।'

कुशाल तंवर (गुल्लू) ने बताया कि वे एक्टिंग में तभी जाएंगे, जब वे इसके लिए तैयार हों। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि इस क्षेत्र में तभी हाथ आजमाना चाहिए, जब इसमें अच्छा हूं। अगर मैं कुछ करता हूं और उसमें अच्छा नहीं हूं, तो मुझे एक्टिंग शुरू करनी होगी। मैं एक बुरी चीज की वजह से अपना करियर बर्बाद नहीं कर सकता। मुझे बस सब्र रखना होगा। मैं किसी अच्छी चीज का इंतजार कर रहा हूं। जब मुझे लगेगा कि मैं तैयार हूं, तब मैं एक्टिंग के बारे में सोचूंगा।'

गुल्लु ने कहा कि रियलिटी शो तुरंत पहचान दिलाते हैं जबकि एक्टिंग के लिए आपको लगातार अपना टैलेंट साबित करना होता है। उन्होंने कहा, 'मैं यह नहीं कहूंगा कि रियलिटी शो से पहले मेरी लाइफ अच्छी चल रही थी। मेरे पास फेम नहीं था, मैं मजे कर रहा था और अगर ये सब खत्म हो गया, तो कुछ और कर लूंगा। इस दुनिया में करने के लिए बहुत कुछ है, मैं अपना खुद का ब्रांड बना लूंगा। गुल्लू एक ब्रांड है।'

गुल्लू ने कहा कि वह लंबे समय से अपने करियर की प्लानिंग कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मैं जो चाहता हूं उसे पाने की प्लानिंग करता हूं और फिर देखता हूं कि आगे क्या करना है लेकिन बिग बॉस के साथ ऐसा नहीं है।

'ऑपरेशन गंगा' से पहले जॉर्जिया घूमे अर्जुन रामपाल, फिल्म की स्क्रिप्ट के मुरीद हुए

विश्व केसरी ■

मुंबई। अभिनेता अर्जुन रामपाल एक्शन-ड्रामा फिल्म 'ऑपरेशन गंगा' में अहम भूमिका निभाते नजर आएंगे। अभिनेता ने बताया कि वे फिल्म की शूटिंग को लेकर बहुत उत्साहित हैं।

अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर जॉर्जिया में लंबी वॉक का एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्हें शूटिंग के लिए अपने उत्साह के बारे में बात करते हुए सुना जा सकता है। अभिनेता ने बताया कि 'ऑपरेशन गंगा' पर काम शुरू करने से एक दिन पहले वह जॉर्जिया में हैं और फिल्म की स्क्रिप्ट को 'काफी क्रेजी' बताया।

अपनी उत्सुकता को जाहिर करते हुए अभिनेता ने कहा, ''ऑपरेशन गंगा' की शूटिंग शुरू करने से एक दिन पहले मैं जॉर्जिया में हूं, फिल्म की स्क्रिप्ट काफी मजेदार है। मैं इसे शुरू करने के लिए बहुत उत्सुक हूं, लेकिन इस बीच मुझे ये दिन बहुत पसंद है। यहां बाहर बहुत खूबसूरत दिन है। क्या आकर्षक, सुंदर, ऐतिहासिक, साफ-सुथरा और समृद्ध शहर है ये। तो मैंने सोचा, इसे आप लोगों के साथ शेयर करूं।'

अभिनेता ने वीडियो पोस्ट कर लिखा, 'त्बिलिसी में लंबी सैर की। अपने सभी चाहने वालों को बहुत मिस किया, तो ये लंबा वीडियो बनता है। प्यारा, छोटा सा शहर। एन्जॉय कीजिए। कल से मैं 'ऑपरेशन गंगा' की शूटिंग शुरू कर रहा हूं, और भी बातें बाद में।'

इस फिल्म को नेशनल अवॉर्ड जीतने वाले फिल्ममेकर विष्णु मोहन ने डायरेक्ट किया है, जो ब्लॉकबस्टर 'मेप्पाडियन' को डायरेक्ट करने के लिए जाने जाते हैं।

'ऑपरेशन गंगा' एक हाई-ऑक्टेन सरवाइवल थ्रिलर ड्रामा होगी, जिसमें मलयालम सुपरस्टार मोहनलाल के अलावा बॉलीवुड एक्टर अर्जुन रामपाल, एक्ट्रेस भाग्यश्री बोरसे और एक्टर पार्थिबन और आदिल हुसैन भी होंगे।

फिल्म की शूटिंग इस समय जॉर्जिया में चल रही है और यह मोहनलाल के करियर की सबसे महत्वाकांक्षी फिल्मों में से एक मानी जा रही है।

फिल्म का निर्माण 'श्री गोकुलम मूवीज' के बैनर तले किया जा रहा है।

'आपकी लीडरशिप जो कहती है वो करती है', लक्जमबर्ग के विदेश मंत्री बेटेल ने की भारत की तारीफ

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। लक्जमबर्ग के उप-प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री जेवियर बेटेल ने भारत के साथ 'भरोसेमंद और ईमानदार' संबंध बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया। साथ ही, उन्होंने भारत के शीर्ष नेतृत्व की तारीफ करते हुए कहा कि आप अपने वादों को पूरा करने में विश्वास रखते हैं जो प्रशंसा के काबिल है।

नई दिल्ली में विदेश मंत्री (ईएएम) एस. जयशंकर के साथ सोमवार को एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, बेटेल ने अपने 13 वर्षों के कार्यकाल पर बात की और भारत-लक्जमबर्ग की ओर से द्विपक्षीय संबंधों को प्रगाढ़ बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों को सराहा।

उन्होंने कहा, 'और जैसा कि आपने अभी कहा, आप अपने पड़ोसियों को नहीं चुन सकते, लेकिन आप अपने दोस्तों को चुन सकते हैं...और इसलिए यहां आना भी इसी दोस्ती का हिस्सा है। मुझे सरकार में काम करते 13 साल हो गए हैं और मुझे लगता है कि हमारी सरकार ने दोनों देशों के बीच संबंधों को गहरा करने के लिए बहुत कुछ किया है।' बेटेल ने लक्जमबर्ग के प्रधानमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी के साथ हुई मुलाकात को भी याद किया।

उन्होंने कहा, 'मैं बहुत भाग्यशाली था कि बतौर पीएम मेरे आपके प्रधानमंत्री के साथ अच्छे संबंध थे... आजकल लोकतांत्रिक देश होना कोई आम बात नहीं है, और इसके लिए मैं वास्तव में भारतीय लीडरशिप को धन्यवाद देना चाहता हूं। उन्होंने राजनीतिक वादों को पूरा करने में पीएम मोदी की कार्यक्षमता की भी तारीफ की और कोविड महामारी के दौरान लक्जमबर्ग के साथ संयुक्त परियोजनाओं पर भारत के साथ को याद किया।

लक्जमबर्ग के विदेश मंत्री ने कहा, 'आप और प्रधानमंत्री मोदी के बारे में मुझे जो बात पसंद है, वह यह है कि जब आप कुछ कहते हैं, तो आप उसे करते भी हैं, और इस बात की बहुत तारीफ की जाती है... मैंने इसे कोविड के समय देखा था जब हमारे कुछ साझा प्रोजेक्ट थे। आपके प्रधानमंत्री ने कहा, 'हम इसे करने जा रहे हैं'। आमतौर पर, जब हम यूरोप में ऐसा कहते हैं, तो यह चर्चा की शुरुआत होती है कि हम उस वादे को कैसे पूरा कर सकते हैं। भारत में, यह शुरुआत थी लेकिन अंत भी था क्योंकि अगले ही दिन सब कुछ हो गया था। यही वजह है कि मैं आपके राजनीतिक बयानों की कार्यक्षमता से भी प्रभावित हुआ।'

उत्तर कोरिया-अमेरिका संवाद के लिए 'पेसमेकर' की भूमिका निभाएंगे दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति ली

विश्व केसरी■

पेरिस। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे-म्युंग ने एक बार फिर उत्तर कोरिया और अमेरिका के बीच रुकी हुई बातचीत को दोबारा शुरू कराने में अपने देश की सक्रिय भूमिका का संकल्प दोहराया है। उन्होंने कहा कि दक्षिण कोरिया इस प्रक्रिया में 'पेसमेकर' की भूमिका निभाएगा, ताकि दोनों पक्षों के बीच संवाद बहाल हो सके और उत्तर कोरिया के परमाणु कार्यक्रम के विस्तार को रोकने की दिशा में आगे बढ़ा जा सके।

योनहाप न्यूज एजेंसी ने बताया कि ली ने यह बात फ्रांसीसी समाचार पत्र ले मोंद को दिए एक लिखित साक्षात्कार में कही। यह साक्षात्कार रविवार को प्रकाशित हुआ, जब ली चार दिवसीय फ्रांस यात्रा के पहले पड़ाव के तौर पर नाइस पहुंचे। यात्रा के दौरान उनकी फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ पेरिस में शिखर बैठक भी प्रस्तावित है।

ली ने कहा कि वह उत्तर कोरिया-अमेरिका वार्ता को फिर से गति देने वाले 'पेसमेकर' की भूमिका निभाना चाहते हैं। उनका मानना है कि संवाद की बहाली से प्योंगयांग के परमाणु हथियारों और क्षमताओं के लगातार विस्तार पर अंकुश लगाने का रास्ता खुल सकता है। ली ने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि कुछ उपायों से रातों-रात 'अविश्वास की दीवार' को गिराया जा सकता है। उन्होंने उत्तर कोरिया के प्रति अपनी सरकार की 'शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व' की नीति को पूरा करने के प्रयासों को दोहराया, जिसका मकसद दोनों कोरियाई देशों के बीच तनाव कम करना और शांति स्थापित करना है।

राष्ट्रपति ने दक्षिण कोरिया पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हालिया टिप्पणियों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि ये टिप्पणियां गठबंधन की स्थिरता को खतरे में डालने वाला हमला नहीं हैं, बल्कि बदलते समय की नई मांगों के अनुसार गठबंधन में बदलाव लाने की मंशा को दर्शाती हैं।

संक्षिप्त खबर

पाकिस्तान से परेशान बलूच परिवार पलायन को मजबूर

विश्व केसरी■

क्वेटा। पाकिस्तानी सेना की बेरहम कार्रवाई और सख्त जांच प्रक्रिया से परेशान बलूच अपने पुश्तैनी मकान छोड़ कर जाने को मजबूर हो रहे हैं। स्थानीय मीडिया ने सूत्रों के हवाले से मार्मिक तस्वीर पेश की है। उनके मुताबिक केच जिले के चुर और गेश्तार्दान इलाकों से कई परिवार पलायन कर रहे हैं, वहीं आस-पास की बस्तियों के लोग भी उन घरों को छोड़कर जा रहे हैं जहां उन्होंने बचपन गुजारा था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, केच जिले की जमुरान तहसील के चुर और गेश्तार्दान से विस्थापित हुए लोगों की सही संख्या का फिलहाल पता लगाना मुश्किल है। 'द बलूचिस्तान पोस्ट' से बात करते हुए एक स्थानीय निवासी ने उन वजहों का जिक्र किया जिसने आम बलूचों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। बताया कि हाल के महीनों में चेकपॉइंट्स की संख्या काफी बढ़ गई है, जिससे आना-जाना मुश्किल हो गया है। उन्होंने कहा, 'पहले हमें हर दो किलोमीटर पर रोका जाता था, लेकिन पिछले कुछ महीनों से हर किलोमीटर पर कड़ी जांच की जा रही है।' आरोप लगाया कि पाकिस्तानी सेना स्थानीयों के घरों में खाने-पीने के सामान का रिकॉर्ड रख रही है और अंधेरा होने के बाद लोगों को कहीं भी आने-जाने से रोक रही है।

रूस के उत्तरी काकेशस में हिमस्खलनः 11 की मौत, 6 लापता

विश्व केसरी■

मास्को। रूस के उत्तरी काकेशस में बर्फीले तूफान की चपेट में आए 11 लोगों की मौत हो गई है, वहीं छह लापता बताए जा रहे हैं। खराब मौसम की वजह से रेस्क्यू ऑपरेशन में दिक्कतें आ रही हैं। स्थानीय इमरजेंसी सर्विस के हवाले से सोमवार को सिंहुआ न्यूज एजेंसी ने बताया कि रूस के नॉर्थ काकेशस इलाके में काबारडिनो-बाल्कारिया क्षेत्र में पर्वतारोहियों के समूह में शामिल 11 लोग बर्फीले तूफान का शिकार हुए। वहीं छह लोग घायल हुए तो छह लापता बताए जा रहे हैं। रविवार को स्थानीय समयानुसार शाम करीब 5 बजे, यह हादसा बेजेंगी गॉर्ज में हुआ, जहां 5,025 मीटर ऊंचे माउंट मिजिरगी से बर्फीला तूफान (एवलांच) नीचे की ओर बढ़ा और 33 पर्वतारोहियों के एक दल को अपनी चपेट में ले लिया। टीएएसएस न्यूज एजेंसी के अनुसार, बचाव दल और एक एमआई-8 हेलीकॉप्टर को घटनास्थल पर भेजा गया और तीन बचे हुए लोगों को सुरक्षित निकालकर नालचिक पहुंचाया गया। इमरजेंसी सर्विस ने बताया कि सोमवार सुबह 9 बजे तक, 10 पर्वतारोही खुद पहाड़ से नीचे उतर आए थे, जबकि छह अन्य लोगों के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। उन्होंने बताया कि खोज और बचाव अभियान में 50 से ज्यादा इमरजेंसी वर्कर शामिल थे, लेकिन मुश्किल इलाके और दोबारा हिमस्खलन के जोखिम के कारण कोशिशों में रुकावट आ रही थी। इस साल पर्वतारोहियों के बड़ी संख्या में मारे जाने की ये दूसरी घटना है। हादसा पाकिस्तान के काराकोरम पर्वतमाला (गिलगित-बाल्टिस्तान) स्थित ब्रॉड पीक पर कैंप 2 और कैंप 3 के बीच हुआ था।

जापान में भारी बारिश के चलते भूस्खलन का संकट, टोक्यो के ओशिमा नगर में 'लेवल-5' चेतावनी जारी

विश्व केसरी■

टोक्यो। जापान की प्रधानमंत्री सनाए तकाएची ने बताया कि टोक्यो के ओशिमा नगर 'लेवल-5 भूस्खलन आपदा विशेष चेतावनी' जारी की गई है। इन क्षेत्रों में काफी बार?श के बाद भूस्खलन की संभावना बनी हुई है। इससे पहले टोक?यो के ही नीइजीमा गांव के लिए चेतावनी जारी की गई थी। पीएम ने लोगों से प्रशासन के निर्देशों का पालन करने और सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की है।

मौसम विभाग के अनुसार, पश्चिमी जापान से लेकर उत्तरी जापान तक प्रशांत महासागर की तरफ के बड़े हिस्से में एक 'फ्रंट' और एक 'ट्रॉपिकल डिप्रेशन' (जो पहले टाइफून था) के असर से भारी बारिश हो सकती है। लोगों से भूस्खलन, निचले इलाकों में जलभराव, नदियों के जलस्तर बढ़ने और संभावित बाढ़ को लेकर पूरी सतर्कता बरतने की अपील की गई है। प्रधानमंत्री तकाएची ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट पर खतरे की जानकारी साझा कर लोगों से सुरक्षि स्थानों पर जाने की अपील की।

उन्होंने पोस्ट में लिखा, ''टोक्यो के नीइजीमा गांव के अलावा अब टोक्यो के ओशिमा नगर के लिए भी 'लेवल-5 भूस्खलन आपदा विशेष चेतावनी' जारी की गई है। इन क्षेत्रों में अभूतपूर्व स्तर की भारी बारिश हो रही है। खासकर भूस्खलन जोखिम वाले इलाकों में यह संभावना बहुत अधिक है। पहले ही कई घटनाएं हो चुकी हैं। पीएम तकाएची ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि खतरे की संभावना बनी हुई है, ऐसे में स्थानीय प्रशासन के निर्देशों का पालन करें और तुरंत अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करें।

उन्होंने कहा कि यदि राहत शिविर तक जाना खतरनाक हो, तो जोखिम न उठाए अपनी जान बचाने को प्राथमिकता दें। चट्टानों, पहाड़ियों की ढलानों या नदी किनारों से दूर किसी अपेक्षाकृत सुरक्षित स्थान पर चले जाएं। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि आने वाले समय में अन्य नगरपालिकाओं के लिए भी 'लेवल-5' विशेष चेतावनी जारी की जा सकती है।

इंडोनेशिया के एक बाजार में लगी भीषण आग, 6 बच्चों समेत 11 की मौत

विश्व केसरी■

जकार्ता। इंडोनेशिया के सेंट्रल पापुआ प्रांत के पानियाई स्थित एक बाजार में सोमवार तड़के भीषण आग लग गई। इस हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई, जिनमें छह बच्चे भी शामिल थे।

ये आग तेजी से आस-पास की दुकानों और घरों में फैल गई। पुलिस ने बताया कि फायर फाइटर्स की ओर से फायर ट्रक और वॉटर कैनन के इस्तेमाल के बावजूद आग तीन घंटे तक धधकती रही।

सिंहुआ न्यूज एजेंसी के अनुसार, स्थानीय पुलिस प्रवक्ता हेनरी जे. मानुरुंग ने बताया कि अधिकारियों को घटनास्थल की जांच के दौरान पीड़ित मिले, जो सभी बुरी तरह जल गए थे। मरने वालों में पांच वयस्क थे, जबकि बाकी छह बच्चे थे जिनकी उम्र दो से नौ साल के बीच थी। अधिकारी आग लगने के कारण का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। इस आग की चपेट में इलाके के कुल 40 इमारतें आ गई थीं। बाजार और आस-पास की इमारतों के बहुत पास-पास बने होने के कारण फायर फाइटर्स के लिए आग पर काबू पाना मुश्किल हो गया। हेनरी ने कहा, 'आग की तेजी और घरों व स्टॉल्स के एक-दूसरे से बहुत सटे होने की वजह से आग बुझाने में काफी समय लगा।'

पुलिस आग लगने की वजहों को तलाशने में जुटी है। प्रत्यक्षदर्शियों के जरिए परिस्थितियों का पता लगा रही है जिसके कारण आधी रात के बाद इतना भयानक हादसा पेश आया। इंडोनेशिया पहले भी ऐसे हादसों का गवाह बना है। दिसंबर 2025 में ऐसी ही आग सेंट्रल जकार्ता के सात मंजिला ऑफिस बिल्डिंग में लगी थी। जिसमें 22 लोगों की मौत हो गई थी। पुलिस ने छानबीन करने के बाद बताया था कि ग्राउंड फ्लोर पर ड्रोन बैटरी फटने से आग लगी थी।

यूएन चीफ की तालिबान से अपील, 'संयुक्त राष्ट्र के लिए महिलाओं को करने दें काम, बैन वापस लें'

विश्व केसरी■

न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने तालिबान द्वारा अफगान महिलाओं और युवतियों पर लगातार थोपी जा रही भेदभावपूर्ण नीतियों पर गहरी फिक्र जाहिर की है। उन्होंने अफगान महिलाओं के संयुक्त राष्ट्र के लिए काम करने पर लगी रोक को तुरंत हटाने और देश भर में संयुक्त राष्ट्र के परिसरों तक उनकी सुरक्षित और बिना किसी रुकावट के पहुंच सुनिश्चित करने की अपनी मांग को फिर से दोहराया है।

गुटेरेस ने कहा कि सार्वजनिक जीवन, शिक्षा और रोजगार के विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की पूरी भागीदारी पर लगी रोक उनके मौलिक अधिकारों का हनन है। साथ ही, यह अफगानिस्तान के आर्थिक विकास, स्थिरता और अंतरराष्ट्रीय समुदाय में फिर से शामिल होने की राह में एक बड़ी बाधा बनी हुई है।

गुटेरेस का यह बयान ऐसे समय में आया है जब 7 सितंबर को अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र (यूएन) परिसरों में अफगान महिलाओं के प्रवेश पर रोक लगे हुए एक साल पूरा हो गया है। यूएन प्रमुख ने तालिबान से आग्रह किया कि वे यूएन के लिए काम करने वाली अफगान महिलाओं पर लगी रोक को तुरंत हटाएं और यूएन परिसरों तक उनकी सुरक्षित और बिना किसी रुकावट के पहुंच सुनिश्चित करें।

'ये प्रतिबंध अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ है। इसमें यूएन चार्टर भी शामिल है। ये संगठन की उस क्षमता को कमजोर करते हैं जिसके जरिए वह अपना काम पूरा करता है और अफगान लोगों तक जीवन बचाने वाली और अन्य सहायता पहुंचाता है, खासकर ऐसे समय में जब उनकी जरूरतें बहुत ज्यादा हैं।'

भारत और बांग्लादेश ने द्विपक्षीय सहयोग को और प्रगाढ़ करने के तरीकों पर चर्चा की

विश्व केसरी■

ढाका। बांग्लादेश में भारत के उच्चायुक्त दिनेश त्रिवेदी ने सोमवार को ढाका में प्रधानमंत्री तारिक रहमान के लोक प्रशासन मंत्रालय के सलाहकार इस्माइल जबीहुल्लाह से मुलाकात की। दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय संबंधों से जुड़े कई मुद्दों पर चर्चा की।

बैठक में भारत-बांग्लादेश संबंधों की नींव दोनों ओर के लोगों के आपसी संबंधों को बताया। साथ ही, दोनों पक्षों ने आपसी भरोसे और फायदे पर आधारित भविष्योन्मुखी साझेदारी के जरिए द्विपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाने पर चर्चा की।

ढाका में भारतीय उच्चायोग ने एक्स पोस्ट में कहा, 'चर्चा में लोगों के बीच आपसी जुड़ाव को द्विपक्षीय संबंधों की नींव है। बैठक में भारत-बांग्लादेश संबंधों से जुड़े कई विषयों पर चर्चा हुई और उम्मीद जताई गई कि दोनों संप्रभु देश आपसी भरोसे और फायदे के आधार पर भविष्योन्मुखी सोच के साथ मिलकर काम करना जारी रखेंगे।'

बाद में, उच्चायुक्त ने बांग्लादेश के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री अब्दुल अवल मिंटू से भी मुलाकात की।

ढाका में उच्चायोग ने एक्स पर लिखा, 'उन्होंने वन्यजीव संरक्षण और आवास सुरक्षा के क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग तंत्र की प्रगति पर चर्चा की। साथ ही, सीमा-पार प्रदूषण, कचरा प्रबंधन और आपसी हित के अन्य पर्यावरणीय मुद्दों पर सहयोग को और मजबूत करने के अवसरों पर भी बात की।'

पोस्ट में यह भी बताया गया कि बैठक के दौरान राज्य मंत्री शेख फरीदुल इस्लाम भी मौजूद थे। रविवार को त्रिवेदी ने बांग्लादेश के सांस्कृतिक मामलों के मंत्री निताई रॉय चौधरी के साथ दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक सहयोग को मजबूत करने पर बातचीत की।

दोनों पक्षों ने शास्त्रीय संगीत, लोक कला, विरासत संरक्षण, संस्थागत जुड़ाव, संयुक्त सांस्कृतिक कार्यक्रमों और सम्मेलनों के क्षेत्रों में संभावित सहयोग और आदान-प्रदान पर विचार किया।

दक्षिण अफ्रीका के उच्चायुक्त ने स्वदेश वापसी की खबरों को नकारा, बोले- ऐसी कोई बात नहीं

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के उच्चायुक्त अनिल सूकलाल ने उन अटकलों पर विराम लगाया जो उनकी स्वदेश वापसी को लेकर उठाई जा रही थी। उन्होंने स्पष्ट किया कि कुछ मसले थे जिन्हें आपस में सुलझा लिया गया है और वो भारत में अपना चार साल का कार्यकाल पूरा करेंगे।

मीडिया के सवाल का जवाब देते हुए सूकलाल ने कहा, ' मेरे कार्यकाल में कोई बदलाव नहीं हुआ है। राष्ट्रपति ने चार साल के लिए मुझे नियुक्त किया है और सितंबर के अंत में भारत में मेरे कार्यकाल के दो वर्ष पूरे होंगे। मेरा कार्यकाल 2028 के अंत तक है।'

उन्होंने ऐसी अटकलों को खारिज करते हुए कहा, ' कुछ मुद्दे और गलतफहमियां थीं, जिन्हें सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझा लिया गया है। राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा को मुझ पर पूरा भरोसा है मैं उनके भारत आगमन पर उनका स्वागत करने को उत्सुक हूं। '

18वें ब्रिक्स समिट में शामिल होने के लिए राष्ट्रपति शुक्रवार को नई दिल्ली पहुंचेंगे। इस सम्मेलन की अध्यक्षता भारत कर रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने पर पूछे गए सवाल के जवाब में सूकलाल ने उनकी नेतृत्व क्षमता की प्रशंसा की।

उन्होंने कहा, '2014 में प्रधानमंत्री मोदी के पद संभालने के बाद भारत की आर्थिक वृद्धि में तेजी आई है। प्रधानमंत्री मोदी वैश्विक दक्षिण के प्रमुख नेताओं में से एक बनकर उभरे हैं और भारत की जी20 अध्यक्षता उनके वैश्विक नेतृत्व का उदाहरण है। मुझे पूरी उम्मीद है कि इस साल का ब्रिक्स समिट का आयोजन भी वो सफलतापूर्वक करेंगे।

रूस और उत्तर कोरिया के बीच बना पहला 'रोड ब्रिज', दोस्ती की नई राह या रणनीतिक गलियारा?

विश्व केसरी■

मास्को। रूस और उत्तर कोरिया के रिश्तों को और प्रगाढ़ करने का काम एक रोड ब्रिज (सड़क पुल) ने किया है। मास्को-प्योंगयांग के रिश्ते इन दिनों सिर्फ कूटनीतिक मुलाकातों तक सीमित नहीं हैं बल्कि बढ़ती नजदीकी अब जमीन पर भी दिखाई देने लगी है। सोमवार को दोनों ने तुमेन नदी पर अपने पहले सड़क पुल का उद्घाटन किया। यह पुल रूस के सुदूर पूर्वी इलाके को उत्तर कोरिया से सीधे सड़क मार्ग से जोड़ता है।

करीब एक किलोमीटर लंबा पुल रूस के खासान क्षेत्र को उत्तर कोरिया के तुमांगांग से जोड़ता है। अब तक दोनों देशों के बीच आवाजाही के लिए मुख्य रूप से रेल संपर्क का इस्तेमाल होता था। नया पुल खुलने के बाद लोगों और सामान की आवाजाही के लिए एक नया रास्ता मिल गया है।

उद्घाटन समारोह में रूस के प्रधानमंत्री मिखाइल मिशुस्तिन वर्चुअल मोड में जुड़े। इस दौरान उन्होंने कहा कि यह नया रास्ता पर्यटन समेत कई क्षेत्रों में विकास को बढ़ावा देगा और साथ ही नई नौकरियों के अवसर भी पैदा करेगा।

मिशुस्तिन ने कहा, 'मुझे यकीन है कि सीमा-पार ट्रांसपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार व्यापार, आर्थिक, वैज्ञानिक, तकनीकी और सांस्कृतिक सहयोग को और बढ़ाने में मदद करेगा।'

उत्तर कोरिया के प्रधानमंत्री पाक थाए सोंग भी वीडियो लिंक के जरिए जुड़े। दोनों सरकारों ने इस पुल को आर्थिक और व्यापारिक रिश्तों को आगे बढ़ाने वाली महत्वपूर्ण परियोजना बताया है। उम्मीद है कि इससे सीमा पार व्यापार, पर्यटन और अन्य तरह के संपर्क को बढ़ावा मिलेगा।

लेकिन इस पुल की कहानी सिर्फ कारोबार तक सीमित नहीं है।

यूक्रेन युद्ध के बाद रूस और उत्तर कोरिया एक-दूसरे के काफी करीब आए हैं।

उत्तर कोरिया ने रूस को सैनिकों और सैन्य सहायता के जरिए समर्थन दिया है। इसके बदले रूस और प्योंगयांग के बीच रक्षा और तकनीकी सहयोग बढ़ने की आशंकाएं पश्चिमी देशों में लगातार जताई जाती रही हैं।

प्रोटोकॉल विवाद : आयोग सदस्य बोले- बुलाकर बेइज्जती हो रही

विश्व केसरी■

बेमेतरा (अनिल त्रिपाठी)। जिले में प्रशासनिक कार्यक्रमों के दौरान प्रोटोकॉल के पालन को लेकर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब नवागढ़ ब्लॉक के ग्राम पंचायत जेवरा-एन में आयोजित कार्यक्रम में अनुसूचित जाति आयोग के सदस्य दयावंत बांधे को सीट नहीं मिलने का मामला सामने आया है। कार्यक्रम में जिला प्रशासन के आमंत्रण पर पहुंचे बांधे ने इसे अपने पद और प्रोटोकॉल का अपमान बताते हुए नाराजगी जताई। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में बांधे जिला पंचायत सीईओ प्रेमलता पद्माकर और एक पुलिस अधिकारी से अपनी नाराजगी जाहिर करते नजर आ रहे हैं।

बताया जा रहा है कि ग्राम जेवरा-एन में 5 सितंबर को 'मोर गांव, मोर पानी' अभियान के तहत पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में प्रशासनिक अधिकारियों के अलावा जनप्रतिनिधि और अन्य अतिथियों को आमंत्रित किया गया था। अनुसूचित जाति आयोग के सदस्य दयावंत बांधे भी जिला प्रशासन के आमंत्रण पर कार्यक्रम में पहुंचे थे।

बोले- आयोग का सदस्य हूं, सरकार ने वैधानिक पद दिया है

वायरल वीडियो में दयावंत बांधे कार्यक्रम में सीट को लेकर अधिकारियों से अपनी नाराजगी जताते दिखाई दे रहे हैं। वे कहते नजर आ रहे हैं कि उन्हें कार्यक्रम में बुलाकर उनकी बेइज्जती की जा रही है। उन्होंने अधिकारियों के सामने यह भी कहा कि वे आयोग के सदस्य हैं और सरकार ने उन्हें वैधानिक पद पर नियुक्त किया है। ऐसे में उनके साथ इस तरह का व्यवहार किया जाना उचित नहीं है। वीडियो में बांधे एक पुलिस अधिकारी से भी अपनी बात रखते नजर आ रहे हैं। इसी दौरान जिला पंचायत सीईओ प्रेमलता पद्माकर से भी उनकी बातचीत होती दिखाई देती है। हालांकि वीडियो सामने आने के बाद प्रशासनिक कार्यक्रम में प्रोटोकॉल के पालन को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं।

मोबाइल और आई कार्ड से मिला था कार्यक्रम का निमंत्रण

अनुसूचित जाति आयोग के सदस्य दयावंत बांधे ने बताया कि उन्हें कार्यक्रम में शामिल होने का निमंत्रण प्रोटोकॉल अधिकारी द्वारा मोबाइल पर और आई कार्ड के माध्यम से दिया गया था। वे सुबह ही कार्यक्रम स्थल पर पहुंच गए थे। उनके अनुसार कार्यक्रम शुरू होने में समय था, इसलिए कुछ समय वे इधर-उधर रहे और बाद में भाजपा नेता प्रहलाद रजक के पास बैठकर चर्चा करने लगे। बांधे के अनुसार इसी दौरान नायब तहसीलदार ने उन्हें वहां बैठने पर आपत्ति जताई और कहा कि वे सामने नहीं बैठ सकते। जब उन्होंने इसका कारण पूछा तो उन्हें बताया गया कि वहां बैठने के लिए मंत्री से बात करनी होगी। इसके बाद मामले को लेकर अधिकारियों से उनकी बातचीत हुई।

सीईओ पर आपत्तिजनक बातें कहने का आरोप

बांधे ने आरोप लगाया कि इस दौरान जिला पंचायत सीईओ प्रेमलता पद्माकर ने भी उनसे आपत्तिजनक बातें कहीं। उन्होंने कहा कि जिस कार्यक्रम में जिला प्रशासन ने उन्हें आमंत्रित किया था, उसी कार्यक्रम में उन्हें उचित स्थान नहीं दिया गया। उन्होंने इस पूरे घटनाक्रम को अपने पद की गरिमा के खिलाफ बताया है। बांधे ने कहा कि वे मामले को यहीं खत्म नहीं करेंगे। घटना की जानकारी मुख्यमंत्री, संबंधित विभागीय मंत्री और अनुसूचित जाति आयोग के राष्ट्रीय अध्यक्ष तक पहुंचाई जाएगी। उन्होंने कहा कि वैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति के साथ कार्यक्रम में प्रोटोकॉल के अनुरूप व्यवहार होना चाहिए।

शिक्षा दूत से सम्मानित हुए प्राथमिक विद्यालय दाढ़ी के प्रधान पाठक

विश्व केसरी■

दाढ़ी (अनिल त्रिपाठी)। मुख्यमंत्री गौरव अलंकरण शिक्षा दूत से सम्मानित हुए प्राथमिक विद्यालय दाढ़ी प्रधान पाठक शिक्षक दिवस के पावन पर्व भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति सर्व पल्लवी राधा कृष्णन का जन्म दिवस पर शिक्षक दिवस मनाया गया जिसमें नवागढ़ विधान सभा के लोकप्रिय मंत्री माननीय दयाल दास बघेल खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण छत्तीसगढ़ शासन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे एवं जनप्रतिनिधि शामिल हुए शिक्षा विभाग के सभी अधिकारी गण कर्मचारी शामिल हुए शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए शासकीय प्राथमिक विद्यालय दाढ़ी से चंद्रभान सिंह धुर्वे प्रधान पाठक को मुख्यमंत्री गौरव अलंकरण शिक्षा दूत से सम्मानित किया गया चंद्रभान सिंह धुर्वे ने अपने स्वयं व्यय से स्कूल को रंग रोहण कार्य कराया गया बच्चों सिखाने के लिए प्रिंच रचित वातावरण तैयार किया गया शाला स्वच्छता अभियान के तहत स्वच्छ वातावरण तैयार किया गया बच्चों को गतिविधियों के माध्यम से सिखाने के लिए कक्षा को सजाया गया जिसमें बच्चे सरल तरीके से सीखते थे चंद्रभान सिंह धुर्वे ने अपने स्वयं के व्यय पर संकुल स्तरीय बाल मेला का भव्य आयोजन किया गया था जिसमें विभिन्न विद्यालय के बच्चे शामिल हुए विज्ञान गणित विषय का स्टॉल लगाया गया था छत्तीसगढ़ी व्यंजन स्टॉल लगाया गया था जिसमें शिक्षा विभाग से अरुण खरे विकास खंड शिक्षा अधिकारी शामिल हुए थे प्राथमिक विद्यालय दाढ़ी को जन सहयोग से 4 नग कैमरा सी सी टीवी प्राप्त हुआ नगर पंचायत दाढ़ी से वाटर कूलर प्राप्त हुआ 5 नग डस्टबिन 3नग दिवाल घड़ी जन सहयोग से प्राप्त हुआ चंद्रभान सिंह धुर्वे प्रधान पाठक ने इस उपलब्धि पर अपने स्टॉफ के सभी कर्मचारी के सहयोग योगदान के लिए बधाई शुभकामनाएं दी गई।

सक्ती की 'विभूतियों' को सम्मान देने आगे आया एकता पत्रकार संघ

विश्व केसरी■

सक्ती (ईश्वर लोधी)। जिले की स्थापना दिवस की खुशियों को इस बार एक विशेष और प्रेरक स्वरूप देने की तैयारी है। एकता पत्रकार संघ, सक्ती ने जिले की उन प्रतिभाओं, समाजसेवियों और कर्मयोगियों को सम्मानित करने का सराहनीय निर्णय लिया है, जिन्होंने वर्षों तक अपने कार्य, सेवा और समर्पण से सक्ती का गौरव बढ़ाया, लेकिन प्रचार और पहचान की मुख्यधारा से दूर रहे। ऐसे ही 'अनसुनी विभूतियों' को मंच देकर सम्मानित करने के उद्देश्य से 9 सितंबर 2026 को भव्य सक्ती जिला स्थापना दिवस एवं सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा।

यह आयोजन एकता पत्रकार संघ, सक्ती एवं नितारा वर्ल्ड, सक्ती के संयुक्त तत्वावधान में हटरी धर्मशाला, सक्ती में दोपहर 3 बजे से आयोजित होगा। आयोजन में श्रेष्ठ भारत संस्थान, सक्ती का विशेष सहयोग रहेगा।

सम्मान उन लोगों का, जिन्होंने चुपचाप जिले का मान बढ़ाया

आयोजन की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें केवल चर्चित चेहरों को नहीं, बल्कि ऐसे लोगों को खोजकर सम्मानित करने का प्रयास किया जा रहा है, जिनका योगदान समाज में बड़ा है, लेकिन उनकी उपलब्धियां अब तक अपेक्षित रूप से सामने नहीं आ सकी हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य, समाजसेवा, पत्रकारिता, साहित्य, कला-संस्कृति, खेल, कृषि, जनसेवा सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली प्रतिभाओं को सम्मान मंच प्रदान किया जाएगा।

एकता पत्रकार संघ की यह पहल इसलिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है, क्योंकि पत्रकारिता को केवल समाचारों तक सीमित न रखते हुए संघ ने समाज की वास्तविक प्रतिभाओं को सामने लाने और उनके योगदान को सम्मान दिलाने का सामाजिक दायित्व भी अपने हाथ में लिया है।

चुरकीदादर पंचायत में पैसों के हिसाब पर घमासान!

विश्व केसरी■

छुरा (मानसिंह निषाद)। जनपद पंचायत छुरा अंतर्गत ग्राम पंचायत चुरकीदादर में पंचायत की राशि के कथित अनियमित आहरण का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। पूर्व सचिव डेरहा राम कुर्रे से 3 लाख 3 हजार 50 रुपये की वसूली के लिए जारी नोटिस के बीच अब पंचायत के वर्तमान जनप्रतिनिधियों ने पूरे मामले की सूक्ष्म और निष्पक्ष जांच की मांग उठाई है।

मामला केवल राशि की वापसी तक सीमित न रहकर पंचायत की वित्तीय व्यवस्था, राशि आहरण की प्रक्रिया और जिम्मेदारी तय करने का मुद्दा बन गया है।

मामले से जुड़े दस्तावेजों में पूर्व सरपंच चरण सिंह जगत के पास 1 लाख 48 हजार 630 रुपये नगद होने का उल्लेख सामने आया है। वहीं वर्तमान सरपंच विशाखा मरकाम ने गंभीर सवाल उठाते हुए कहा है कि उनकी जानकारी के बगैर पंचायत की राशि का आहरण हुआ है, जो गंभीर वित्तीय अनियमितता की श्रेणी में आता है।

वर्तमान सरपंच का दो टूक बयान— 'जांच हो, दोषी मिले तो कानूनी कार्रवाई हो'

वर्तमान सरपंच विशाखा मरकाम का कहना है कि पंचायत की राशि उनके संज्ञान और जानकारी के बिना आहरित की गई है। उन्होंने पूरे मामले की सूक्ष्मता से जांच कराने की मांग की है।

उनका कहना है कि यदि जांच में पूर्व सचिव डेरहा राम कुर्रे की भूमिका और जिम्मेदारी सामने आती है तथा वे दोषी पाए जाते हैं, तो सिर्फ राशि की वसूली पर्याप्त नहीं होगी, बल्कि उनके विरुद्ध नियमानुसार कानूनी कार्रवाई भी की जानी चाहिए।

सरपंच के इस बयान के बाद मामला और गंभीर हो गया है, क्योंकि अब पंचायत की निर्वाचित वर्तमान प्रतिनिधि स्वयं राशि आहरण की प्रक्रिया और अपनी जानकारी के अभाव पर सवाल उठा रही हैं।

'पंचायत का पैसा जनता का है, निजी रकम नहीं'—ग्रामीणों की आवाज बुलंद

ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों का कहना है कि पंचायत में आने वाली राशि गांव के विकास, मूलभूत सुविधाओं और जनता की जरूरतों के लिए होती है। यदि इस राशि के आहरण में किसी भी स्तर पर अनियमितता हुई है तो उसकी निष्पक्ष जांच होना जरूरी है।

ग्रामीणों की मांग है कि एक-एक रुपये का हिसाब सामने लाया जाए। बैंक खाते से लेकर कैशबुक, चेक, वाउचर, लेजर, पंचायत प्रस्ताव और संबंधित दस्तावेजों की जांच हो, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि पैसा कब, किस मद में और किस प्रक्रिया के तहत निकाला गया।

उनका साफ कहना है—

'रकम वापस करा देना ही पूरी कार्रवाई नहीं है। अगर जांच में गड़बड़ी साबित होती है तो जिम्मेदारों पर कठोर कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि भविष्य में पंचायत की राशि के साथ ऐसी कथित अनियमितता दोबारा न हो।'

3.03 लाख की वसूली का नोटिस पहले ही जारी

मामले में जनपद पंचायत छुरा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा पूर्व सचिव डेरहा राम कुर्रे से 3 लाख 3 हजार 50 रुपये पंचायत खाते में जमा कराने को कहा गया है। इसमें कथित रूप से बिना कार्य के आहरित 2 लाख 83 हजार 50 रुपये तथा करीब 20 हजार रुपये मकान कर की राशि शामिल बताई गई है।

राठौर समाज की कार्यकारिणी इकाई का गठन, नवधा राठौर बने अध्यक्ष

विश्व केसरी■

सक्ती (ईश्वर लोधी)। सक्ती -राठौर समाज की एक महत्वपूर्ण बैठक जयप्रकाश राठौर के निवास, ऑफिसर्स कॉलोनी में संपन्न हुई। बैठक में सर्वसम्मति से समाज की नवीन कार्यकारिणी इकाई का गठन किया गया, जिसमें समाज के वरिष्ठ एवं अनुभवी सदस्यों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ सौंपी गईं।

बैठक में सर्वसम्मति से नवधा राठौर को अध्यक्ष चुना गया। इसके साथ ही रमेश राठौर को उपाध्यक्ष, जिवेंद्र राठौर को सचिव तथा देवेंद्र राठौर को कोषाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके अतिरिक्त, समाज के पूर्व अध्यक्ष सत्यनारायण राठौर को सर्वसम्मति से संरक्षक नियुक्त किया गया।

शिक्षा से सेवानिवृत्त नवधा राठौर ने संभाली कमान - नवनियुक्त अध्यक्ष नवधा राठौर हाल ही में शिक्षक पद से सेवानिवृत्त हुए हैं। अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी संभालने के बाद उन्होंने कहा कि समाज को संगठित कर आगे बढ़ाना और सामाजिक हित के कार्यों को गति देना उनकी पहली प्राथमिकता होगी। इस दौरान समाज सेवा और शिक्षा क्षेत्र में योगदान देने वाले सभी शिक्षकों का विशेष रूप से अभिनंदन व सम्मान किया गया।

कई गणमान्य जन रहे शामिल

बैठक में पूर्व महासचिव राजेंद्र राठौर, महेंद्र राठौर तथा विकास फाउंडेशन के सचिव राकेश विशेष रूप से शामिल रहे। नगर कांग्रेस अध्यक्ष राकेश राठौर ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई व शुभकामनाएँ देते हुए समाज के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

शिवपुर में घर के सामने खड़ी बाइक चोरी

विश्व केसरी■

नगरी (राजशेखर नायर)। सिहावा क्षेत्र में चोरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। मंदिर-मजारों में रखी दान पेटियों की चोरी के बाद अब घरों के सामने खड़े वाहन भी चोरों के निशाने पर हैं। ताजा मामला सिहावा क्षेत्र के शिवपुर का है, जहां अभिनव अवस्थी के घर के पास खड़ी मोटरसाइकिल को अज्ञात चोर चोरी कर ले गए। घटना की सूचना सिहावा थाना पुलिस को दी गई है।

लगातार सामने आ रही चोरी की घटनाओं से क्षेत्र के लोगों में चिंता बढ़ती जा रही है। लोगों का कहना है कि चोर अब धार्मिक स्थलों के साथ-साथ घर और बाजार में खड़े वाहनों को भी निशाना बना रहे हैं। मंदिर-मजारों से दान पेटी चोरी होने और अब घर के पास से मोटरसाइकिल चोरी होने की घटनाओं ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार यदि चोरी की घटनाओं पर जल्द प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई तो चोरों के हौसले और बढ़ सकते हैं। लोगों ने पुलिस प्रशासन से क्षेत्र में रात्रि गश्त बढ़ाने, संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने तथा पूर्व में हुई चोरी की घटनाओं की जांच कर आरोपियों तक पहुंचने की मांग की है। शिवपुर निवासी अभिनव अवस्थी के घर के पास खड़ी मोटरसाइकिल को अज्ञात चोर चोरी कर ले गए। घटना का पता चलने के बाद इसकी सूचना सिहावा थाना पुलिस को दी गई है। पुलिस द्वारा मामले की जांच कर बाइक और चोरों का पता लगाने की कार्रवाई की जा रही है।

लगातार हो रही चोरी की घटनाओं को लेकर क्षेत्रवासियों में अब यह सवाल उठ रहा है कि आखिर सिहावा क्षेत्र में चोरों पर लगाम कब लगेगी? लोगों ने पुलिस से चोरी की घटनाओं पर सख्ती से कार्रवाई कर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है।

स्वास्थ्य लिपिक कल्याण संघ ने शुक्ला को दी विदाई

विश्व केसरी■

कांकेर (सीताराम शर्मा)। स्वास्थ्य लिपिक कल्याण संघ जिला इकाई ने 3 सितंबर को शहर के एक निजि होटल में सहायक ग्रेड 2 सत्यनारायण शुक्ला को अर्धवार्षिकीय आयु पूर्ण होने सेवानिवृत्त होने पर सम्मान व बिदाई दी गई। कार्यक्रम के मुख्यअतिथि सत्यनारायण शुक्ला थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सम्मान के लिए संघ का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए अपने बिताए पलो को याद किया।

पीतल की गुंडी की नौका बनाकर लड्डू गोपाल को कराया गया नौका विहार

विश्व केसरी■

नगरी (राजशेखर नायर)। द्वापर युग में भगवान श्री कृष्ण ने गोपियों के साथ यमुनाजी में केवट का रूप धरकर नौका विहार लीला की थी। विसर्जन के समय नौका में बैठना और विसर्जन करना इसी परंपरा को याद दिलाता है।

विकासखंड के ग्राम फरसियां के महामाई मंदिर परिसर में प्रवाहित हो रही पवित्र महानदी सरोवर में श्रद्धालु ग्रामीणों द्वारा जन्माष्टमी पर्व के विसर्जन के अवसर पर श्री कृष्णा की लड्डू गोपाल प्रतिमा को पीतल की सात गुंडियों से बने नौका में बैठाकर नौका विहार किये जाने की अनूठी रस्म, श्री कृष्ण भगवान की पवन लीला को याद दिलाता है।

आध्यात्मिक रूप से माना जाता है कि जैसे केवट भगवान की मूर्ति को नाव में बैठकर नदी पार कराता है या विसर्जित करता है वैसा ही भगवान श्री कृष्ण भक्तों के जीवन की नैया को इस संसार रूपी भवसागर से पार लगाते हैं।

ग्राम के महावीरपारा में श्री कृष्ण भगवान जन्मोत्सव बड़े धूमधाम से प्रतिवर्ष मनाया जाता है पूरी रात भजन, कीर्तन के पश्चात विसर्जन के के पूर्व ग्राम के आठों पारा में शोभा यात्रा निकाली जाती है, शोभा यात्रा की विशेष बात यह होती है की इस यात्रा में शामिल होने दूर-दूर से निसंतान दंपत्ति भी शामिल होते हैं, उन्हें श्रीफल और अन्य पूजा सामग्री कलश आदि धारण कर महामाई मंदिर परिसर तक की यात्रा शोभा यात्रा के रूप में करना होता है, उसके बाद प्रारंभ होती है अनूठी परंपरा

पंडित डोमन प्रसाद शर्मा ने बताया की नौ पीतल की गुंडियों से नौका तैयार किया जाता है, गुंडी को पलट कर मंदिर के सरोवर में नाव की तरह इस्तेमाल करते हुए केवट, भगवान की प्रतिमा और पुजारी को बैठता है और मंदिर के गर्भ गृह से होते हुए परिक्रमा करते हुए लड्डू गोपाल की प्रतिमा को स्नान कराया जाता है और स्नान कराए हुए जल को प्रसादी के रूप में श्रद्धालुओं में वितरण किया जाता है।

यह अनोखी परंपरा मुख्य रूप से भगवान श्री कृष्ण की नौका लीला और भक्तों की अगाध श्रद्धा को दर्शाती है आमतौर पर भगवान राम और केवट के प्रसंग को सुना जाता है लेकिन श्री कृष्णा भक्तों में केवट नाविक द्वारा भगवान को नौका में बैठकर नदी में ले जाना और फिर विसर्जन करना एक बेहद भावुक अनूठी रस्म है। इस अनूठी रसम को अदा करने पूरा गांव महामाई मंदिर परिसर में एकत्र होकर बड़े धूमधाम से पूर्ण किया जाता है।

यह रस्म पूर्ण होने के पश्चात पुनः श्रद्धालु भक्तगण लौट कर महावीरपारा जहां कृष्ण जन्मोत्सव मनाया जा रहा था पहुंचकर हवन पूजन और भंडारा का आयोजन करते हैं।

एकलव्य विद्यालय में चयनित होने पर छात्र विकास ठाकुर का हुआ सम्मान

विश्व केसरी■

बसना (अशोक प्रधान)। शिक्षा के क्षेत्र से ग्राम पंचायत ठाकुरदिया खुर्द के लिए गौरव की खबर सामने आई है। आश्रित ग्राम खपराखोल वार्ड क्रमांक 17 के पंच विजय ठाकुर के सुपुत्र विकास ठाकुर का चयन एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में हुआ है।

विकास ठाकुर प्राथमिक विद्यालय खपराखोल का छात्र है और प्रारंभ से ही अत्यंत होनहार, मेधावी और अनुशासित विद्यार्थी रहा है। गरीब आदिवासी परिवार से संबंध रखने के बावजूद विकास ने अभावों को अपनी राह में बाधा नहीं बनने दिया और अपनी कड़ी मेहनत, लगन व दृढ़ संकल्प से यह बड़ी उपलब्धि हासिल कर पूरे अंचल का मान बढ़ाया है।

विकास की इस शानदार उपलब्धि पर श्रीराम मंदिर निर्माण समिति परिवार द्वारा उसका साल एवं श्रीफल से सम्मान किया गया। समिति के सदस्यों ने उसे तिलक लगाकर, साल पहनाकर उत्साहवर्धन किया और उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से श्रीराम मंदिर निर्माण समिति के संयोजक अजय नायक, उपाध्यक्ष टीकम सिक्या, सदस्य मनोज बरिहा, रोशनलाल ठाकुर, शंकरलाल नायक, मूलचंद जांगड़े, वीरेंद्र राणा सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी एवं वरिष्ठजन उपस्थित रहे।

इसरो का स्पष्टीकरण: न निजीकरण होगा, न भूमिका घटेगी; मीडिया रिपोर्टों को बताया पूरी तरह बेबुनियाद

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने अपने निजीकरण और भूमिका कम किए जाने संबंधी मीडिया रिपोर्टों को पूरी तरह बेबुनियाद और गलत बताया है। इसरो ने स्पष्ट किया कि वह भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम का केंद्रीय संस्थान बना रहेगा और भविष्य के सभी महत्वपूर्ण मिशनों का नेतृत्व करता रहेगा।

इसरो ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी विस्तृत बयान में कहा कि हाल के दिनों में कुछ मीडिया रिपोर्टों में यह अटकलें लगाई गईं कि अंतरिक्ष क्षेत्र में सुधारों के बाद इसरो का निजीकरण किया जाएगा या उसकी भूमिका सीमित कर दी जाएगी। संगठन ने इन दावों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि इसरो का न तो निजीकरण होगा और न ही उसकी अहमियत कम की जाएगी।

इसरो ने कहा कि वह देश में उन्नत अंतरिक्ष अनुसंधान, राष्ट्रीय और रणनीतिक मिशनों, मानव अंतरिक्ष उड़ान, अगली पीढ़ी की लॉन्च तकनीकों, भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन, चंद्र और ग्रहों की खोज जैसे मिशनों का नेतृत्व करता रहेगा।

संगठन के अनुसार, निजी क्षेत्र की भागीदारी का उद्देश्य इसरो की भूमिका कम करना नहीं, बल्कि उसे और अधिक उन्नत अनुसंधान एवं भविष्य की तकनीकों पर ध्यान केंद्रित करने का अवसर देना है।

इसरो ने कहा कि वर्ष 2020 से शुरू किए गए अंतरिक्ष क्षेत्र के सुधार और भारतीय अंतरिक्ष नीति-2023 का उद्देश्य भारत में एक बड़ा, मजबूत और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी स्पेस इकोसिस्टम तैयार करना है।

बयान में कहा गया कि उद्योग, स्टार्टअप और शैक्षणिक संस्थानों को अंतरिक्ष क्षेत्र की पूरी वैल्यू चेन में भागीदारी का अवसर दिया जा रहा है, जिससे इसरो की क्षमताएं और मजबूत होंगी। इसलिए इन सुधारों को निजीकरण नहीं, बल्कि स्पेस इकोसिस्टम के विस्तार के रूप में देखा जाना चाहिए।

इसरो ने बताया कि उसने अपनी कई परिपक्व तकनीकों का उद्योगों को हस्तांतरण पहले ही कर दिया है।

इसका मतलब यह नहीं कि इसरो उस क्षेत्र से हट रहा है। इससे बड़े पैमाने पर उत्पादन, व्यावसायीकरण और वैश्विक बाजार तक पहुंच आसान होगी, जबकि इसरो के वैज्ञानिक अगली पीढ़ी की तकनीकों और जटिल राष्ट्रीय मिशनों पर काम कर सकेंगे।

इसरो ने कहा कि भारत का लक्ष्य वर्ष 2035 तक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करना, 2040 तक भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्रमा पर भेजना, पुन: प्रयोज्य लॉन्च सिस्टम विकसित करना और चंद्रमा व अन्य ग्रहों की दीर्घकालिक खोज को आगे बढ़ाना है।

संगठन ने कहा कि ऐसे महत्वाकांक्षी मिशनों के लिए इसरो का उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान और रणनीतिक क्षमताओं पर केंद्रित रहना बेहद जरूरी है।

इसरो के अनुसार, 2020 में भारत में गिने-चुने स्पेस स्टार्टअप थे, जबकि आज उनकी संख्या 450 से अधिक हो चुकी है। ये स्टार्टअप लॉन्च व्हीकल, सैटेलाइट, प्रोपल्शन, अर्थ ऑब्जर्वेशन, कम्युनिकेशन और स्पेस एप्लिकेशन जैसे क्षेत्रों में काम कर रहे हैं।

इसरो ने बताया कि भारत की स्पेस इकोनॉमी फिलहाल करीब 8.4 अरब डॉलर की है और 2033 तक इसे बढ़ाकर 44 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए सरकारी संसाधनों के साथ-साथ निजी निवेश, औद्योगिक क्षमता और उद्यमिता की भी जरूरत होगी।

पश्चिम बंगाल: पिछले सात दिनों में डेंगू के 500 से अधिक नए मामले, मुर्शिदाबाद सबसे ज्यादा प्रभावित

विश्व केसरी ■

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में डेंगू के नए मामलों की संख्या 500 के पार पहुंच गई है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की ओर से बताया गया कि 2 सितंबर को राज्य में डेंगू के मामलों की निगरानी और रोकथाम के लिए एक स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) जारी किया गया था।

इसके बाद, घर-घर जाकर निगरानी करने और डेंगू के लक्षण वाले लोगों की तुरंत खून की जांच करने का एक बड़ा अभियान चलाया गया।

एक अधिकारी ने बताया कि इस बड़े अभियान के बाद, पिछले सात दिनों में राज्य में डेंगू के 500 से ज्यादा नए मामले सामने आए हैं। अधिकारी ने कहा कि पिछले सात दिनों में मिले इन 500 नए मामलों के साथ, इस वर्ष डेंगू से प्रभावित लोगों की कुल संख्या 4,500 का आंकड़ा पार कर गई है।

पिछले सात दिनों में नए मामलों और मौजूदा कैलेंडर साल में कुल मामलों के लिहाज से मुर्शिदाबाद सबसे ज्यादा प्रभावित जिला रहा है। पिछले सात दिनों में मिले लगभग 500 नए मामलों में से 96 मामले अकेले मुर्शिदाबाद से हैं। इसी तरह, मौजूदा कैलेंडर साल में डेंगू से प्रभावित कुल 4,500 लोगों में से 870 मामले अकेले मुर्शिदाबाद से हैं।

कोलकाता दूसरे स्थान पर है, जहां मौजूदा कैलेंडर साल में प्रभावित लोगों की कुल संख्या 402 है।

पिछले सात दिनों में नए प्रभावित लोगों की संख्या 62 है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी ने अप्रैल से राज्य में डेंगू के मामलों की संख्या में लगातार हो रही बढ़ोतरी के आंकड़े भी दिए।

स्वास्थ्य विभाग की ओर से दिए गए आंकड़ों के अनुसार, 30 अप्रैल तक राज्य में 770 लोग डेंगू से संक्रमित थे; यह संख्या लगातार बढ़कर 31 जुलाई तक 1,946, 31 अगस्त तक 3,966 और अब तक 4,500 से थोड़ी ज्यादा हो गई है। हालांकि, अच्छी बात यह है कि इस साल जो आंकड़े सामने आए हैं, वे 100 प्रतिशत सही हैं। इनमें प्रभावित लोगों की संख्या कम बताने या डेंगू को 'अज्ञात बुखार' बताने जैसी कोई बात नहीं है।

इस साल की शुरुआत में मुख्यमंत्री की ओर से लोगों से अपील की गई थी कि वे लगातार हो रही भारी बारिश के बीच डेंगू की स्थिति को लेकर घबराएं नहीं। उन्होंने यह भी कहा था कि स्थिति गंभीर तो है, लेकिन बहुत ज्यादा चिंताजनक नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि पश्चिम बंगाल में मौजूदा मॉनसून के दौरान डेंगू से प्रभावित लोगों की संख्या भले ही ज्यादा है, लेकिन पिछले साल के मॉनसून के आंकड़ों की तुलना में यह काफी कम है।

बीपी चेक करते समय कहीं आप भी तो नहीं कर रहे ये गलतियां? जानिए सही तरीका

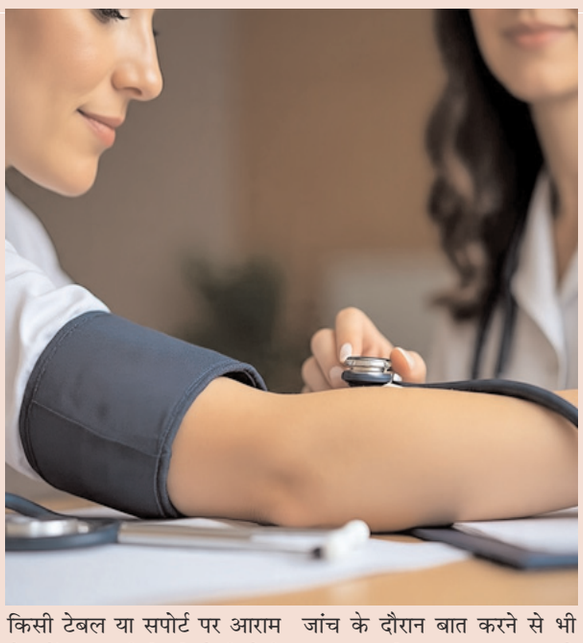

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। हाई ब्लड प्रेशर (हाइपरटेंशन) ऐसी समस्या है, जो अक्सर बिना किसी स्पष्ट लक्षण के शरीर में बढ़ती रहती है। यही वजह है कि कई लोग लंबे समय तक इससे अनजान रहते हैं। लगातार बढ़ा हुआ ब्लड प्रेशर दिल की बीमारी, स्ट्रोक, आंखों की रोशनी से जुड़ी समस्याओं और डिमेंशिया जैसी गंभीर जटिलताओं का खतरा बढ़ा सकता है। ऐसे में समय-समय पर ब्लड प्रेशर की जांच करना बेहद जरूरी है। लेकिन बीपी चेक करते समय कुछ गलतियां करने से बचना चाहिए वर्ना रीडिंग गलत भी हो सकती है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया है कि बीपी मापते समय सबसे पहले सही तरीके से बैठना जरूरी है। कुर्सी पर बैठें और अपनी पीठ को अच्छी तरह सहारा दें। दोनों पैर जमीन पर सीधे रखें और पैरों को क्रॉस करके न बैठें। जिस हाथ में बीपी कफ लगाया जा रहा है, उसे किसी टेबल या सपोर्ट पर आराम से रखें। हाथ की स्थिति ऐसी होनी चाहिए कि कफ दिल के स्तर पर रहे।

बीपी चेक करने से पहले कम से कम 5 मिनट आराम करना चाहिए। जल्दबाजी में या चलते-फिरते तुरंत बीपी नापने से रीडिंग प्रभावित हो सकती है। इसी तरह जांच के दौरान बात करने से भी बचना चाहिए। अगर एक से ज्यादा रीडिंग ली जा रही है, तो माप के बीच भी शांत रहें और बातचीत न करें।

ब्लड प्रेशर की सही रीडिंग के लिए यह भी जरूरी है कि जांच से कम से कम 30 मिनट पहले एक्सरसाइज, चाय-कॉफी और धूम्रपान से बचें। इन चीजों का असर ब्लड प्रेशर पर पड़ सकता है और रीडिंग सामान्य से अलग आ सकती है।

एक और आम गलती है गलत आकार का कफ इस्तेमाल करना। बीपी मशीन के कफ अलग-अलग आकार में आते हैं, इसलिए व्यक्ति के ऊपरी बांह के अनुसार सही कफ चुनना जरूरी है। कफ इतना बड़ा होना चाहिए कि उसकी लंबाई बांह की परिधि की कम से कम 80 प्रतिशत और चौड़ाई कम से कम 40 प्रतिशत हो।

कफ को नंगे हाथ या कपड़ों की बहुत पतली परत के ऊपर लगाया जा सकता है। कपड़े को मोड़कर उसके ऊपर कफ लगाने से बचें, क्योंकि इससे रीडिंग प्रभावित हो सकती है।

बीपी की रीडिंग लेते समय मशीन पर दिखाई देने वाली सटीक संख्या दर्ज करें और उसे अपनी सुविधा के लिए ऊपर-नीचे करके राउंड न करें। 18 साल या उससे अधिक उम्र के सभी वयस्कों के लिए समय-समय पर ब्लड प्रेशर की जांच महत्वपूर्ण है।

मेडिकल कॉलेज और सीटों की संख्या बढ़ाकर आयुर्वेद का विस्तार करने का काम कर रही सरकार : प्रतापराव

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। केंद्रीय आयुष मंत्री प्रतापराव जाधव ने सोमवार को समाचार एजेंसी मीडिया से बात करते हुए कहा कि सरकार मेडिकल कॉलेजों और सीटों की संख्या बढ़ाकर आयुर्वेद का विस्तार करने के लिए काम कर रही है क्योंकि ज्यादा से ज्यादा लोग आयुर्वेदिक स्वास्थ्य सेवा का लाभ उठा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि आयुर्वेद का प्रचार और प्रसार बड़े पैमाने पर हो रहा है। कई इंश्योरेंस कंपनियां भी इसको मान रही हैं और इसमें शामिल हुई हैं। केंद्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना (सीजीएचएस) में भी इसके पैकेज लाए गए हैं। आम आदमी को इससे राहत मिले, इसके लिए हम आयुष्यमान भारत के माध्यम से ही इसके पैकेज सभी अस्पतालों में लाने की कोशिश कर रहे हैं। उम्मीद है कि जल्द ही हमारी कोशिशों को सफलता मिल जाएगी।

देश में नए आयुर्वेदिक कॉलेज खुलने और सीटों की संख्या बढ़ाकर आयुर्वेद का विस्तार करने को लेकर उन्होंने कहा कि देश में कई नए आयुर्वेदिक कॉलेज खोले जा रहे हैं और जो पुराने कॉलेज हैं, जिनका इंफ्रास्ट्रक्चर सही है और जो एनसीआईएसएम (नेशनल कमीशन फॉर इंडियन सिस्टम ऑफ मेडिसिन) रूल के तहत काम कर रहे हैं, उनमें सीट बढ़ाने का काम किया जा रहा है। इसके साथ नए कॉलेजों को भी हमारी ओर से अनुमति दी जा रही है।

केंद्रीय आयुष मंत्री प्रतापराव जाधव ने कहा कि हम इस वर्ष आयुर्वेद दिवस के अवसर पर 23 सितंबर को एक मुख्य कार्यक्रम नागपुर में हो रहा है, जिसमें केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार और अन्य गणमान्य लोग शामिल होंगे। इसके अतिरिक्त कार्यक्रम में महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश आबिटकर और आयुर्वेद के क्षेत्र में सराहनीय काम करने वाले सभी वैद्यों को आमंत्रित किया गया है। कार्यक्रम की थीम 'स्वस्थ भविष्य के लिए आयुर्वेद' रखी गई है।

घर का खाना खाने के बाद भी बढ़ सकता है कोलेस्ट्रॉल, इन वजहों को न करें नजरअंदाज

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। कोलेस्ट्रॉल का नाम सुनते ही ज्यादातर लोगों के दिमाग में सबसे पहले बाहर का खाना, बर्गर, पिज्जा, समोसा और ज्यादा तेल वाली चीजें आती हैं। यही वजह है कि बहुत से लोग मानते हैं कि अगर वे घर का खाना खा रहे हैं तो उनका कोलेस्ट्रॉल कभी नहीं बढ़ सकता। लेकिन ऐसा जरूरी नहीं है। घर का बना खाना सेहत के लिए अच्छा हो सकता है, लेकिन खाने के साथ-साथ हमारी रोज की आदतें भी शरीर पर असर डालती हैं। कई बार अच्छी डाइट लेने के बाद भी रिपोर्ट में कोलेस्ट्रॉल ज्यादा आ सकता है। इसकी वजह ज्यादा वजन, कम चलना-फिरना या खाने में कुछ चीजों की ज्यादा मात्रा हो सकती है।

कोलेस्ट्रॉल शरीर के लिए पूरी तरह खराब नहीं होता। हमारे शरीर को इसकी थोड़ी मात्रा की जरूरत होती है। यह शरीर के कई जरूरी कामों में मदद करता है। परेशानी तब शुरू होती है जब खून में बैड कोलेस्ट्रॉल (एलडीएल) की मात्रा जरूरत से ज्यादा हो जाती है। लंबे समय तक ऐसा रहने पर खून की नसों में धीरे-धीरे चर्बी जैसी परत जमा होती है। इससे आगे चलकर दिल की बीमारी और स्ट्रोक का खतरा बढ़ सकता है। कुछ लोगों में कोलेस्ट्रॉल बढ़ने की वजह उनकी जीवनशैली से ज्यादा उनके जीन हो सकते हैं। अगर परिवार में कम उम्र में हार्ट अटैक, स्ट्रोक या बहुत ज्यादा कोलेस्ट्रॉल की समस्या रही है, तो इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। कुछ आनुवंशिक स्थितियों में शरीर एलडीएल को खून से हटाने में ठीक से काम नहीं करता और व्यक्ति की डाइट अच्छी होने के बावजूद कोलेस्ट्रॉल काफी बढ़ा रह सकता है। ऐसी स्थिति में डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है।

घर का खाना पौष्टिक होता है, लेकिन उसमें इस्तेमाल होने वाली चीजों की मात्रा भी मायने रखती है। घी, मक्खन, मलाई और कुछ दूसरे पशु-आधारित खाद्य पदार्थों में सैचुरेटेड फैट ज्यादा होता है।

मेटाबॉलिक जोखिम बढ़ा रहे एनसीडी का खतरा, स्वस्थ जीवनशैली और समय पर जांच जरूरी

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आज के समय में गैर-संचारी रोग (एनसीडी) लोगों के स्वास्थ्य के लिए बड़ी चुनौती बन चुके हैं। इनमें डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर और हृदय रोग जैसी बीमारियां शामिल हैं। इन बीमारियों का खतरा बढ़ाने वाले कई कारण हमारी रोजमर्रा की जीवनशैली से जुड़े हैं। खराब खानपान, शारीरिक गतिविधि की कमी, तंबाकू और शराब का सेवन तथा बढ़ता वजन ऐसे प्रमुख जोखिम कारक हैं, जिन पर समय रहते ध्यान देकर एनसीडी से बचाव किया जा सकता है। भारत में राष्ट्रीय गैर-संचारी रोग निगरानी सर्वेक्षण (एनएनएमएस) 2017-18 के जरिए वयस्क आबादी में एनसीडी से जुड़े जोखिम कारकों की राष्ट्रीय स्तर पर स्थिति का आकलन किया गया। सर्वे में 18 से 69 वर्ष की उम्र के वयस्कों को शामिल किया गया था। इसके आंकड़े बताते हैं कि देश में मेटाबॉलिक जोखिम कारकों का स्तर चिंता का विषय है।

सर्वे के अनुसार, 28.5 प्रतिशत वयस्कों का ब्लड प्रेशर बढ़ा हुआ पाया गया। वहीं 9.3 प्रतिशत लोगों में ब्लड ग्लूकोज का स्तर बढ़ा हुआ था। इसके अलावा 26.1 प्रतिशत लोग ओवरवेट जबकि 6.2 प्रतिशत मोटापे से प्रभावित पाए गए। सेंट्रल ओबेसिटी यानी पेट के आसपास अधिक चर्बी की समस्या 32.2 प्रतिशत वयस्कों में देखी गई। पेट के आसपास जमा अतिरिक्त चर्बी को कई मेटाबॉलिक बीमारियों के बढ़ते खतरे से जोड़ा जाता है।

तनाव और पीठ दर्द से पाना है छुटकारा? जीवनशैली में शामिल करें मकरासन

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में बढ़ते तनाव, पीठ दर्द और सांस से जुड़ी समस्याओं से राहत दिलाने में योग एक बेहतरीन माध्यम है। भारतीय संस्कृति की इस प्राचीन विधा में 'मकरासन' का खास महत्व है। यह आसन थकान मिटाने और शरीर को पूरी तरह आराम देने के लिए बहुत फायदेमंद माना जाता है।

'मकर' शब्द का संस्कृत में अर्थ 'मगरमच्छ' होता है। इस आसन में शरीर की स्थिति पानी में विश्राम कर रहे मगरमच्छ के समान प्रतीत होती है, इसलिए इसे 'मकरासन' कहा जाता है। यह आसन तनाव को दूर कर पाचन को बेहतर बनाता है और अस्थमा, ग्रीवा संबंधी तकलीफ और साइटिका के दर्द से भी राहत देता है।

हठयोग की परंपरा में 'मकरासन' को एक अत्यंत प्रभावी आसन माना गया है, जहां योग के अधिकांश आसन शरीर में शक्ति, लचीलेपन और संतुलन का निर्माण करते हैं, वहीं मकरासन शरीर और मन दोनों को गहरे विश्राम की स्थिति में ले जाने का कार्य करता है।

इस आसन को नियमित रूप से करना रीढ़ की हड्डी के लिए बेहद लाभकारी होता है। यह रीढ़ की हड्डी की संरचना को संतुलित बनाए रखने में मदद करता और उसमें लचीलापन बढ़ाता है। यह विशेष रूप से उन लोगों के लिए फायदेमंद है, जो पीठ दर्द, स्लिप डिस्क जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं।

इसके अलावा, मकरासन मानसिक तनाव और चिंता को कम करने में सहायक होता है। इस आसन के अभ्यास से मस्तिष्क को शांति मिलती है और एकाग्रता बढ़ती है।

भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के अनुसार, मकरासन पाचन तंत्र को मजबूत करने में मदद करता है। इस आसन को करते समय शरीर पेट के बल जमीन पर लेटा होता है, जिससे पेट पर हल्का दबाव पड़ता है। यह दबाव पाचन अंगों को सक्रिय करता है। इस आसन को करते वक्त जब गहरी और धीमी सांस लेते हैं, तो शरीर में ऑक्सीजन का प्रवाह बढ़ता है, जिससे पाचन क्रिया बेहतर होती है और गैस, कब्ज और अपच जैसी समस्याओं में राहत मिलती है।

दलीप ट्रॉफी 2026

दलीप ट्रॉफी फाइनलः तिहरा शतक चूके कप्तान ईशान, ईस्ट जोन ने पहली पारी बनाए 708 रन

■ **चेन्नई** | साउथ जोन के खिलाफ एमए चिदंबरम स्टेडियम में जारी दलीप ट्रॉफी 2026 के फाइनल मैच में कप्तान ईशान किशन ने 270 रनों की पारी खेली, जिसके दम पर ईस्ट जोन का पलड़ा काफी भारी नजर आ रहा है। दूसरे दिन की समाप्ति तक टीम 708 के स्कोर पर सिमट गई। इस पारी में ईस्ट जोन ने कुल 163 ओवरों का सामना किया।

रविवार को टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी ईस्ट जोन को सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत दिलाई। वैभव सूर्यवंशी ने अभिमन्यु ईश्वरन के साथ पहले विकेट के लिए 88 गेंदों में 100 रन की साझेदारी की। वैभव 37 गेंदों में 1 छक्के और 5 चौकों के साथ 44 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद ईश्वरन ने शिखर मोहन के साथ दूसरे विकेट के लिए 33 रन जुटाए। ईश्वरन 86 गेंदों में 11 बाउंड्री के साथ 72 रन बनाकर आउट हुए। कुछ देर बाद टीम ने 147 के स्कोर पर सुदीप कुमार (6) के रूप में तीसरा विकेट भी गंवाया।

यहां से कप्तान ईशान किशन ने मोर्चा संभाला। उन्होंने शिखर मोहन के साथ चौथे विकेट के लिए 94 रन की साझेदारी की। शिखर 3 छक्कों और 9 चौकों के साथ 85 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद ईशान ने कुमार कुशाग्र के साथ पांचवें विकेट के लिए 230 रन की साझेदारी की। कुमार कुशाग्र 132 गेंदों में 5 छक्कों और 8 चौकों के साथ 101 रन बनाकर आउट हुए। टीम ने 471 के स्कोर पर अपना पांचवां विकेट गंवाया।

ईशान का शानदार प्रदर्शन

ईशान किशन ने 301 गेंदों में 27 चौके और
7 छक्कों के साथ 250 रन की पारी खेली,
लेकिन 270 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट होकर
ड्रेसिंग रूम लौटे। उन्हें इस पारी के मैन ऑफ द मैच चुना गया।

साउथ जोन के लिए त्रिपुरण विजय ने 42 ओवर में 180 रन देकर 4 विकेट लिए।

ईस्ट जोन - पहली पारी (163 ओवर)

कुल स्कोर : 708 रन

वैभव सूर्यवंशी	44 (37)
अभिमन्यु ईश्वरन	72 (86)
शिखर मोहन	85 (60)
कुमार कुशाग्र	101 (132)
ईशान किशन	270 (334) (रिटायर्ड हर्ट)
अनुकूल रॉय	40 (65)
मोहम्मद शमी	28 (44)
मुकेश कुमार	0 (1)

साउथ जोन के लिए गेंदबाजी

त्रिपुरण विजय	42 ओवर, 180 रन, 4 विकेट
चामा मिलिंद	2 विकेट
श्रेयस गोपाल	2 विकेट
शेख रशीद	1 विकेट

यूएस ओपनः एम्स नवारो ने बनाई क्वार्टर फाइनल में जगह, कलिनस्काया को सीधे सेटों में दी मात

एजेंसी ■

न्यूयॉर्क। अमेरिका की एम्मा नवारो ने शानदार प्रदर्शन करते हुए यूएस ओपन 2026 के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। उन्होंने न्यूयॉर्क के आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले गए चौथे दौर के मुकाबले में एना कलिनस्काया को सीधे सेटों में 6-4, 6-2 से हराया।

नवारो ने मैच की शुरुआत से ही अपना दबदबा बनाए रखा और कलिनस्काया को वापसी का ज्यादा मौका नहीं दिया। पहले सेट को 6-4 से जीतने के बाद उन्होंने दूसरे सेट में और आक्रामक खेल दिखाया और 6-2 से मुकाबला अपने नाम कर लिया। 25वीं वरीयता प्राप्त एम्मा नवारो ने यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। यह उनके करियर का चौथा ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल है। अब वह फ्लशिंग मीडोज में 2024 वाले अपने शानदार प्रदर्शन को दोहराने की कोशिश करेंगी, जब वह पहली बार यूएस ओपन के सेमीफाइनल तक पहुंची थीं।

नवारो ने पहला सेट जीतने के बाद पूरे आत्मविश्वास के साथ खेल दिखाया। दूसरे सेट में उन्होंने 5-1 की बड़ी बढ़त बनाई। एना कलिनस्काया ने एक बार सर्विस ब्रेक लेकर वापसी की कोशिश की, लेकिन वह मैच का रुख नहीं बदल सकीं। इसके बाद नवारो ने आठवें गेम में फिर से कलिनस्काया की सर्विस तोड़ी और सिर्फ 1 घंटा 21 मिनट में 6-4, 6-2 से मैच जीतकर क्वार्टर फाइनल का टिकट हासिल कर लिया। खास बात यह रही कि कलिनस्काया इससे पहले नवारो के खिलाफ दोनों मुकाबले जीत चुकी थीं, लेकिन इस बार अमेरिकी खिलाड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए हिसाब बराबर कर दिया। यह नवारो के करियर का चौथा ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल है। इससे पहले वह विंबलडन 2024, यूएस ओपन 2024 और ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 में क्वार्टर फाइनल तक पहुंच चुकी हैं।

इस जीत के बाद एम्मा नवारो का अगला मुकाबला उनकी हमवतन खिलाड़ी और तीसरी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला से होगा। पेगुला का रिकॉर्ड नवारो के खिलाफ काफी मजबूत रहा है। दोनों के बीच अब तक चार मैच हुए हैं और पेगुला ने सभी में जीत हासिल की है। दोनों की सबसे हालिया भिड़ंत पिछले महीने सिनसिनाटी टूर्नामेंट में हुई थी, जहां पेगुला ने नवारो को 7-5, 6-2 से हराया था। ऐसे में क्वार्टर फाइनल में नवारो के पास पुरानी हार का बदला लेने का मौका होगा। यह मुकाबला इसलिए भी खास होगा क्योंकि 2015 के बाद पहली बार यूएस ओपन महिला एकल के क्वार्टर फाइनल में दो अमेरिकी खिलाड़ी आमने-सामने होंगी। इससे पहले 2015 में सेरेना विलियम्स ने अपनी बहन वीनस विलियम्स को हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई थी।

जिम्बाब्वे महिला क्रिकेट टीम के हेड कोच बने मार्क कोल्स

विश्व केसरी ■

हरारे। जिम्बाब्वे क्रिकेट ने मार्क कोल्स को महिला राष्ट्रीय टीम का नया हेड कोच नियुक्त किया है। बोर्ड ने कई उम्मीदवारों के इंटरव्यू और चयन प्रक्रिया के बाद उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी है। मार्क कोल्स जिम्बाब्वे महिला टीम के साथ अपने नए कार्यकाल की शुरुआत करेंगे। मार्क कोल्स का पहला असाइनमेंट साउथ अफ्रीका के खिलाफ घरेलू टी20 सीरीज होगी। यह सीरीज शुक्रवार से बुलावायो के क्वींस स्पोर्ट्स क्लब में शुरू होगी। कोल्स के पास काफी अनुभव है। वह पहले पाकिस्तान और स्कॉटलैंड की महिला क्रिकेट टीमों के मुख्य कोच रह चुके हैं।

इसके अलावा, उन्होंने क्रिकेट पापुआ न्यू गिनी में हाई-परफॉर्मेंस मैनेजर के रूप में भी काम किया है। वह स्कॉटलैंड की पुरुष टीम के साथ भी जुड़े रहे हैं और ऑस्ट्रेलिया में कोचिंग सलाहकार की भूमिका निभा चुके हैं।

कोल्स ने अपनी नियुक्ति पर खुशी जताते हुए कहा कि जिम्बाब्वे महिला क्रिकेट इस समय एक नए और अहम दौर में प्रवेश कर रहा है। टीम अब आईसीसी महिला चैंपियनशिप का हिस्सा है, जिससे खिलाड़ियों को दुनिया की मजबूत टीमों के खिलाफ ज्यादा मुकाबले खेलने का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा, 'जिम्बाब्वे में महिला क्रिकेट के लिए यह बहुत रोमांचक समय है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए साउथ अफ्रीकी टीम घोषित, मिलर-क्विंटन की वापसी

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 24 सितंबर से शुरू होने जा रही तीन मुकाबलों की वनडे सीरीज के लिए साउथ अफ्रीका ने अपनी 16 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। नियमित कप्तान टेंबा बावुमा की टीम में वापसी हुई है। इसके साथ ही अनुभवी बल्लेबाज डेविड मिलर और क्विंटन डी कॉक भी इस टीम का हिस्सा हैं।

माना जा रहा है कि ये खिलाड़ी वनडे वर्ल्ड कप 2027 की योजनाओं का अहम हिस्सा हैं। मिलर और क्विंटन डी कॉक दोनों के पास अभी सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट नहीं है, लेकिन उन्होंने इस साल की शुरुआत में टी20 वर्ल्ड कप खेला था। साउथ अफ्रीकी टीम में गेराल्ड कोएत्जी की वापसी हुई है, जिन्होंने आखिरी बार वर्ल्ड कप 2023 में वनडे फॉर्मेट खेला था। वह कगिसो रबाडा की जगह ले रहे हैं, जो वनडे सीरीज से बाहर हैं और हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण टेस्ट मैचों के लिए फिट होने की कोशिश कर रहे हैं।

पिछले कुछ वर्षों में कोएत्जी चोटों से जूझते नजर आए हैं, लेकिन उनकी वापसी से प्रोटियाज टीम को मजबूती मिलेगी। प्रोटियाज कगिसो रबाडा की रिकवरी पर नजर रखे हुए हैं, जबकि एनरिक नॉर्त्जे पर इस सीरीज के लिए विचार नहीं किया गया।

इस बीच, तूफानी बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस टीम का हिस्सा नहीं हैं, क्योंकि वह टेस्ट सीरीज की तैयारी करेंगे और फर्स्ट-क्लास क्रिकेट खेलेंगे। एडेन मार्करम दूसरे और तीसरे वनडे मैच के लिए उपलब्ध रहेंगे।

साउथ अफ्रीका के हेड कोच शुक्री कॉनराड ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'जो खिलाड़ी यहां या 'ए' टीम में नहीं हैं, वे फर्स्ट-क्लास क्रिकेट का पहला राउंड खेलेंगे। जो खिलाड़ी वनडे स्क्वाड में नहीं हैं, वे दूसरा राउंड खेलेंगे। इसमें देवाल्ड भी शामिल हैं। वह मिडिल-ऑर्डर में जगह बनाने के लिए मुकाबला कर रहे हैं, और वहां उनका मुकाबला मैथ्यू ब्रीत्जके, ट्रिस्टन स्टब्स और डेविड मिलर से है। उन्हें बांग्लादेश सीरीज में वनडे खेलने का मौका जरूर मिलेगा।'

उन्होंने कहा, 'इंग्लैंड के खिलाफ खेलने से पहले हमारे पास 6 वनडे मैच हैं। इंग्लैंड के खिलाफ खेलने वाली टीम वर्ल्ड कप के लिए एक तरह से 'शैडो स्क्वाड' (संभावित टीम) होगी। हमारे पास टॉप ऑर्डर में जगह बनाने के लिए एडेन, रिक्स, क्विनी और टोनी जैसे खिलाड़ी हैं। बस यह सुनिश्चित करना है कि हर किसी को मौका मिले। वर्ल्ड कप में अब एक साल से भी कम समय शेष है, ऐसे में यह सीरीज टीम को तैयार करने की दिशा में एक अहम कदम है। साथ ही, इससे उन खिलाड़ियों को भी मौका मिलेगा जो टीम में जगह बनाने की दौड़ में हैं, जब हम सीजन में आगे बांग्लादेश और इंग्लैंड का सामना करेंगे।

वर्ल्ड आर्चरी पैरा सीरीजः शीतल ने बनाई कंपाउंड महिला वर्ग के फाइनल में जगह, ब्रॉन्ज मेडल के लिए खेलेंगी सरिता

विश्व केसरी ■

अहमदाबाद। वर्ल्ड आर्चरी पैरा चैंपियन और भारत की स्टार पैरा तीरंदाज शीतल देवी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अहमदाबाद में आयोजित हो रही वर्ल्ड आर्चरी पैरा सीरीज 2026 के तीसरे चरण के कंपाउंड महिला व्यक्तिगत वर्ग के फाइनल में जगह बना ली है।

सोमवार को खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में शीतल ने अपनी ही देश की खिलाड़ी सरिता को 145-143 के करीबी अंतर से हराया।

शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी बुधवार को फाइनल में कजाकिस्तान की दूसरी सीडेड खिलाड़ी आइजादा सेइडन का सामना करेगी। वहीं, सरिता ब्रॉन्ज मेडल के लिए चीन की वांग हुइटिंग से मुकाबला करेंगी, जिन्होंने दूसरे राउंड में दुनिया की पहली क्वाड्रपल एम्प्यूटी (चारों अंग न होने वाली खिलाड़ी) पायल नाग को हराया था।

शीतल ने रविवार को कंपाउंड महिला क्वालिफिकेशन में सीजन का अपना सर्वश्रेष्ठ स्कोर 698 हासिल करके भारत की अंतरराष्ट्रीय मेजबानी की शुरुआत को यादगार बना दिया था। 19 वर्षीय बिना हाथों वाली तीरंदाज शीतल ने अपना ही एशियाई रिकॉर्ड एक प्वाइंट से बेहतर किया।

छत्तीसगढ़ ने रोमांचक मुकाबले में झारखंड को 5 रन से हराया

कप्तान कृति गुप्ता का शानदार प्रदर्शन, प्लेयर ऑफ द मैच रहीं

विश्व केसरी ■

उदयपुर। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की मेजबानी में आयोजित आरपीएमएससी मेंस सीनियर वूमेंस आमंत्रण टी-20 ट्रॉफी 2026 में छत्तीसगढ़ की टीम ने रोमांचक मुकाबले में झारखंड को 5 रन से हराकर जीत दर्ज की। उदयपुर के मीराज क्रिकेट मैदान में खेले गए मुकाबले में झारखंड ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का फैसला किया।

पहले बल्लेबाजी करते हुए छत्तीसगढ़ ने निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट पर 141 रन बनाए। टीम की ओर से कशीश अग्रवाल ने 34 गेंदों में नाबाद 49 रन की शानदार पारी खेली। इसके अलावा शिवी पांडेय ने 25 रन बनाए, जबकि शुरुआती बल्लेबाज प्रत्युषा और शिल्पा साहू ने क्रमशः 25 और 20 रन का योगदान दिया। झारखंड की ओर से शांति कुमारी ने 2 विकेट हासिल किए।

142 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी झारखंड की टीम निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 136 रन ही बना सकी। झारखंड की कप्तान सोनिया ने 46 रन की पारी खेली। उनके अलावा रश्मि ने 27 रन और अश्विनी कुमारी ने 25 रन बनाए।

छत्तीसगढ़ की गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए झारखंड के बल्लेबाजों को बड़ी साझेदारी बनाने का मौका नहीं दिया और लगातार अंतराल पर विकेट हासिल किए। छत्तीसगढ़ की ओर से कप्तान कृति गुप्ता ने 3 विकेट, जबकि प्रीति यादव ने 2 विकेट झटके।

इस तरह छत्तीसगढ़ ने झारखंड को 5 रन से हराकर मुकाबला अपने नाम किया। शानदार गेंदबाजी और हरफनमौला प्रदर्शन के लिए कप्तान कृति गुप्ता को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

यूएस ओपनः सितसिपास को हराकर शेल्टन ने बनाई क्वार्टर फाइनल में जगह, अल्काराज से होगी अगली भिड़ंत

विश्व केसरी ■

न्यूयॉर्क। अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी बेन शेल्टन शानदार फॉर्म में हैं और उनका यूएस ओपन अभियान सही समय पर रफ्तार पकड़ चुका है। आठवीं वरीयता प्राप्त शेल्टन ने चौथे दौर के मुकाबले में ग्रीस के स्टेफानोस सितसिपास को सीधे सेटों में 6-2, 6-3, 6-4 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है।

शेल्टन ने पूरे मैच में आक्रामक खेल दिखाया और सितसिपास को वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया। उन्होंने शुरुआत से ही मैच पर पकड़ बनाए रखी और तीनों सेट आसानी से जीते। क्वार्टर फाइनल मुकाबले में शेल्टन का सामना मौजूदा चैंपियन कार्लोस अल्काराज से होगा।बेन शेल्टन के लिए यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल तक का सफर बिल्कुल आसान नहीं रहा। टूर्नामेंट के शुरुआती तीन मैचों में उन्हें कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। टैलन ग्रीकस्पूर, ह्यूबर्ट हरकाज और डेनिस शापोवालोव के खिलाफ उन्हें जीत के लिए चार-चार सेट खेलने पड़े।

हालांकि, चौथे दौर में शेल्टन ने अपना सबसे बेहतरीन खेल दिखाया। आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में 23 वर्षीय अमेरिकी खिलाड़ी ने स्टेफानोस सिटसिपास को कोई मौका नहीं दिया और पूरे मैच में दबदबा बनाए रखा।

शेल्टन ने सिर्फ 1 घंटा 51 मिनट में जीत हासिल की। बेन शेल्टन ने यूएस ओपन में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। वह अपने करियर में छठी बार किसी ग्रैंड स्लैम के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे हैं। वहीं, यूएस ओपन में यह दूसरी बार है जब उन्होंने अंतिम आठ में जगह बनाई है। शेल्टन ने 2023 में भी यूएस ओपन में शानदार प्रदर्शन किया था। उस समय वह टूर्नामेंट में सिर्फ दूसरी बार खेल रहे थे, लेकिन सेमीफाइनल तक पहुंचने में सफल रहे थे।

हाल के महीनों में भी शेल्टन का प्रदर्शन बेहतरीन रहा है। विंबलडन के बाद शुरू हुए नॉर्थ अमेरिकन हार्ड-कोर्ट सीजन में उनका जीत-हार का रिकॉर्ड 12-2 का रहा है, जो उनकी शानदार फॉर्म को दिखाता है। इसी दौरान उन्होंने मॉन्ट्रियल में अपना दूसरा एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब भी जीता। इसके अलावा, शेल्टन लगातार मजबूत खिलाड़ियों को हराते हुए आगे बढ़ रहे हैं।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेलः vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415